THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 294 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ कृ. 3 2081 गुरुवार, 16 जनवरी-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से मांगी डल्लेवाल की स्वास्थ्य रिपोर्ट

नई दिल्ली, 15 जनवरी(एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की स्वास्थ्य रिपोर्ट देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर डल्लेवाल की स्वास्थ्य रिपोर्ट पर एम्स के मेडिकल बोर्ड से राय ली जाएगी। जगजीत सिंह डल्लेवाल अनिश्चितकालीन अनशन पर हैं और उनके अनशन को 50 से ज्यादा दिन गुजर चुके हैं। हाल ही में जगजीत सिंह की तबीयत बिगड़ने की रिपोर्ट्स सामने आईं थी। हालांकि पंजाब सरकार ने कहा है कि डल्लेवाल की सेहत में कुछ सुधार हुआ है।

देश को 3 नए युद्धपोत मिले

मोदी बोले- ये तीनों मेड इन इंडिया, पहली बार डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और सबमरीन एकसाथ कमीशंड

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन वॉरशिप आईएनएस सूरत (डिस्ट्रॉयर), नीलगिरि (स्टेल्थ फ्रिगेट) और वाघशीर (सबमरीन) को राष्ट्र को समर्पित किए। इन तीनों अल्ट्रा-मॉर्डन वॉर शिप से नेवी की ताकत और बढ़ जाएगी।

मोदी ने कहा 15 जनवरी को आर्मी डे के रूप में भी मनाया जाता है। आज भारत की समुद्री विरासत नेवी के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए भी बहुत बड़ा दिन है।

छत्रपति शिवाजी महाराज ने नौसेना को नया सामर्थ्य दिया था, नया विजन दिया था। आज उनकी इस पावन धरती पर 21वीं सदी की नेवी को सशक्त करने की तरफ हम एक बहुत बड़ा कदम उठा रहे हैं। यह पहली बार हो रहा है, जब एक डिस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और सबमरीन को एकसाथ कमीशन किया जा रहा है। ये तीनों मेड इन इंडिया हैं।

भारत मैरीटाइम पावर बन रहा है

मोदी ने कहा कि आज जो प्लेटफॉर्म लॉन्च हुए हैं, उनमें भी इसकी झलक है। नीलगिरी चोल वंश के सामुद्रिक सामर्थ्य के प्रति समर्पित है। सूरत वॉर शिप उस वक्त की याद दिलाता है, जब गुजरात को पोर्ट के जरिए वेस्ट एशिया से जुड़ा था। आज बाघशीर सबमरीन की भी कमीशनिंग हो रही है। कुछ साल पहले पी-75 क्लास के पहली सबमरीन की कमीशनिंग का मौका मिला था। आज इस क्लास की छठी सबमरीन समर्पित कर रहा हूं।

हम पूरे विश्व को परिवार मानकर चलते हैं

उन्होंने कहा कि भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद की भावना से काम करता है। ओपन, सिक्योर, इन्क्लूजिव इंडो पैसेफिक रीजन का समर्थन किया है। जब समुद्र से सटे देशों के विकास की बात आई तो भारत ने मंत्र दिया सागर- सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फॉर ऑल इन द रीजन। जी-20 में कहा कि वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर। कोरोना के वक्त वन वर्ल्ड, वन हेल्थ कहा। हम पूरे विश्व को परिवार मानकर चलते हैं।

दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा है

बीते कुछ महीनों में हमारी नौसेना ने सैकड़ों जानें बचाईं। हजारों करोड़ रुपए के नेशनल और इंटरनेशनल कार्गो की सुरक्षा की है। दुनिया का भारत पर भरोसा बढ़ा है। भारतीय नौसेना, कोस्टगार्ड पर लगातार भरोसा बढ़ता जा रहा है।

आसियान हो, ऑस्ट्रेलिया हो, गल्फ हो, अफ्रीका के देश हों, सबके साथ आज भारत का आर्थिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है।

कर्नाटक में देश की सबसे बड़ी हेलिकॉप्टर बनाने वाली फैक्ट्री शुरू हुई। यूपी-तमिलनाडु में बन रहे डिफेंस कॉरिडोर को और गति मिलेगी। नेवी ने भी मेक इन इंडिया अभियान का विस्तार किया है। मझगांव डॉक यार्ड के आप साथियों की भूमिका है। 10 साल में नेवी में 33 शिप्स और 7 सबमरीन को शामिल किया गया। इनमें से 39 भारतीय शिपयार्ड में ही बने हैं।

हमारी सेनाओं ने 5 हजार से ज्यादा ऐसे साजोसमान और उपकरणों की लिस्ट तैयार की है, जो अब वे विदेशों से नहीं मंगाएंगे। जब भारत का सैनिक भारतीय साजोसामान के साथ आगे बढ़ता है, तो आत्मविश्वास भी कुछ अलग ही होता है।

खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन

हमारी सरकार सेवा भावना के साथ काम कर रही : पीएम

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवी मुंबई के खारघर में इस्कॉन मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और भाजपा सांसद हेमा मालिनी भी उपस्थित थीं। इस्कॉन मंदिर के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी ने एक कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार सेवा भावना के साथ काम कर रही है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, ज्ञान और भक्ति की इस महान भूमि पर इस्कॉन के प्रयास से श्री श्री राधा मदनमोहनजी मंदिर का उद्घाटन किया जा रहा है। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस दिव्य उद्घाटन में भूमिका निभाने का मौका मिल रहा है। मैं अभी देख रहा था कि श्री श्री राधा मदनमोहन जी मंदिर परिषद की जो रूपरेखा है, इस मंदिर के पीछे जो विचार है, इसका जो स्वरूप है, उसमें अध्यात्म और ज्ञान की सम्पूर्ण परंपरा के दर्शन होते हैं। मंदिर में ईश्वर के विविध स्वरूपों के दर्शन होते हैं।

पीएम मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि यह मंदिर परिसर आस्था के साथ-साथ भारत की चेतना को भी समृद्ध करने का एक पुण्य केंद्र बनेगा। मैं इस पुनीत कार्य के लिए इस्कॉन के सभी संतों और सदस्यों को और महाराष्ट्र के लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आज इस मौके पर मुझे परम श्रद्धेय गोपालकृष्ण गोस्वामी महाराज का भावुक स्मरण भी हो रहा है। इस प्रोजेक्ट में उनका विजन जुड़ा हुआ है। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति उनकी अगाध भक्ति का आशीर्वाद जुड़ा हुआ है। आज वो भौतिक शरीर से भले ही यहां न हो, लेकिन उनकी आध्यात्मिक उपस्थिति हम सब महसूस कर रहे हैं।

केजरीवाल पर शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलेगा

ईडी को गृह मंत्रालय ने मंजूरी दी, दिल्ली चुनाव से 20 दिन पहले फैसला

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। गृह मंत्रालय ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चलाने की मंजूरी दे दी है। दिल्ली के एलजी विनय सक्सेना भी केजरीवाल पर केस चलाने की इजाजत दे चुके हैं।

ईडी को यह मंजूरी इसलिए लेनी पड़ी, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सरकारी कर्मचारियों पर मुकदमा चलाने के लिए ऐसा करना होगा। ईडी ने पिछले साल पीएमएलए कोर्ट में केजरीवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें शराब नीति घोटाले में केजरीवाल को आरोपी बनाया था। ईडी को यह मंजूरी ऐसे समय मिली है, जब दिल्ली में 5 फरवरी को विधानसभा चुनाव होने हैं। रिजल्ट 8 फरवरी को आएगा। दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने 11 जनवरी को ईडी को शराब नीति मामले में केजरीवाल के खिलाफ केस चलाने की इजाजत दे दी। ईडी ने 5 दिसंबर को एलजी से केजरीवाल के खिलाफ ट्रायल चलाने की अनुमति मांगी थी।

आप प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा- देश के इतिहास में यह पहला ऐसा मामला होगा, जिसमें आपने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को जेल में डाला। दोनों को ट्रायल कोर्ट और यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट से भी जमानत मिल गई। 2 साल बाद आपने मुकदमा चलाने की मंजूरी दी। यह तब है, जब चुनाव नजदीक हैं। उनका वही पुराना तरीका है, झूठे मामले दर्ज करना, आम आदमी पार्टी के नेताओं को बदनाम करना, लेकिन अब जनता सब समझ चुकी है।

केजरीवाल ने नई दिल्ली सीट से नामांकन भरा

जूते बांटने पर प्रवेश वर्मा पर एफआईआर

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को नई दिल्ली सीट से नॉमिनेशन फाइल किया। नॉमिनेशन से पहले उन्होंने वाल्मीकि मंदिर में पूजा की। इसके बाद वे हनुमान मंदिर पहुंचे। पूजा के बाद उन्होंने कहा- भगवान मेरे साथ है। इसके बाद वे कार्यकर्ताओं के साथ रैली करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। नामांकन दाखिल करने के बाद केजरीवाल ने कहा, 'मैं दिल्ली के लोगों को कहना चाहूंगा कि काम के लिए वोट दीजिएगा। इधर भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा पर महिलाओं को जूते बांटने के आरोप में एफआईआर हुई है। इलेक्शन कमीशन के रिटर्निंग ऑफिसर ने दिल्ली पुलिस को मामला दर्ज करने के लिए चिट्ठी लिखी है।

भाजपा ने प्रवेश वर्मा को पूर्व सीएम केजरीवाल के खिलाफ नई दिल्ली सीट से उतारा है, वहीं कांग्रेस ने संदीप दीक्षित को उम्मीदवार बनाया।

पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 14 फरवरी तक रोक

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व आईएएस ऑफिसर पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर 14 फरवरी तक रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई की और दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर का आदेश पलट दिया।

कोर्ट में पूजा की ओर से पेश वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा- हाईकोर्ट के आदेश में कुछ ऐसी टिप्पणी है, जिसके कारण अगर ट्रायल शुरू हुआ तो पूजा पर दोष सिद्ध हो सकते हैं। इस पर जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने यूपीएससी और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा की मामले की अगली सुनवाई 14 फरवरी को होगी।

दरअसल, पूजा पर एग्जाम में धोखाधड़ी और ओबीसी और विकलांगता कोटे का गलत तरीके से फायदा लेने का आरोप है। दिल्ली पुलिस ने पूजा खेडकर के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज किया था। पूजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अग्रिम जमानत याचिका लगाई थी। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 1 अगस्त को पूजा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पूजा दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचीं, जहां 23 दिसंबर को पूजा की जमानत याचिका खारिज हो गई थी।

सेना दिवस परेड में पहली बार रोबोटिक डॉग्स

गर्ल्स एनसीसी-महिला अग्नवीर टुकड़ी का मार्च पास्ट, नेपाल के आर्मी बैंड ने धुनें बजाईं

पुणे, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने बुधवार को महाराष्ट्र के पुणे में 77वां आर्मी डे मनाया। पुणे के बॉम्बे इंजीनियर्स ग्रुप और सेंटर परेड ग्राउंड में आर्मी डे परेड हुई। इसके साथ ही यह लगातार तीसरा साल है, जब सेना दिवस की परेड दिल्ली के बाहर हुई है। 2023 में आर्मी डे बेंगलुरु में, जबकि पिछले साल उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मनाया गया था। परेड में अलग-अलग रेजिमेंटल सेंटर्स से 8 मार्चिंग कंटिंजेंट ने मार्च पास्ट किया। इनमें बेलगावी का मराठा रेजिमेंटल सेंटर, नासिक का आर्टिलरी सेंटर, सिकंदराबाद का आर्मी ऑर्डिनेंस रेजिमेंटल सेंटर, अहिल्या नगर का मेकनाइज्ड इंफेंट्री रेजिमेंटल सेंटर, वेलिंगटन का मद्रास रेजिमेंटल सेंटर, खड़की का बीईजी सेंटर और आर्मी सर्विस कॉर्प्स हॉर्स कंटिंजेंट का घुड़सवार दल शामिल था।

पहली बार आर्मी डे परेड में दो विशेष कंटिंजेंट ने भाग लिया। इनमें कॉर्प्स ऑफ मिलिट्री पुलिस का महिला अग्निवीर कंटिंजेंट और महाराष्ट्र डायरेक्टोरेट का गर्ल्स एनसीसी कंटिंजेंट शामिल हुआ। इसके साथ ही पहली बार 12 रोबोटिक डॉग्स ने भी परेड में भाग लिया। आर्मी डे सेलिब्रेशन में 52 अवॉर्ड भी दिए गए। इसमें 15 सेना मेडल (वीरता) शामिल थे, जिनमें 8 मरणोपरांत प्रदान किए गए। इसके अलावा विभिन्न कमांड के यूनिट्स के उत्कृष्ट प्रयासों के लिए 37 चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ यूनिट प्रशंसा पुरस्कार दिए गए।

फॉर्मूला ई रेस मामले में केटीआर को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने एफआईआर के खिलाफ याचिका की खारिज

नई दिल्ली, 15 जनवरी(एजेंसियां)। फॉर्मूला ई रेस से जुड़े मामले में आरोपी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने फॉर्मूला ई रेस से जुड़े मामले दर्ज मुकदमे को रद्द की मांग वाली केटीआर की याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने की इच्छुक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और प्रसन्ना बी वराले की पीठ ने याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद केटी रामाराव के वकील ने मामले को वापस ले लिया। इससे पहले सात जनवरी को तेलंगाना हाईकोर्ट ने केटी रामा राव की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर लगाई रोक भी हटा दी थी। 31 दिसंबर को हाईकोर्ट ने केटीआर की याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि आरोपों से पता चलता है कि राव ने राज्य मंत्रिमंडल या वित्त विभाग से किसी भी मंजूरी लिए बिना हैदराबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एचएमडीए) को एक विदेशी कंपनी को भारी रकम का भुगतान करने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने कहा था कि क्या याचिकाकर्ता ने खुद को या तीसरे पक्ष को लाभ पहुंचाने के लिए बेईमानी से उक्त भुगतान का निर्देश दिया था, इसकी जांच की जानी चाहिए। प्रथम दृष्टया एचएमडीए के धन के दुरुपयोग और गलत काम का मामला बनता है। इसलिए जांच एजेंसी को जांच करने और सबूत इकट्ठा करने का उचित अवसर मिलना चाहिए, और अदालत जांच में बाधा नहीं डाल सकती।

क्या है पूरा मामला

दिसंबर 2024 में एसीबी ने पिछले बीआरएस शासन के दौरान 2023 में रेस आयोजित करने के लिए केटीआर और दो अन्य के खिलाफ कथित भुगतान पर मामला दर्ज किया था, इसमें से अधिकांश विदेशी मुद्रा में बिना मंजूरी के थे।

यह हैदराबाद में फरवरी 2023 में आयोजित फॉर्मूला-ई रेस के दौरान किए गए कथित भुगतान में अनियमितताओं से जुड़ा है। इस मामले में उन्हें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष 16 जनवरी को पेश होना है।

>14

'कांग्रेस का घिनौना सच उजागर', राहुल के बयान पर भड़के नड्डा

नई दिल्ली, 15 जनवरी(एजेंसियां)। भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की इस टिप्पणी से कांग्रेस का "घिनौना सच' सामने आ गया है, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि "हम अब भाजपा, आरएसएस और "इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से लड़ रहे हैं'। राहुल ने इससे पहले, राष्ट्रीय राजधानी के कोटला रोड पर 9ए स्थित कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद पार्टी नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, यह मत सोचिए कि हम निष्पक्ष लड़ाई लड़ रहे हैं। इसमें कोई निष्पक्षता नहीं है। यदि आप मानते हैं कि हम भाजपा नामक एक राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं या हम आरएसएस नामक एक राजनीतिक संगठन से लड़ रहे हैं तो आप नहीं समझ पाए हैं कि क्या हो रहा है।

राहुल के "डीप स्टेट' के साथ गहरे संबंध- नड्डा

राहुल गांधी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नड्डा ने सोशल मीडिया मंच X पर आरोप लगाया कि यह कोई रहस्य नहीं है कि राहुल गांधी और उनके परिवेशी तंत्र के शहरी नक्सलियों और "डीप स्टेट' के साथ गहरे संबंध हैं जो भारत को बदनाम, अपमानित और खारिज' करना चाहते हैं। "डीप स्टेट' ऐसे समूह को कहा जाता है जो गोपनीय तरीके से अपने विशेष हितों को पूरा करने, खासकर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को अस्थिर करने के लिए काम करते हैं।

नड्डा ने दावा किया कि राहुल गांधी ने जो कुछ भी किया या कहा है वह भारत को तोड़ने और हमारे समाज को विभाजित करने की दिशा में है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा मैं राहुल गांधी को बधाई देता हूं कि उन्होंने साफ तौर पर वह कह दिया, जो देश जानता है- कि वह भारत के खिलाफ लड़ रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का उन सभी ताकतों को प्रोत्साहित करने का इतिहास रहा है जो कमजोर भारत चाहते हैं। नड्डा ने कहा, सत्ता के लालच का मतलब देश की अखंडता से समझौता करना और लोगों के भरोसे को धोखा देना है।

सोनिया ने नए कांग्रेस मुख्यालय का इनॉगरेशन किया: 252 करोड़ रुपए खर्च

नई दिल्ली, 15 जनवरी(एजेंसियां)। इंदिरा गांधी भवन' 9ए, कोटला रोड, नई दिल्ली यह कांग्रेस पार्टी का नया पता है। सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के अन्य नेताओं के साथ बुधवार को इसका उद्घाटन किया करीब 46 साल बाद पार्टी ने अपना पता बदला है। इससे पहले पुराना ऑफिस 24, अकबर रोड था। नए ऑफिस की आधारशिला 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी ने रखी थी।

यह भाजपा मुख्यालय से 500 मीटर दूर है। इसे बनने में 252 करोड़ रुपए लगे। भाजपा दफ्तर डेढ़ साल में बना था। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने 2019 में कहा था- भाजपा मुख्यालय 700 करोड़ में बना है। भाजपा देशभर में 768 ऑफिस बना रही है। इनमें से 563 ऑफिस बनकर तैयार हैं, जबकि 96 पर काम चल रहा है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पिछले साल अगस्त में इसकी जानकारी दी थी।

खरगे ने आजादी वाली टिप्पणी पर मोहन भागवत को घेरा

कहा- देश में घूमना भी मुश्किल हो जाएगा

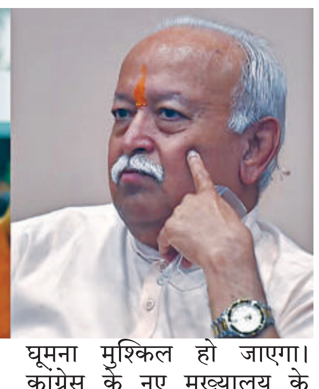

नई दिल्ली, 15 जनवरी(एजेंसियां)। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी की निंदा की। दरअसल, भागवत ने कहा था कि भारत को असली आजादी राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन मिली। इसके साथ ही खरगे ने आरएसएस प्रमुख को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वे ऐसी ही टिप्पणियां करते रहेंगे तो उनका पूरे देश में घूमना मुश्किल हो जाएगा। कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आरएसएस के लोगों को लगता है कि राम मंदिर के उद्घाटन से आजादी मिली है। उन्हें 1947 की आजादी याद नहीं है, क्योंकि उन्होंने इसके लिए लड़ाई नहीं लड़ी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, "आपको मालूम होगा कि ऐसे बयान वे ही देते हैं जिनका आजादी से कोई लेना देना नहीं था। उन्होंने इसके लिए लड़ाई नहीं लड़ी। मैंने आरएसएस प्रमुख का बयान पढ़ा, उन्होंने कहा कि असली आजादी राम मंदिर के उद्घाटन से मिली। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ राम मंदिर का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी का मानना है कि 2014 में जब वे पीएम बने तब आजादी मिली।

इससे पहले खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, कांग्रेस पार्टी का नया मुख्यालय 'इंदिरा भवन' लोकतंत्र, राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्षता, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की नींव पर बनाया गया है। कांग्रेस के 140 साल पुराने गौरवशाली इतिहास का प्रतीक यहां की दीवारें सत्य, अहिंसा, बलिदान, संघर्ष और देशभक्ति की महान गाथा बयान करती है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने लोकायुक्त को जांच जारी रखने का आदेश दिया

सीबीआई जांच की मांग पर सुनवाई टली

बंगलूरू, 15 जनवरी(एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बुधवार को लोकायुक्त को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जुड़ी मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन अनियमितताओं की जांच जारी रखने की अनुमति दे दी। अदालत ने निर्देश दिया कि जांच की निगरानी पुलिस महानिरीक्षक, लोकायुक्त द्वारा की जाए। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसी को अब तक की अपनी जांच के विस्तृत रिकॉर्ड दाखिल करने का निर्देश दिया। यह निर्देश मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) जांच की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किया गया था। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने उच्च पदस्थ अधिकारियों और राजनेताओं की संलिप्तता को देखते हुए लोकायुक्त जांच की निष्पक्षता पर सवाल उठाया।

>14

खेत में काम कर रहे किसान पर बाघ ने किया हमला गर्दन पर किया वार; मौत के बाद इलाके में दहशत

छिंदवाड़ा, 15 जनवरी (एजेंसियां)। पांढुर्णा जिले के सौसर तहसील अंतर्गत सोनपुर (घोराड) में बाघ के हमले में एक किसान की मौत हो गई। घटना मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे की है। खेत पर काम कर रहे किसान के गर्दन पर बाघ ने हमला कर घायल कर दिया। घटना की सूचना पर वन विभाग की टीम पहुंच गई। जहां खेत की झाड़ियों में किसान गुलाब का शव बरामद हुआ। इस घटना के बाद लोगों से विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है। मृतक की पत्नी मीना वरकड़े के अनुसार, मृतक गुलाब वरकड़े (45) निवासी पिलापार अपने खेत पर काम कर रहे थे। इसी दौरान बाघ ने अचानक उन पर हमला कर दिया। गुलाब की गर्दन को बाघ ने शिकार बनाया। वन विभाग के बीट प्रभारी दीपक तिरपुडे ने बताया कि यह क्षेत्र घने जंगल से घिरा हुआ है।

एलएसी और एलओसी के बाद अब भारत बांग्लादेश के बीच भी शुरू हुआ सीमा-विवाद

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारत-चीन के बीच लाइन ऑफ एक्चुल कंट्रोल (एलएसी) और भारत-पाकिस्तान के बीच नियंत्रण सीमा (एलओसी) पर टकराव के बाद अब भारत-बांग्लादेश के बीच भी नया सीमा विवाद शुरू हो गया है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। दोनों देशों के बीच सीमा-विवाद को सुलझाने के लिए आहूत की गई बैठक 2 बार स्थगित हो चुकी है। अब महानिदेशक (डीजी) स्तर की वार्ता 16 फरवरी से दिल्ली में होने की उम्मीद है। इस बैठक के बाद भारत की ओर से सीमा पर बाड़ लगाने और बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद घुसपैठ की कोशिशों में बढ़ोतरी का मुद्दा चर्चा का प्रमुख एजेंडा रहेगा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश का एक प्रतिनिधिमंडल 16 से 19 फरवरी के बीच भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ इस द्विवार्षिक वार्ता में चर्चा करेगा।

शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद भारत-बांग्लादेश के बिगड़े रिश्ते

पिछले साल पांच अगस्त को शेख बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद दोनों सेनाओं के बीच यह पहली शीर्ष स्तरीय चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच वार्ता के मुद्दों पर काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले साल ये वार्ता दो बार स्थगित हो गई थी। सूत्रों ने बताया कि दोनों देशों के बीच कुल 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा के लगभग 95.8 किलोमीटर को कवर करने वाले लगभग 92 चिह्नित हिस्सों पर सहमति के अनुसार 'सिंगल रो' की बाड़ के निर्माण को लेकर बांग्लादेश की आपत्तियों से संबंधित मुद्दों को इस बैठक के दौरान ''प्रमुखता'' से उठाए जाने की उम्मीद है।

बाड़ लगाने से परेशान है बांग्लादेश

बांग्लादेश ने सप्ताहांत में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर बाड़ लगाने और सीमा पर हत्याओं के संबंध में बीएसएफ की ''गतिविधियों'' पर ''गहरी चिंता'' व्यक्त की थी। अगले दिन, भारत ने दिल्ली में बांग्लादेश के कार्यवाहक उच्चायुक्त नूरल इस्लाम को स्पष्ट कर दिया कि बाड़ लगाने के दौरान सभी निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। इसमें उम्मीद जताई गई कि ''बांग्लादेश द्वारा सभी पूर्व समझौतों को लागू किया जाएगा और सीमा पार अपराधों से निपटने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।''

बांग्लादेशी घुसपैठ है बड़ा मुद्दा

सीमा वार्ता के दौरान भारत की ओर से सीमा पर बांग्लादेशी नागरिकों के घुसपैठ के प्रयासों में बढ़ोतरी के मुद्दे पर भी चर्चा किए जाने की उम्मीद है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष अगस्त से दिसंबर के बीच बीएसएफ के जवानों ने 1,956 बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था। महानिदेशक स्तर की सीमा वार्ता 1975 और 1992 के बीच सालाना आयोजित की जाती थी, लेकिन 1993 में इसे द्विवार्षिक कर दिया गया, जिसमें दोनों पक्ष बारी-बारी से नयी दिल्ली और ढाका में वार्ता आयोजित करते हैं। पिछला संस्करण मार्च में ढाका में आयोजित किया गया था, जब भारतीय प्रतिनिधिमंडल बांग्लादेश गया था।

पीएम के दौरे से ट्रैफिक जाम

लोग क्यों परेशान हों मोदी के मुंबई विजिट की टाइमिंग पर आदित्य ठाकरे ने उठाए सवाल

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के दौरे पर हैं। यहां पर उन्होंने नौसेना डॉकयार्ड में आईएनएस सूरत, नीलगिरी और आईएनएस वाघशीर नौसेना को सौंप दिया। पीएम मोदी के इस दौरे पर शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने निशाना साधा है।उन्होंने पीएम मोदी के विजिट से लगने वाली सड़क और ट्रैफिक जाम पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि चुनावों की तरह पीएम ने हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल क्यों नहीं किए। उन्होंने कहा, कामकाजी दिनों में मुंबई में ट्रैफिक जाम हो जाता है। लाखों लोग वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर फंसकर ऑफिस के लिए देर से पहुंचते हैं। ऐसे कार्यक्रम, जहां वीआई ट्रैफिक 20 मिनट से ज्यादा समय तक रोकते हैं, वीकेंड पर क्यों नहीं किए जा सकते? कामकाजी दिन ही क्यों चुने जाते हैं? आदित्य ठाकरे ने आगे कहा कि चुनावों के समय की तरह हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल क्यों नहीं कर सकते, ताकि उनकी यात्रा जल्दी हो जाए। ट्रैफिक को बेहतर तरीके से प्लान क्यों नहीं किया जा सकता। मुंबईकरों को वीआई यात्राओं से क्यों परेशान होना चाहिए। पीएम मोदी के दौरे पर संजय राउत ने भी सवाल उठा। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री मुंबई के विकास के लिए आ रहे हैं तो स्वागत है, लेकिन अगर वे अदाणी के विकास के लिए आ रहे हैं तो यह स्वीकार्य नहीं। धारावी का सवाल अभी भी लंबित है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मणिपुर कब जाएंगे, यह भी एक बड़ा सवाल है। दिल्ली चुनाव खत्म होने के बाद ही उन्हें वहां जाना चाहिए। आज मंच पर ईवीएम मशीन रखी जानी चाहिए।

कर्नाटक मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जाएगी जातिगत जनगणना रिपोर्ट, विश्लेषण के बाद होगा फैसला

बंगलूरू, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जातिगत जनगणना रिपोर्ट को 16 जनवरी को कर्नाटक मंत्रिमंडल के समक्ष पेश करने की संभावना है। राज्य गृह मंत्री जी। परमेश्वर ने जोर देकर कहा कि इसकी सामग्री को सर्वजनिक किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर कोई भी निर्णय सरकार का विशेषाधिकार है और इसका विश्लेषण करने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। समाज के कुछ वर्गों द्वारा उठाई गई आपत्तियों और सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर इसके खिलाफ आवाजों के बीच कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने अपने तत्कालीन अध्यक्ष के। जयप्रकाश हेगड़े के नेतृत्व में पिछले साल 29 फरवरी को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को रिपोर्ट सौंपी थी। राज्य गृह मंत्री जी। परमेश्वर ने कहा, ₹यह निर्णय लिया गया कि रिपोर्ट को कैबिनेट के सामने खोला जाएगा, वरना इससे जानकारी लीक हो सकती है। इस पर चर्चा होगी या नहीं, मैं इसके बारे में अभी नहीं बोल सकता, एक बार रिपोर्ट खोलने के बाद कम से कम हमें कुछ जानकारी मिलेगी।

रिपोर्ट और इसकी सिफारिशों के कार्यान्वयन पर कुछ प्रमुख वर्गों के विरोध को लेकर एक सवाल पर उन्होंने कहा सरकार को करदाताओं के 160 करोड़ रुपये खर्च करने के बाद रिपोर्ट मिली है। इसे कम से कम सार्वजनिक किया जाना चाहिए और इसके आधार पर कार्रवाई की जानी चाहिए। राज्य गृह मंत्री ने कहा कि अब जो हो रहा है वह रिपोर्ट से जानकारी सामने आ रही है। कर्नाटक के दो प्रमुख समुदायों वोक्कालियाग और लिंगायत ने किए गए सर्वेक्षण पर आपत्ति जताई। उन्होंने इसे अवैज्ञानिक बताया और इसे खारिज करने और नए सिरे से सर्वेक्षण कराने की मांग की।

उपमुख्यमंत्री डीकेशिवकुमार जो वोक्कालिगा से ताल्लुक रखते हैं, ने कुछ मंत्रियों के साथ समुदाय द्वारा पहले मुख्यमंत्री को सौंपे गए एक ज्ञापन पर हस्ताक्षरकर्ता थे। इस ज्ञापन में उन्होंने रिपोर्ट और डाटा को अस्वीकार करने का अनुरोध किया। वीरशैव-लिंगायतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय वीरशैव महासभा ने भी सर्वेक्षण के प्रति अपनी अस्वीकृति व्यक्त की। उन्होंने नए सिरे से सर्वेक्षण कराने की मांग की। कई लिंगायत मंत्रियों और विधायकों ने भी आपत्ति जताई है।

टिकट देने का वादा कर पार्टी की महिला नेता से रेप, आरोप में गिरफ्तार बीजेपी नेता पर कार्रवाई

सीधी, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक प्रमुख नेता को एक महिला बीजेपी नेता से बलात्कार और पैसे ऐंठने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी नेता अजीतपाल सिंह चौहान के खिलाफ महिला ने 13 जनवरी को प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। घटना के बाद बीजेपी ने उन्हें तत्काल पार्टी से निष्कासित कर दिया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, बीजेपी की महिला नेता ने आरोप लगाया है कि अजीतपाल सिंह चौहान ने उसे पार्टी का टिकट दिलाने का वादा किया और उसके बाद बलात्कार किया। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने घटना का वीडियो भी बना लिया और उसका इस्तेमाल उसे धमका कर पैसे ऐंठने के लिए किया। इसके बाद आरोपी ने महिला के पति को भी जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने प्राथमिकी के आधार पर आरोपी अजीतपाल सिंह चौहान के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी के खिलाफ बलात्कार, धमकी और पैसे ऐंठने की धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया और मामले की जांच जारी है। वहीं, मामला सामने आने के बाद बीजेपी ने कार्रवाई करते हुए अजीतपाल सिंह चौहान को पार्टी से निष्कासित कर दिया। सीधी जिले इकाई के बीजेपी अध्यक्ष देव कुमार सिंह ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि पार्टी इस तरह की घटनाओं को गंभीरता से लेती है और आरोपी को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया है।

वायनाड भूस्खलन में लापता लोगों के लिए केरल सरकार का बड़ा फैसला, मृत घोषित करने का लिया फैसला

तिरुवनंतपुरम, 15 जनवरी (एजेंसियां)। केरल सरकार (पिनरई विजयन की सरकार) ने पिछले साल वायनाड भूस्खलन में अभी तक लापता रहने वाले लोगों को मृत घोषित करने का फैसला किया। इससे उनके परिवार को मुआवजा देने में मदद मिलेगी। मंगलवार को जारी सरकार के आदेश के अनुसार, लापता लोगों की सूची की जांच के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों समेत स्थानीय, जिला और राज्य स्तरीय समितियां बनाई गई हैं। स्थानीय स्तरीय समिति में पंचायत सचिव, ग्राम अधिकारी और संबंधित पुलिस स्टेशनों के स्टेशन हाउस अधिकारी शामिल होंगे। यह समिति लापता लोगों की सूची तैयार करेगी और उसे जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) को सौंपेगी।

डीडीएमए सुझावों के साथ सूची को राज्य स्तरीय समिति को भेजेगा

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) सूची का निरीक्षण करेगा और सुझावों के साथ इसे राज्य स्तरीय समिति को भेजेगा। राज्य स्तरीय समिति में अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) और राजस्व और स्थानीय स्वशासन के प्रमुख सचिव शामिल हैं। यह समिति सूची की जांच करेगी और इसे सरकार के पास भेजेगी। सरकार बाद में उन्हें मृत घोषित करने और उनके परिवारों को अनुग्रह राशि देने का आदेश जारी करेगी। बता दें कि पिछले साल 30 जुलाई 2024 को हुए भूस्खलन में 263 लोग मारे गए थे और 35 लोग लापता बताए गए थे।

आपत्ति दर्ज करने के लिए मिलेगा 30 दिन का समय

सरकार की तरफ से जारी आदेश में स्थानीय स्तर की समिति को संबंधित पुलिस स्टेशनों में लापता लोगों के संबंध में दर्ज एफआईआर की बारीकी से जांच करने का निर्देश दिया गया है। तहसीलदार या उप-विभागीय मजिस्ट्रेट को लापता व्यक्ति के बारे में विस्तृत जांच करनी चाहिए और निष्कर्ष आधिकारिक वेबसाइट और सरकारी गैजेट पर प्रकाशित किया जाएगा। आपत्ति दर्ज करने के लिए 30 दिन का समय दिया जाएगा, जिसके बाद लापता लोगों की सूची प्रकाशित की जाएगी और उनके निकटतम रिश्तेदारों को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे।

कितनी अमीर हैं अलका लांबा?

एफिडेविट से सामने आया सच कालकाजी सीट से लड़ रही हैं चुनाव

दक्षिणी दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की चर्चित कालकाजी सीट से विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने वाली कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा की कुल संपत्ति 3.41 करोड़ रुपये है। पिछले पांच साल में उनकी संपत्ति करीब 20 लाख बढ़ी है। वर्ष 2020 में उनकी कुल संपत्ति करीब 3.21 करोड़ रुपये थी। चुनावी हलफनामे में अलका लांबा के अनुसार उनके पास न तो आभूषण हैं और न ही कोई कार है। हालांकि वर्ष 2020 में कांग्रेस की टिकट पर ही चांदनी चौक विधानसभा चुनाव लड़ी अलका लांबा के हलफनामे के अनुसार सार तब उनके पास दो कार थीं।

गुरुग्राम में कितनी है प्रॉपर्टी?

चुनावी हलफनामे के अनुसार उनके पास पांच हजार रुपये कैश है। इसके अलावा गुरुग्राम में एक वाणिज्यक संपत्ति और साउथ एक्स में एक रिहायशी संपत्ति है। इनकी बाजार कीमत करीब 2.80 करोड़ रुपये है। इन संपत्तियों की 2020 में भी इतनी ही कीमत दर्शाई गई थी।

'अदालत के साथ ड्रामा मत कीजिए'

जमानत के बावजूद जेल से बाहर न आने पर उद्योगपति को हाईकोर्ट की चेतावनी

कोच्चि, 15 जनवरी (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने बुधवार को मशहूर व्यवसायी बॉबी चेम्मानूर को जमानत मिलने के बावजूद जेल से बाहर न आने पर फटकार लगाई। अदालत ने एक दिन पहले ही मलयालम अभिनेत्री हनी रोज का यौन उत्पीड़न करने के मामले में जमानत दी थी। अदालत ने बॉबी चेम्मानूर के व्यवहार से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अदालत के साथ ड्रामा मत कीजिए। जस्टिस पीवी कुन्हीकृष्णन ने चेम्मानूर को चेतावनी देते हुए कहा कि उच्च न्यायालय के साथ खेल मत खेलिए और कहा कि अगर अदालत जमानत दे सकती है तो जमानत रद्द भी कर सकती है।

उच्च न्यायालय ने लगाई फटकार उच्च न्यायालय ने दोपहर 12 बजे तक चेम्मानूर से जवाब भी मांगा है और पूछा है कि जमानत मिलने के बाद भी वे जेल से बाहर क्यों नहीं आए। उच्च न्यायालय ने कहा कि जमानत का आदेश वेबसाइट पर मंगलवार शाम में 4.08 बजे अपलोड हो गया था और रिहाई आदेश भी 4.45 बजे जारी कर दिया गया था। इसके बावजूद वह जेल के भीतर क्यों रहे? चेम्मानूर के वकील ने उच्च न्यायालय को बताया कि चेम्मानूर की रिहाई के आदेश जेल में उनके वकीलों द्वारा पेश नहीं किए गए, जिसकी वजह से वे बाहर नहीं आए पाए। साथ ही उन्होंने कहा कि व्यवसायी का दावा है कि जेल में कई कैदी जमानत मिलने के बावजूद बंद हैं क्योंकि उनके पास बॉन्ड भरने के लिए पैसे नहीं हैं। इसके विरोध में भी वे जेल से बाहर नहीं आए।

अदालत ने कहा- जमानत दी है तो रद्द भी कर सकते हैं

चेम्मानूर के वकीलों के इस तर्क पर उच्च न्यायालय ने कड़ी नाराजगी जताई और कहा कि 'आपको इसकी वकालत करने की जरूरत नहीं है। यह न्यायपालिका का काम है। अदालत के साथ ड्रामा मत करिए। वे सिर्फ मीडिया प्रचार चाहते हैं और इस तरह की कहानियां बना रहे हैं। क्यों न उनकी जमानत खारिज कर दी जाए?' न्यायाधीश कुन्हीकृष्णन ने कहा कि 'अगर जमानत दी जा सकती है तो रद्द भी की जा सकती है। न्यायाधीश ने कहा कि क्या आपको लगता है कि आप कानून से ऊपर हैं?' बुधवार सुबह चेम्मानूर जेल से बाहर आ गए। जेल से बाहर आने के बाद मीडिया से बात करते हुए चेम्मानूर ने कहा कि 'कई कैदी जमानत के बावजूद जेल में बंद हैं। जब उन्होंने मुझे ये बताया तो मैं इसके विरोध में एक दिन जेल में और रहा।'

भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में नए युग की शुरुआत

दो स्वदेशी स्टार्टअप्स ने लॉन्च किए अपने उपग्रह

बंगलूरू, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में नए युग की शुरुआत हो गई है। दरअसल पहली बार दो निजी स्टार्टअप कंपनियों ने अंतरिक्ष में सफलतापूर्वक अपने उपग्रह लॉन्च किए हैं। ये उपग्रह दो भारतीय स्टार्टअप कंपनियों पिक्सेल और दिगंतारा ने लॉन्च किए हैं, जो पृथ्वी की परिक्रमा करने वाले अंतरिक्ष पिंडों की निगरानी करेंगे। पिक्सेल भारत की पहली निजी कंपनी बन गई,

जिसके पास उपग्रहों का अपना समूह है। कंपनी 150 से अधिक बैंड में पृथ्वी का अवलोकन करने की क्षमता रखती है। यह एक ऐसी तकनीक है जो कृषि और रक्षा जैसे विविध क्षेत्रों में उपयोगी है। वहीं दिगंतारा एयरोस्पेस ने दुनिया के पहले वाणिज्यिक उपग्रह - स्पेस कैमरा फॉर ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग (एससीओटी) के प्रक्षेपण की घोषणा की है, जो सुरक्षित अंतरिक्ष संचालन सुनिश्चित करने के लिए पृथ्वी की परिक्रमा करने वाली 5 सेमी जितनी छोटी वस्तुओं की निगरानी करेगा।

कांग्रेस ने इशरत जहां की जगह अरीबा खान को क्यों दिया टिकट? अमानतुल्लाह खान पर दे दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने शाम अपनी चौथी लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में जिन सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया गया है, उसमें सबसे ज्यादा चर्चा ओखला सीट को लेकर हो रही है। दरअसल, कांग्रेस ने यहां से इशरत जहां की बजाय अरीबा खान को टिकट दिया है। अरीबा खान पार्षद हैं और उनके पिता आसिफ खान ओखला से दो बार विधायक रह चुके हैं। अरीबा का मुकाबला मौजूदा विधायक अमानतुल्ला खान से होगा। इस सीट से कांग्रेस इशरत जहां को टिकट देने पर गंभीरता से विचार कर रही थी। पूर्व पार्षद इशरत जहां दिल्ली दंगों के आरोप में जेल में रही थीं। इससे संभावित सहानुभूति फैक्टर के कारण कांग्रेस इशरत पर दांव लगाना चाहती थी। यहां तक कि कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की पिछली बैठक में राहुल गांधी ने भी इशरत की पैरवी की थी, लेकिन बात नहीं बन पाई। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव लड़ रहे कांग्रेस के कुछ बड़े नेताओं ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर इशरत जहां को टिकट नहीं देने के लिए दबाव बनाया। यहां तक धमकी दी गई कि इशरत के चुनाव लड़ने की स्थिति में वो चुनाव नहीं लड़ेंगे। कांग्रेस नेतृत्व के पास सरेंडर करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था। हालांकि, अब इशरत को टिकट नहीं देने का मुद्दा ओवैसी की पार्टी ने उठा कर कांग्रेस को घेरना शुरू कर दिया है। एआईएमआईएम ने कहा कि कांग्रेस ने इशरत जहां का टिकट काटकर यह संदेश दिया है कि वह समाज के लिए आवाज बुलंद करने वाली मुस्लिम नेतृत्व का साथ नहीं देना चाहती। यह हिम्मत सिर्फ हमारी पार्टी में है कि मजलूम की आवाज उठाते हैं। बाकी सेकुलर पार्टियां हिंदुत्व वोट बैंक को खुश करने में लगी रहती हैं। एआईएमआईएम ने ओखला से शफाउररहमान खान को उम्मीदवार बनाया है, जो दिल्ली दंगों के आरोपों में जेल में बंद हैं। इससे मुस्लिम बहुल ओखला सीट की लड़ाई दिलचस्प हो गई है। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अरीबा खान ने कहा, ओखला के लोगों को विकास चाहिए। यही एक मुद्दा है, एक ही रणनीति है। मौजूदा सरकार और विधायक इस इलाके को 20 साल पीछे ले गए हैं। ओखला के लोगों ने अमानतुल्लाह खान को दो बार मौका दिया, लेकिन वह पूरी तरह विफल रहे हैं। अरविंद केजरीवाल खुद मानते हैं कि उनके प्रत्याशी अपने चेहरे पर चुनाव नहीं जीत पाएंगे। इसलिए उन्होंने कहा था कि 70 विधानसभा चुनाव में लड़ रहा हूं। उनके विधायक भ्रष्टाचार में डूबे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं बहुत अच्छे मार्जिन से जीतूंगी।

मेरे पिता इस सीट से कई बार विधायक रह चुके हैं और मुझे उम्मीद है कि मैं उनसे बेहतर काम करूंगी। अरविंद केजरीवाल की कोई क्रेडिबिलिटी नहीं है, उनकी जुमलेबाजी का कोई असर यहां देखने को नहीं मिला है।

इंदौर में महापौर के पिता को कार ने मारी टक्कर, गंभीर चोट लगी, चालक फरार

इंदौर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के पिता डॉ. राजेंद्र भार्गव को सुबह गौपुर चौराहे पर मॉर्निंग वॉक के दौरान एक कार (एमपी 09 डब्ल्यूएम 1524) ने टक्कर मार दी। इस हादसे में डॉ। राजेंद्र घायल हो गए और उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना में उनके दोनों घुटनों में फ्रैक्चर होने की खबर है। उन्हें तुरंत यूनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही महापौर पुष्यमित्र भार्गव, एडिशनल कमिश्नर अमित सिंह, डीसीपी जोन-4 ऋषिकेश मीणा समेत कई उच्च पुलिस अधिकारी अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने हादसे के बाद कार में सवार एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

सेना दिवस पर आर्मी चीफ ने बढ़ाया जवानों का जोश

बोले- किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार

पुणे, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा है कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भारतीय सेना ने परिवर्तन के दशक की रूपरेखा तैयार कर ली है। इस परिवर्तन का उद्देश्य सेना की परिचालन एवं प्रशासनिक क्षमता को बढ़ाना है। थलसेना अध्यक्ष बुधवार को पुणे में 77वें सेना दिवस परेड के अवसर पर जवानों को संबोधित कर रहे थे। 2023 से थलसेना ने सेना दिवस परेड एवं उससे जुड़े अन्य कार्यक्रमों को दिल्ली से बाहर अन्य शहरों में आयोजित करने की शुरुआत की है।

इस अवसर पर बोलते हुए जनरल मनोज पांडे ने सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि सेना के प्रयासों के कारण ही अति संवेदनशील माने जाने वाले जम्मू-कश्मीर के भीतरी क्षेत्रों में हिंसा में काफी कमी आई है। पिछले साल वहां संसदीय एवं विधानसभा चुनाव के साथ ही अमरनाथ यात्रा भी शांतिपूर्वक संपन्न कराने में सफलता मिली है। इसके अलावा कई अन्य प्रांतों में भी सेना के प्रयासों से शांति स्थापित करने में मदद मिल रही है।

आर्मी चीफ ने बताई सेना की भविष्य की योजना

थलसेना प्रमुख ने सेना की भविष्य की योजनाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि आज हमारा देश एक नए युग की कगार पर खड़ा है। एक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें एक स्थिर एवं सुरक्षित वातावरण की आवश्यकता है। इसे अंजाम देने में भी भारतीय सेना प्रमुख भूमिका निभा रही है। इसी दृष्टि से भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सेना ने परिवर्तन के दशक (डिकेड आफ ट्रांसफार्मेशन) की व्यापक रूपरेखा तैयार कर ली है। इस परिवर्तन का उद्देश्य हमारी परिचालन एवं प्रशासनिक क्षमता को बढ़ाना होगा। इसके साथ ही सेना ने वर्ष 2025 को सुधारों एवं तकनीक अपनाने के वर्ष के रूप में भी ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। इससे सेना को आधुनिक, नई तकनीक से युक्त एवं भविष्य के लिए सक्षम सुरक्षा बल बनाने में मदद मिलेगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

सुविचार
जरूरी नहीं कि हम सबको पसंद आए, बस, जिंदगी ऐसे जीओ कि रब को पसंद आए।

देशी बंदूक रैकेट चलाने वाले किसान को पुलिस ने पकड़ा

यूपी के बलिया का रहने वाला है आरोपी

हैदराबाद , 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर प्रदेश के एक किसान को देशी बंदूकों का धंधा चलाने के आरोप में बुधवार को राचकोंडा स्पेशल ऑपरेशन टीम ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से दो पिस्तौल, एक तपांचा और 10 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने विशेष सूचना के आधार पर उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के निवासी हरे कृष्ण यादव (26) को पकड़ा। उसने 2019 से 2022 के बीच बीबीनगर नलगोंडा में एक कंपनी में काम किया था, उसके बाद वह अपने पैतृक स्थान पर वापस चला गया।

राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने कहा कि कृष्णा का गांव बिहार की सीमा पर स्थित है, इसलिए उस व्यक्ति ने स्थानीय स्तर पर देशी हथियार खरीदने और मुनाफा कमाने के लिए उन्हें पूरे देश में बेचने की योजना बनाई थी। कृष्णा कुछ ऐसे लोगों के संपर्क में आया जो अवैध रूप से हथियार बना रहे थे और उसने बिहार के भोजपुर जिले के संपत यादव से हथियार खरीदना शुरू कर दिया। हाल ही में उसने कथित तौर पर संपत से दो पिस्तौल, एक तड़का और 10 गोलियां खरीदीं। राचकोंडा सीपी ने बताया कि हथियार बेचने के लिए कृष्णा शहर आया था और कुछ ग्राहकों की तलाश कर रहा था, तभी एक टीम ने उसे जवाहरनगर में पकड़ लिया। पुलिस ने उसके पास से 2 देसी पिस्तौल (0.32 मिमी), एक टेपंचा, 10 जिंदा कारतूस और मोबाइल फोन जब्त किया।

विधायक पर 'अनुचित' चुनावी हलफनामे को लेकर चलेगा मुकदमा

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने सीपीआई के कोत्तागुडेम विधायक कुनामनेनी संबाशिवा राव की एक चुनाव याचिका के संबंध में तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका का निपटारा कर दिया है जिसमें कहा गया था कि उन्होंने 2023 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए अपना फॉर्म-26 हलफनामा ठीक से दाखिल नहीं किया था। राव ने हाईकोर्ट में अंतरिम आवेदन दायर कर चुनाव याचिका की कार्यवाही रद्द करने की मांग की थी, जिसे मतदाता नंदू लाल अग्रवाल ने दायर किया था। मामले की सुनवाई जस्टिस के लक्ष्मण ने की, जिन्होंने 18 सितंबर, 2024 को संबाशिव राव की याचिका खारिज कर दी।

इसके बाद सीपीआई विधायक ने न्यायमूर्ति लक्ष्मण द्वारा पारित आदेश पर सवाल उठाते हुए विशेष अनुमति याचिका (सिविल) के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने बुधवार को मामले की सुनवाई करते हुए राव की विशेष अनुमति याचिका खारिज कर दी तथा न्यायमूर्ति लक्ष्मण द्वारा पारित आदेश की पुष्टि की और विधायक को उच्च न्यायालय में मुकदमे का सामना करने को कहा।

चाइनीज मांझे से कई लोग घायल

कोत्तागुडेम, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चीनी मांझा विक्रेताओं पर पुलिस की सख्ती के बावजूद पिछले कुछ दिनों में कोत्तागुडेम में चीनी मांझा के कारण कई लोग घायल हो गए हैं। पलोंचा कस्बे के भुक्या नवीन और उनकी पत्नी सुप्रजा को बुधवार को दोपहिया वाहन पर यात्रा करते समय मांझे में उलझने से गर्दन और अन्य हिस्सों में खून बहने लगा। यह घटना कोत्तागुडेम में विद्यानगर कॉलोनी के बाईपास रोड पर हुई। इसी तरह शहर के सिंगरेनी चिल्ड्रन पार्क में दोपहिया वाहन पर सवार एक युवक मांझे की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मांझे की चपेट में आने से उसका एक पैर कट गया। स्थानीय लोगों ने घटना को देखा और उसे प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल पहुंचाया।

मंगलवार को शहर के रामावरम में चीनी मांझे की चपेट में आने से एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। लड़के के एक पैर पर मांझे की वजह से गहरी चोट लग गई, जबकि वह मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा था। हालांकि ऐसी कई घटनाएं हो रही हैं, लेकिन उनमें से कई की रिपोर्ट नहीं की जा रही है। जनता चाहती है कि सरकारें इस मामले को गंभीरता से लें और इंसानों और पक्षियों की सुरक्षा के लिए चीनी मांझे के इस्तेमाल को रोकने के लिए सख्त कदम उठाएं।

अलवाल में छेड़छाड़ को लेकर विवाद

हिंसा में शिशु समेत 2 लोग झुलसे

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अलवाल में मंगलवार रात एक महिला को कथित रूप से परेशान करने वाले एक व्यक्ति के घर में लोगों के एक समूह द्वारा आग लगा दिए जाने से एक शिशु सहित दो लोग झुलस गए। पुलिस के अनुसार, जीएचएमसी में आउटसोर्सिंग कर्मचारी के रूप में काम करने वाले प्रदीप अलवल के निवासी हैं। वह अपने पिता प्रकाश, मां हेमलता और चार महीने की बच्ची चांदनी सहित अन्य रिश्तेदारों के साथ रहते हैं।

मंगलवार शाम को विवेक और लक्ष्मी सहित कुछ लोग प्रदीप के घर आए और उसके बारे में पूछताछ की। जब उसके माता-पिता प्रकाश और हेमलता बाहर आए और इस मुद्दे पर बात की, तो लक्ष्मी और अन्य लोगों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और आरोप लगाया कि प्रदीप उनकी बेटी को परेशान कर रहा था और उसे पहले से चेतावनी दिए जाने के बावजूद ऐसा जारी रहा।

अलवाल पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि गुस्से में आकर समूह के कुछ लोगों ने दंपत्ति और घर पर पेट्रोल फेंक दिया। सामान में आग लगने के बाद संदिग्ध लोग वहां से भाग गए। स्थानीय लोगों ने दौड़कर आग बुझाई और घायल चांदनी, प्रकाश और हेमलता को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रकाश लगभग 50 प्रतिशत जल गया, जबकि बच्ची भी झुलस गई, जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को मिल रहा अच्छा रिस्पांस

पूरी तरह से भरे हुए सभी रूट

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों का ध्यान आकर्षित करने वाली दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) जोन में शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें सफल रही हैं और जिन भी मार्गों पर ये चलाई जा रही हैं, वहां खचाखच भरी संख्या में चल रही हैं। वास्तव में, इन नव डिजाइन और अधिक सुसज्जित सेवाओं का संरक्षण इतना अधिक है कि शहर के रेलवे स्टेशनों से शुरू होने वाली और समाप्त होने वाली सभी वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं में लगातार 100 प्रतिशत और उससे अधिक का उच्च संरक्षण दर्ज किया जा रहा है।

हैदराबाद के साथ वंदे भारत एक्सप्रेस का संपर्क सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम, सिकंदराबाद-तिरुपति, काचेगुडा-यशवंतपुर (बेंगलुरु) और सिकंदराबाद-नागपुर के मार्गों पर है। वंदे भारत की व्यस्तता के बारे में हाल ही में आए आंकड़ों से पता चलता है कि इन सेवाओं में यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है, जो 143 प्रतिशत तक पहुंच गई है। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि वंदे भारत ट्रेनों की संख्या विभिन्न मार्गों पर शुरू की गई भारत की सेमी-हाई स्पीड ट्रेन की भारी लोकप्रियता को दर्शाती है।

सिकंदराबाद से विशाखापत्तनम तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस लगातार 100 प्रतिशत से अधिक यात्रियों के साथ चल रही है और इसके परिणामस्वरूप 134 प्रतिशत यात्रियों की क्षमता दर्ज की गई है। इस बीच, विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस में सबसे अधिक 143 प्रतिशत यात्रियों की क्षमता दर्ज की गई।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में वंदे भारत ट्रेन सेवाओं को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और औसत अधिभोग 103 प्रतिशत रहा है। एससीआर अधिकारियों ने कहा कि ये सेवाएं लोगों को बेहद आरामदायक और हवाई यात्रा जैसा अनुभव प्रदान करती हैं और यही उनकी लोकप्रियता का एक प्रमुख कारण है।

एक अधिकारी ने कहा कि शुरुआत के बाद से, अधिक से अधिक लोग वंदे भारत एक्सप्रेस से यात्रा करना पसंद कर रहे हैं और यह सेवा विकास, आधुनिकता, स्थिरता और आत्मनिर्भरता का पर्याय बन गई है। रेल यात्रियों के बीच वंदे भारत की लोकप्रियता को देखते हुए वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू करने की तैयारी चल रही है।

श्रीधर बाबू ने केंद्र से राष्ट्रीय आपदा रिकवरी जोन की मंजूरी का आग्रह किया

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की।बैठक के दौरान, श्रीधर बाबू ने भारत के सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र में तेलंगाना के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला और देश के सेमीकंडक्टर विजन में राज्य की भूमिका को आगे बढ़ाने में केंद्र सरकार के समर्थन का अनुरोध किया। श्रीधर बाबू ने तेलंगाना में डेटा केंद्रों के लिए राष्ट्रीय आपदा रिकवरी जोन की आवश्यकता पर भी चर्चा की, जो व्यापार निरंतरता और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

मंत्री ने कहा, "मैंने अश्विनी वैष्णव को तेलंगाना में हमारी एआई और साइबर सुरक्षा पहल की प्रगति के बारे में बताया और उन्हें 24 फरवरी को हैदराबाद में बायो एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। भारत के सेमीकंडक्टर विकास को आगे बढ़ाने और पारिस्थितिकी तंत्र में तेलंगाना की स्थिति को मजबूत करने में निरंतर सहयोग और समर्थन की उम्मीद है।" बैठक के दौरान, श्रीधर बाबू ने केंद्रीय मंत्री को भारत सेमीकंडक्टर मिशन की उल्लेखनीय प्रगति के लिए बधाई भी दी।

एमसीसी खदान के जंगलों में जंगल सफारी का उद्घाटन

मंचेरियल, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। विधायक के प्रेमसागर राव ने बुधवार को लक्सेटीपेट रेंज के अंतर्गत हाजीपुर मंडल के गदपुर गांव में मंचेरियल सीमेंट कंपनी में शुरू की गई जंगल सफारी सुविधा का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर कलेक्टर कुमार दीपक भी मौजूद थे। वन अधिकारियों ने बताया कि 20 किलोमीटर की दूरी पर तीन ट्रैक विकसित किए गए हैं, जो घने जंगलों, घास के मैदानों, प्राचीन गांधारी खिल्ला और रिसाव वाले टैंकों और पुराने मंचेरियल सेक्शन के जंगलों में मंचेरियल सीमेंट कंपनी की एक परित्यक्त खदान में बनी झील को कवर करते हैं, जिसे पहले एसीसी के नाम से जाना जाता था। जिले में इकोटूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए यह सुविधा शुरू की गई थी।

साइबराबाद पुलिस ने ध्यान भटकाने वाले 3 सदस्यीय गिरोह को पकड़ा

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने उपनगरों में कई धोखाधड़ी के मामलों में शामिल तीन सदस्यीय अंतर-राज्यीय ध्यान भटकाने वाले गिरोह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सदस्यों से 140 एटीएम कार्ड जब्त किए और 2.38 लाख रुपये नकद बरामद किए। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिहार के करीमन शनि (33), रूपदेव साहनी (34) और पंजाब के साहेब साहनी (34) को पकड़ लिया, जो सभी शमशाबाद में मजदूर थे।

पुलिस के अनुसार, तीनों ने देश के अलग-अलग इलाकों से पुराने एटीएम कार्ड एकत्र किए और उन्हें अपने पास रख लिया। इसके बाद वे शहर और उपनगरों में एटीएम केंद्रों पर घूमते रहे और किसी वरिष्ठ नागरिक के आने का इंतजार करते रहे। एसीपी शादनगर एन सीएच रंगा स्वामी ने बताया कि बुजुर्गों या अनपढ़ लोगों को नकदी निकालने में मदद करने के बहाने गिरोह के सदस्य पीड़ित का ध्यान भटका देते थे और उनके एटीएम कार्ड को पुराने कार्ड से बदल देते थे। बाद में गिरोह के सदस्य एटीएम केंद्रों पर जाते और पीड़ित के कार्ड का इस्तेमाल करके नकदी निकाल लेते। यह गिरोह साइबराबाद और जादचेरला में 15 मामलों में शामिल था।

लाभार्थियों के लिए एक आदर्श चयन मानदंड तैयार करे सरकार

पूर्व मंत्री हरीश राव ने की मांग

सिद्दीपेट, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने राज्य सरकार से इंदिराम्मा इल्लू और इंदिराम्मा अथमेया भरोसा के लाभार्थियों के चयन के लिए एक आदर्श चयन मानदंड तैयार करने को कहा है। जिला प्रभारी मंत्री कोंडा सुरेखा से बात करते हुए, जिन्होंने अधिकारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ पूर्ववर्ती मेदक जिले के लिए एक वर्चुअल समीक्षा बैठक की, राव ने सरकार से आवास योजना के लाभार्थियों के लिए चयन मानदंड तय करने का आग्रह किया।

वर्तमान में जारी दिशा-निर्देशों के तहत लगभग 24.57 लाख गरीब किसान, जिनके पास एक एकड़ से कम ज़मीन है, वे भी इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा पाने का अवसर खो देंगे। राव ने मंत्री से अनुरोध किया कि वे सरकार को यह सुझाव दें कि यह योजना उन सभी किसानों तक भी लागू की जाए जिनके पास एक एकड़ से कम ज़मीन है। हरीश राव ने यह भी मांग की कि राज्य सरकार सभी मनरेगा कार्डधारकों को लाभ प्रदान करे तथा किसानों को 20 दिन तक काम करने जैसे प्रतिबंध हटाये।

उन्होंने कहा कि 60 वर्ष से अधिक आयु के बुज़ुर्गों को इसका लाभ नहीं मिलेगा क्योंकि इस आयु सीमा के बाद उनका कार्ड रद्द हो जाएगा। राव ने सरकार से आवास योजना के लाभार्थियों का चयन करने के लिए गांव स्तर पर ग्राम सभा आयोजित करने या घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने के लिए भी कहा। उन्होंने सरकार से उन परिवारों के नामों का चयन करने को कहा, जिन्होंने पिछली सरकार के कार्यकाल के दौरान आंशिक रूप से अपने मकान बनाए थे तथा प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 3,500 मकानों के लिए धनराशि तत्काल जारी करने को कहा।

रिश्वत लेते एसीबी ने सब रजिस्ट्रार समेत तीन अधिकारियों को पकड़ा

5 हजार रुपए की ले रहे थे रिश्वत

जगतियाल, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारियों ने बुधवार को एक जमीन मालिक से रिश्वत मांगने के आरोप में मेटपल्ली के उप-रजिस्ट्रार, एक अटेंडेंट और एक दस्तावेज लेखक को गिरफ्तार किया। एसीबी के अनुसार, मेटपल्ली मंडल के थिम्मापुर निवासी सनके विष्णु ने अपनी 266 गज जमीन गिरवी रखने के लिए सब-रजिस्ट्रार आसिफुद्दीन से संपर्क किया। अधिकारी ने कथित तौर पर 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी और 5,000 रुपये लेने की बात स्वीकार की। विष्णु को आउटसोर्सिंग कर्मचारी अटेंडर बनोथु रवि से मिलने के लिए कहा गया।

इसके बाद विष्णु ने एसीबी से संपर्क किया, जिसने जाल बिछाया और सब-रजिस्ट्रार कार्यालय में पीड़ित से 5,000 रुपये की राशि लेते हुए रवि को पकड़ लिया। जैसे ही रवि ने सब-रजिस्ट्रार के निर्देश पर रिश्वत ली, एसीबी ने आसिफुद्दीन को गिरफ्तार कर लिया। इसी मामले में एक दस्तावेज लेखक रवि को भी गिरफ्तार किया गया।

CLASSIFIEDS

PASSPORT LOST

I Mohammed Akheel S/o. Mohammed Jamal R/o. H.No. 4-1-113, Sabharwal, Hanumantekdi, Hyd - 500001, T.S., lost my original passport Bearing No. W3064990, Date of Issue 20-07-2022, while travelling from Abids to Nampally, on bike, if anybody found please contact 8639991047

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सुश्री के. पद्मजा ने प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक का पदभार संभाला

वे पीसीओएम, एससीआर का पदभार संभालने वाली पहली महिला

हैदराबाद , 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सुश्री के. पद्मजा ने आज रेल निलयम, सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे में प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक (पीसीओएम) का पदभार संभाला है। वे भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1991 बैच की हैं। उनके पास विज्ञान और शिक्षा में स्नातक की डिग्री है। इस कार्यभार से पहले, वे दक्षिण मध्य रेलवे में प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) के पद पर कार्यरत थीं और दक्षिण मध्य रेलवे में प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक (पीसीओएम) का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रही थीं। भारतीय रेलवे में 30 वर्षों से अधिक के अपने शानदार करियर के दौरान, सुश्री के. पद्मजा ने दक्षिण मध्य रेलवे में कई अन्य प्रमुख पदों पर कार्य किया है, जैसे हैदराबाद डिवीजन में सहायक वाणिज्यिक प्रबंधक (एसीएम); सहायक यातायात प्रबंधक (एटीएम) और मंडल परिचालन प्रबंधक (कोयला और माल), सिकंदराबाद डिवीजन; वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, गुंतकल डिवीजन; उप मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, पीआरएस; वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक और वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन मुख्यालय, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/कोचिंग; मुख्य यातायात प्रबंधक, सामान्य; मुख्य यात्री यातायात प्रबंधक; मुख्य माल यातायात प्रबंधक और मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक, यात्री सेवाओं के रूप में कार्य किया। उन्होंने सलाहकार (परिवहन)/गोदावरी फर्टिलाइजर्स कंपनी लिमिटेड और महाप्रबंधक, कॉनकॉर, हैदराबाद के रूप में भी काम किया है अध्यक्ष, एससीआर ललिता कला समिति, सिकंदराबाद और अध्यक्ष, एससीआर अधिकारी संघ जुलाई, 2024 से प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (पीसीसीएम) के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान सुश्री पद्मजा ने ग्राहक संतुष्टि और राजस्व सृजन सुनिश्चित करते हुए यात्री और माल सेवाओं के प्रभावी प्रबंधन की देखरेख की।

पतंग उड़ाते समय गिरा लड़का, मौत

निर्मल, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को पतंग उड़ाते समय एक इमारत की छत से गिरकर एक चौदह वर्षीय लड़के की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि कस्बे के गुलजार मार्केट के उबेज नामक व्यक्ति को एक इमारत की छत से गिरने से गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत कस्बे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

18 को होगा बयान-ए-गालिब का आयोजन

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रसिद्ध उर्दू शायर मिर्जा गालिब को समर्पित एक सांस्कृतिक श्रद्धांजलि 'बयान-ए-गालिब' 18 जनवरी को शाम 7 बजे शिल्पकला वेदिका, माधापुर में आयोजित की जाएगी। जहां गजलें डॉ. प्रभा श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत की जाएंगी, जो समर्पित संगीत कार्यक्रमों के माध्यम से गजलों को पुनर्जीवित करती हैं, वहीं कथक नृत्य नाटक प्रो. कुमकुम धर और उनके दल द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा तथा कथावाचन कबीर अहमद और सुधांशु मणि द्वारा किया जाएगा।

छात्रा ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

निर्मल, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी ज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीयूकेटी)-बसार में प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स द्वितीय वर्ष की अध्ययनरत चिलिके मधुलता ने 10 से 12 जनवरी तक नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2025 में टेक फॉर विकासशील भारत के तहत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन देकर तेलंगाना में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। अधिकारियों ने एक बयान में कहा कि मधुलता ने देश भर के 3,000 छात्रों के साथ प्रतिस्पर्धा की और तेलंगाना राज्य में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उसने महोत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित प्रश्नोत्तरी और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके यह अवसर प्राप्त किया। इस महोत्सव में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुलपति प्रोफेसर गोवर्धन और विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों ने उन्हें बधाई दी। वह संगारेड्डी जिले की रहने वाली हैं।

रजब के लिए सजाया गया दरगाह

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिजरी कैलेंडर के सातवें महीने, वर्तमान इस्लामी महीने रजब के साथ, पुराने शहर में व्यस्त गतिविधियां देखी जा रही हैं। यह महीना इस्लाम में विभिन्न कारणों से बहुत महत्व रखता है और इसे हिजरी कैलेंडर के चार पवित्र महीनों में से एक माना जाता है, इसमें कई कार्यक्रम मनाए जाते हैं। मंगलवार को 13वें रजब के अवसर पर हजरत इमाम अली के जन्मदिन के उपलक्ष्य में कई जुलूस निकाले गए। जुलूस का समापन मलकाजगिरी स्थित कोह-ए-मौला अली दरगाह पर हुआ।

शिया यूथ कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सैयद हामिद हुसैन जाफ़री ने कहा कि मंगलवार को मौला अली दरगाह पर एक दर्जन से ज़्यादा 'सेहरा' जुलूस निकाले गए। मौला अली दरगाह पर सेहरा लेकर जाने और चढ़ावा चढ़ाने की परंपरा कई सदियों पुरानी है।

70वीं बीपीएससी री-एग्जाम मामला

पटना हाईकोर्ट में नहीं हो सकी सुनवाई, फिर से मिली तारीख

पटना, 15 जनवरी (एजेंसियां)। 70वीं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने और री-एग्जाम की मांग को लेकर दायर याचिका पर आज (बुधवार) पटना हाईकोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। एक बार फिर से तारीख मिली है। अब इस याचिका पर कल (16 जनवरी) हाईकोर्ट में सुनवाई होगी। दायर की गई याचिका के माध्यम से अपील की गई है कि 70वीं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में धांधली की जांच की जाए। इस मामले में जस्टिस एएस चंदेल की एकल पीठ कल सुनवाई करेगी। बताया जा रहा है कि आज पटना हाईकोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश का विदाई समारोह था जिसके कारण सुनवाई नहीं हो सकी। कल सुबह 11 बजे सुनवाई होगी।

क्या है पूरा मामला?

बता दें कि पिछले साल (2024) 13 दिसंबर को 70वीं बीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा हुई थी। बिहार में इसके लिए 912 परीक्षा सेंटर बनाए गए थे। हालांकि पटना के एक एग्जाम सेंटर (बापू परीक्षा परिसर) पर हंगामे के बाद परीक्षा रद्द कर दी गई थी। इसके बाद सिर्फ इसी सेंटर की परीक्षा दोबारा ली गई। इस मामले में अभ्यर्थियों का कहना था कि पूरे सेंटर की परीक्षा रद्द हो। परीक्षार्थी अपनी मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन पर बैठ गए। अभी भी पटना के गर्दनीबाग में धरना-प्रदर्शन जारी है। हालांकि अभ्यर्थियों की संख्या काफी कम हो गई है। इस पूरे विवाद ने राजनीतिक रंग भी ले लिया। इसमें सांसद पप्पू यादव समेत जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर भी कूद पड़े। विपक्ष की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का भी साथ मिला। कई प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के राज्यपाल से मुलाकात की। हालांकि बीपीएससी ने साफ कर दिया कि कोई अनियमितता नहीं हुई है और परीक्षा दोबारा नहीं होगी। इस बीच पटना में अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज भी हुआ। प्रशांत किशोर दो जनवरी से आमरण अनशन पर बैठ गए। वे अभी तक आमरण अनशन पर हैं। अब देखना होगा कि पटना हाईकोर्ट में सुनवाई होती है तो क्या कुछ निर्णय होता है।

शौहर ने दुबई से मैसेज भेजकर दिया तीन तलाक बेगम ने नामंजूर करते हुए 12 लोगों पर किया केस

आरा, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भोजपुर में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। बिहार थाना इलाके के बनाही गांव निवासी अब्दुल कादिर ने अपनी बेगम को सोशल मीडिया पर मैसेज भेज कर तीन तलाक दे दिया। मैसेज पढ़ते ही उसकी बेगम दंग रह गई। उसने रिप्लाई देते हुए लिखा कि मुझे तीन तलाक नामंजूर है। इसके बाद उसने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने पीड़िता नेहा खातून के लिखित आवेदन पर अब्दुल कादिर, उसके माता-पिता समेत 12 लोगों पर केस दर्ज किया है। घटना के बाद लोग हैरान हैं कि तीन तलाक कानून देश में लागू होने के बावजूद लोग इसका उल्लंघन कर रहे हैं।

अब्दुल कादिर ने बिना किसी चीज के परवाह किए अपनी बेगम को मैसेज भेजकर तलाक दे दिया। वहीं इस घटना के बाद नेहा ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। नेहा के भाई दरोगा हैं और बहन सिपाही है। वहीं मामले में थानेदार आदित्य कुमार ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

'मैं पूछना चाहता हूं कि पिछड़ों दलितों को आजादी कब मिलेगी'

तेजस्वी का मोहन भागवत से तीखा सवाल दिल्ली चुनाव पर भी दिया बड़ा बयान

पटना, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मोहन भागवत ने कहा है कि देश को सच्ची स्वतंत्रता राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दिन मिली है। इसको लेकर अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मोहन भागवत से तीखा सवाल किया है। बुधवार को तेजस्वी यादव ने कहा कि उन्होंने (मोहन भागवत) स्वतंत्रता सेनानियों और देश की आजादी के लिए जिन-जिन महापुरुषों ने कुर्बानी दी उनका अपमान किया। महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह का अपमान किया है। तेजस्वी यादव ने कहा, देश की आजादी में आरएसएस और बीजेपी की कोई कुर्बानी या योगदान नहीं रहा है। इन लोगों ने केवल अंग्रेजों की गुलामी की। आरएसएस और बीजेपी वाले आरक्षण विरोधी लोग हैं। ये आरक्षण खत्म करके बोलेंगे कि देश को अब आजादी मिली है। मैं मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं कि पिछड़ों दलितों को आजादी कब मिलेगी? इन लोगों ने देश को बांटने तोड़ने का काम किया है। हमारा देश गुलामी की ओर जा रहा है। इस पर मोहन भागवत का क्या कहना है?

दिल्ली में चुनाव नहीं लड़ेगी आरजेडी

इस सवाल पर कि दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी आमने-सामने हैं। शरद पवार, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव आम आदमी पार्टी का समर्थन कर रहे हैं। कह रहे हैं कि कांग्रेस को इनका सहयोग करना चाहिए। दोनों पार्टियां दिल्ली में लोकसभा चुनाव साथ में लड़ी थीं। आरजेडी दिल्ली में लड़ेगी या नहीं और आरजेडी आम आदमी पार्टी या कांग्रेस किसका समर्थन कर रही है? इस पर तेजस्वी ने बड़ा बयान दिया। कहा कि हम लोग दिल्ली विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। एक और सवाल पर कि क्या नीतीश को लेकर आपके (आरजेडी में) यहां मतभेद है? लालू ने नीतीश को साथ आने का ऑफर दिया। मीसा भारती ने इशारों में नीतीश को आमंत्रित किया। आप कहते हैं कि नीतीश के लिए दरवाजे बंद हैं। इस पर उन्होंने कहा कि नीतीश को कोई न्योता नहीं दिया गया है। मकर संक्रांति पर भी न्योता नहीं दिया था। नीतीश कुमार हमारे साथ आएंगे या नहीं इस मुद्दे पर चर्चा भी नहीं होनी चाहिए। अब सीधा विधानसभा चुनाव होगा। जनता फैसला करेगी। जनता का निर्णय सिर-आंखों पर होगा। क्या कांग्रेस के साथ गठबंधन में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे या अलग? कांग्रेस 70 से ज्यादा सीट और दो डिप्टी सीएम की मांग कर रही है। इस पर तेजस्वी यादव ने कहा कि कांग्रेस की ओर से क्या कहा जा रहा है हम नहीं सुने हैं।

इंडिया अलायंस को तोड़ने की उमर अब्दुल्ला की मांग के बीच अखिलेश यादव का पलटवार

कहा- उसी समय कहा था कि जो स्थानीय पार्टी जहां मजबूत है वहां इंडिया गठबंधन उसे मजबूती देगा

लखनऊ, 15 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बीते दिनों कहा था कि अगर साथ इलेक्शन नहीं लड़ सकते तो इंडिया अलायंस तोड़ दीजिए। अब इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया दी है। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया है। अखिलेश यादव ने कहा- 'इंडिया गठबंधन अखंड है।' सपा चीफ का यह बयान ऐसे वक्त में आया है जब दिल्ली विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को सपा ने समर्थन किया है। वहीं कांग्रेस ने सपा के इस निर्णय पर कहा था कि अखिलेश वहीं जाएंगे जहां पार्टी कमजोर है।' हरिद्वार में पत्रकारों से बात करते हुए सपा चीफ ने कहा 'इंडिया गठबंधन जब बन रहा था। उस समय कहा गया था कि जो स्थानीय पार्टी जहां मजबूत है वहां इंडिया गठबंधन उसे मजबूती देगा। दिल्ली में आप मजबूत है इसलिए समाजवादी पार्टी ने आप को अपना समर्थन दिया है। सवाल दिल्ली का है। भाजपा हारे ये हमारा उद्देश्य है। जब उद्देश्य एक है तो झूठ-सच कुछ नहीं है।' अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी मजबूत है इसलिए दिल्ली में समाजवादी पार्टी ने आम आदमी पार्टी का समर्थन किया है। दिल्ली में आप ही भाजपा को हरा सकती है। उन्होंने कहा कि जो क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा से मुकाबला कर रही है हमें उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप मजबूत है इसलिए हम आप के साथ खड़े हैं। दिल्ली चुनाव में सपा और कांग्रेस के आमने सामने होने के सवाल पर उन्होंने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि दिल्ली में आप मजबूत है इसलिए सबको आप का साथ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा केवल एक ही मकसद है भाजपा को हराना।

बता दें अखिलेश यादव आज हरिद्वार में थे जहां वह अपने चाचा राजपाल यादव के अस्थिया विसर्जित करने और उनके पिंड दान करने अपने परिजनों के साथ पहुंचे थे।

हर्षा रिछारिया को खूबसूरत साध्वी के टैग का हुआ जबरदस्त फायदा 24 घंटे में हो गए 1 मिलियनफॉलोअर्स

प्रयागराज, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत 13 जनवरी से हो गई है। हर रोज करोड़ों श्रद्धालु महाकुंभ पहुंच रहे हैं, लेकिन करोड़ों श्रद्धालुओं में से एक नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है। ये नाम "वायरल साध्वी" हर्षा रिछारिया का है। उन्हें सोशल मीडिया पर महाकुंभ की सबसे खूबसूरत साध्वी का टैग दिया जा रहा है। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल रही हैं। महाकुंभ में वायरल हुई हर्षा रिछारिया ने अपने आप को साध्वी मानने से भले ही इनकार कर दिया, लेकिन उन्हें महाकुंभ की सबसे खूबसूरत वायरल साध्वी के टैग का फायदा जरूर मिला है, जहां महाकुंभ में जाने से पहले तक हर्षा रिछारिया के 6 लाख 67 हजार फॉलोअर्स थे। वहीं महाकुंभ से तस्वीरें आने के बाद हर्षा के फॉलोअर्स तेजी से बढ़े और 24 घंटे में ही एक मिलियन से ज्यादा हो गए।

बीजेपी नेता की धमकी से डरीं सपा विधायक नसीम सोलंकी, सीएम योगी से की सुरक्षा की मांग

कानपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। कानपुर की सीसामऊ सीट से समाजवादी पार्टी की विधायक नसीम सोलंकी ने अपनी और परिवार की जान को खतरा बताया है। सपा विधायक ने कहा कि वो इस संबंध में यूपी राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करेंगी को अपने परिवार की सुरक्षा की मांग करेंगी। उन्होंने कहा कि जिस तरह से तथाकथित बीजेपी नेता धीरज चड्ढा की ओर से उन्हें और उनके परिवार को धमकियां दी जा रही है वो खुद को सुरक्षित महसूस नहीं करती हैं। दरअसल सीसामऊ सीट पर उपचुनाव के दौरान नसीम सोलंकी ने एक मंदिर में माथा टेका था, जिसके बाद विवाद बढ़ गया था। जहां एक और मुस्लिम धर्मगुरुओं की ओर से उनके खिलाफ फतवा भी जारी हुआ तो वहीं धीरज चड्ढा नाम के शख्स ने भी उन्हें फोन पर धमकाया था। धीरज चड्ढा ने खुद को बीजेपी नेता बताया था। उपचुनाव जीतने के बाद धीरज चड्ढा ने फिर से नसीम सोलंकी धमकियां दी और उन्हें जूतों से मारने की बात कही। यही नहीं आरोपी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के लिए भी अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल किया, जिसके बाद नसीम ने पुलिस से शिकायत कराई थी। पुलिस ने आरोपी धीरज चड्ढा को गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन अब उन्होंने धीरज चड्ढा से डर जाहिर किया है कि वो जेल से बाहर आने के बाद उन्हें या उनके परिवार को नुकसान पहुंचा सकता है। धीरज चड्ढा की धमकियों के चलते सपा विधायक नसीम सोलंकी इन दिनों दहशत में हैं। उन्होंने अपनी छोटी-छोटी बेटियों और खुद की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। इस मामले को लेकर वो यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मुलाकात कर चुकी हैं और अब वो सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मिलकर शिकायत करेंगी। उन्होंने सीएम योगी से अपने परिवार की सुरक्षा की मांग भी की है। सपा विधायक ने कहा कि जिस तरह से सनकी धीरज चड्ढा ने उन्हें धमकियां दी हैं।

जन्मदिन पर बोलीं मायावती- 'कई राज्य सरकारें मेरी सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं की नकल कर रहीं'

लखनऊ, 15 जनवरी (एजेंसियां)। बसपा प्रमुख और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का आज जन्मदिन है। मायावती ने आज जन्मदिन के मौके पर एक्स पर पोस्ट कर कहा, कि नए साल के पहले महीने में पार्टी के लोग आज मेरे जन्मदिन को 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मना रहे हैं। इस कार्यक्रम में हम जनता को मेरे मुख्यमंत्रित्व काल में किए गए कार्यों के बारे में बताएंगे, जिससे गरीबों, दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों और अन्य अल्पसंख्यकों के जीवन में बदलाव आया। मायावती ने कहा, कि अन्य दलों की राज्य सरकारें मेरी सरकार द्वारा शुरू की गई कई योजनाओं की नकल कर रही हैं। मेरी सरकार ने मजदूरों, व्यापारियों, बेरोजगारों, महिलाओं, युवाओं और विकलांगों के लिए, कई कल्याणकारी योजनाएं लाईं, जिनसे लोगों को काफी फायदा हुआ है। पार्टी के नेता राज्य में फिर से बसपा की सरकार बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

परेड की रिहर्सल में आईं महिला सिपाहियों में चले लात-घूंसे, बाल पकड़कर एक-दूसरे को दी पटखनी

बदायूं, 15 जनवरी (एजेंसियां)। बदायूं में 26 जनवरी की परेड की रिहर्सल में आईं दो महिला सिपाहियों में मंगलवार सुबह मैदान पर ही किसी बात को लेकर विवाद हो गया। दोनों ने एक-दूसरे के गाल पर जमकर थप्पड़ बरसाए और बाल पकड़कर एक-दूसरे को पटखनी दी। मौजूद सिपाहियों ने दोनों को शांत कराकर अलग किया। दोनों का जिला अस्पताल में मेडिकल कराया गया है। एसएसपी डॉ. ब्रजेश सिंह ने इस मामले की आरआई से रिपोर्ट तलब की है। दोनों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई तय मानी जा रही है। वहीं, आरआई ने इस पूरे मामले में अनभिज्ञता जाहिर की है। पुलिस लाइन मैदान में 26 जनवरी की परेड की रिहर्सल शुरू हो गई है। यहां जिले के अलग-अलग थानों से महिला एवं पुरुष सिपाही परेड की रिहर्सल में शामिल हो रहे हैं। सुबह एंटी भू-माफिया सेल में तैनात महिला सिपाही पूजा यादव और फैजगंज बेहटा थाने में तैनात लक्ष्मी सिंह जादौन की परेड रिहर्सल समाप्त होने के बाद किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामला तूल पकड़ गया। दोनों एक-दूसरे से हाथापाई करने लगीं। पहले बाल पकड़कर खींचा, फिर एक-दूसरे के थप्पड़ और लात-घूंसे मारे। मौके पर पुलिस कर्मियों का जमघट लग गया। पुलिस कर्मियों ने बमुश्किल महिला सिपाहियों को एक-दूसरे से अलग किया।

सपा प्रदेश सचिव पद से बर्खास्त:चंद्रिका यादव पर अनुशासनहीनता का आरोप, विधायक के खिलाफ की थी बयानबाजी

गाजीपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी ने अनुशासनहीनता के कारण एक बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रदेश सचिव चंद्रिका यादव को पद से बर्खास्त कर दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अरविंद सिंह द्वारा जारी पत्र में यह जानकारी दी गई है। चर्चा है कि गाजीपुर के दुल्लहपुर के चुरामनपुर निवासी चंद्रिका यादव पर यह कार्रवाई जंगीपुर के सपा विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव के खिलाफ की गई बयानबाजी और खुले विरोध के कारण की गई है। बर्खास्तगी के बाद मामला और गरमा गया है। चंद्रिका यादव ने सोशल मीडिया पर पलटवार करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अरविंद सिंह, विधायक डॉ. वीरेंद्र यादव और गाजीपुर सपा जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह यादव पर तीखे हमले किए हैं। इस घटनाक्रम ने पार्टी में हलचल मचा दी है और राजनीतिक गलियारों में इस मामले की चर्चा जोरों पर है यह कार्रवाई पार्टी के अनुशासन को बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नेतृत्व ने स्पष्ट संदेश दिया है कि पार्टी में अनुशासनहीनता किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्तार अंसारी के खास शार्प शूटर पर एक्शन, डेढ़ करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क, कौन है अंगद राय?

गाजीपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की गाजीपुर पुलिस ने मुख्तार अंसारी के शार्प शूटर रहे अंगद राय की करीब डेढ़ करोड़ रुपयों की संपत्ति को कुर्क किया है। जिले की भांवरकोल पुलिस ने डीएम के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत 1 करोड़ 55 लाख रुपये की बेनामी संपत्ति को कुर्क किया है। इससे पूर्व भी उसकी कई संपत्तियों को कुर्क किया जा चुका है।

पुलिस के मुताबिक, अंगद राय की बेनामी संपत्ति मोहम्मदाबाद के नगर पालिका इलाके के वार्ड नंबर-3 और वार्ड नंबर-5 में अपनी बहन के नाम से बनाई गईं थीं, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 55 लाख बताई गई है। इस संपत्ति को गाजीपुर जिला अधिकारी के निर्देश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत भांवरकोल पुलिस ने कुर्क किया है।

कौन है अंगद राय?

मोहम्मदाबाद तहसील के शेरपुर खुर्द गांव के रहने वाला अंगद राय, मुख्तार अंसारी गिरोह का सक्रिय सदस्य और शार्प शूटर बताया जाता है। इसके ऊपर गैंगस्टर सहित विभिन्न धाराओं में करीब 25 मुकदमे भी दर्ज हैं। वह मौजूदा वक्त में बिहार के भभुआ जेल में बंद है।

इस पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए जिला अधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को भांवरकोल पुलिस के साथ क्षेत्राधिकारी मोहम्मदाबाद शशांक सेंगर पुलिस बल के साथ मोहमदाबाद नगर पालिका इलाके के वार्ड नंबर 3 और वार्ड नंबर 5 में बनाई गई दो भू संपत्ति को कुर्क किया गया।

बहन के नाम बना रखी थी संपत्ति

ये संपत्ति अंगद राय ने अपनी बहन नीलम राय के नाम से बनवाई थी। इसे बेनामी संपत्ति मानते हुए गैंगस्टर एक्ट के तहत मुनादी करते हुए कुर्क करने की कार्रवाई की गई। इन दोनों संपत्तियों की कीमत एक करोड़ 55 लाख रुपए बताई गई है। अंगद राय कभी मुख्तार अंसारी के खास सहयोगी के रूप में शुमार हुआ करता था। पिछले दिनों जब मुख्तार अंसारी गैंग के सदस्यों की कुर्की की कार्रवाई और गिरफ्तारी तेज होने लगी थी, तब अंगद राय ने उत्तर प्रदेश पुलिस के गिरफ्तारी से बचने के लिए बिहार में शराब की कुछ बोतलों के साथ पकड़ गया था, जिसे बिहार पुलिस ने गिरफ्तार किया और बाद में उसे भभुआ जेल में रखा है।

लखनऊ में रंग और केमिकल से बनाते थे चायपत्ती:नेपाल से सस्ते दाम पर मंगाते थे; 40 जिलों में फैला है कारोबार

लखनऊ, 15 जनवरी (एजेंसियां)। लखनऊ के फैजुल्लागंज में नकली चायपत्ती बनाने की फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में नकली चायपत्ती और उसे बनाने का सामान बरामद हुआ है। कई ब्रांडेड चायपत्ती कंपनियों के रैपर भी बरामद हुए हैं। रैपर लगाकर नकली चायपत्ती को ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर मार्केट में सप्लाई की जा रही थी। इस गिरोह की जड़ें न केवल भारत बल्कि पड़ोसी देश नेपाल तक फैली हुई हैं। छापेमारी के दौरान लगभग 11,209 किलोग्राम नकली चायपत्ती, रंग, केमिकल और पैकिंग सामग्री जब्त की गई है। गिरोह नेपाल से सस्ती और घटिया चायपत्ती मंगाकर उसमें खतरनाक केमिकल और रंग मिलाकर ब्रांडेड कंपनी के रैपर में पैक कर बाजार में बेचता था।

गैंगरेप मामले में 48 घंटे बाद भी आरोपी फरार

भागलपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भागलपुर के शाहकुंड मुख्य बाजार के गिरिवरनाथ पहाड़ की ऊंचाई पर दोस्त के साथ घूमने आयी एक युवती से तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। घटना के 48 घंटे बाद भी पुलिस कांड का खुलासा नहीं कर पायी है।। पुलिस कुछ संदिग्धों को हिरासत ली है। पुलिस अधीक्षक कड़ाई से पूछताछ कर रहे हैं। कांड का खुलासा जल्द होने की संभावना है। युवती का 164 के तहत बयान व मेडिकल जांच पुलिस ने करा लिया है। विधि व्यवस्था डीएसपी चंद्र भूषण, एफएसएल की टीम व थानाध्यक्ष ने शाहकुंड पहाड़ के रेप स्थल का निरीक्षण भी किया है। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किये हैं। पीड़ित युवती ने तीन अज्ञात युवकों पर केस दर्ज कराया है। युवती ने प्राथमिकी मे कहा है कि तीनों आरोपित युवक पहले मेरे दोस्त के साथ मारपीट की। जब वह बेहोश हो गया, तो मेरे साथ दुष्कर्म किया।

गांधी मैदान नहीं एलसीटी घाट पर होगा प्रशांत किशोर का प्रदर्शन, शर्तों को पूरा करना जरूरी

पटना, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बीपीएससी के मुद्दे को फिलहाल छोड़ने के मूड में नहीं हैं। उन्होंने प्रशासन से विरोध प्रदर्शन करने के लिए जगह मांग ही ली। लेकिन इस बार यह गांधी मैदान में नहीं होगा बल्कि पटना के एलसीटी घाट पर अनुमति मिली है। एलसीटी घाट के पास खाली जमीन पर जनसुराज कार्यकर्ताओं के ठहरने एवं प्रशिक्षण के लिए अस्थायी शिविर की सशर्त अनुमति सदर अनुमंडल पदाधिकारी ने दी है। यह अनुमति 14 फरवरी तक के लिए दी गई है। इस संबंध में जारी आदेश में सदर एसडीओ ने कहा कि जनसुराज के अध्यक्ष मनोज कुमार भारती ने एलसीटी घाट मैनपुरा के निकट अस्थायी शिविर की अनुमति मांगी थी। उस आलोक में सदर सीओ एवं पाटलिपुत्र थानेदार से जांच प्रतिवेदन मांगा गया। सीओ व थानेदार ने प्राप्त रिपोर्ट के आलोक में अस्थायी शिविर संचालन के लिए शर्तों के साथ अनुमति प्रदान की गई है। बताया गया है कि उक्त भूमि असर्वेक्षित सरकारी है। शिविर के लिए निर्धारित किराया का भुगतान करना होगा। आयोजन के दौरान वाहन पार्किंग की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। जेपी गंगा पथ पर वाहन पार्क नहीं होंगे। उनके कारण जेपी गंगा पथ पर यातायात भी बाधित नहीं होना चाहिए। स्वच्छता, पेयजल, शौचालय की व्यवस्था भी आयोजक को करनी होगी। एक सप्ताह पूर्व की नोटिस पर उक्त स्थल को खाली करना होगा। बता दें कि जनसुराज के संयोजक प्रशांत किशोर को गांधी मैदान से अनशन के दौरान अरेस्ट किया गया था। इस दौरान जमकर बवाल हुआ था। प्रशांत किशोर ने शर्तों के साथ बेल लेने से इनकार कर दिया था जिसके बाद शर्तें हटाई गईं। इसके बाद प्रशांत किशोर ने घर से ही अनशन शुरू कर दिया लेकिन फिर तबीयत बिगड़ी तो अस्पताल में भर्ती कराए गए। अस्पताल में उनसे अनशन तोड़ने की अपील की गई लेकिन उन्होंने अनशन तोड़ने से इनकार कर दिया। अब अनशन के लिए नई जगह मिलने से बिहार की राजनीति एक बार फिर से गरमा सकती है।

बिहार में मुखिया का बढ़ा पावर, अब सरकार की तरफ से मिली यह जिम्मेदारी; मंत्री ने दी जानकारी

पटना, 15 जनवरी (एजेंसियां)। नीतीश सरकार ने एक बार फिर पंचायत सरकार भवन बनाने का अधिकार मुखिया-गण को देने का निर्णय लिया है। पहले भी मुखिया-गण को यह दायित्व था, लेकिन बीच में यह अधिकार स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन (एलईओ) को मिल गया। अब एक बार फिर उन्हें अवसर दिया जा रहा है। आगे शेष पंचायत सरकार भवन का निर्माण संबंधित ग्राम पंचायत के मुखिया ही कराएंगे। राज्य की सभी 8053 ग्राम पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण होना है। पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने बताया कि अभी एलईओ को 2000 ग्राम पंचायतों में निर्माण का दायित्व सौंपा गया है। 2165 पंचायत सरकार भवनों का निर्माण भवन निर्माण विभाग द्वारा कराया जाना है। इसके अलावा पहले चरण में मुखिया-गण को 1435 ग्राम पंचायतों में निर्माण का दायित्व सौंपा गया था। इस तरह अब शेष 2453 पंचायतों में पंचायत सरकार भवन का निर्माण मुखिया द्वारा किया जाएगा। पंचायत सरकार भवन बहुउद्देशीय होता है। नए भवन का क्षेत्रफल लगभग 6600 वर्ग फीट होना है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में कुल क्षेत्रफल 8924 वर्ग फीट निर्धारित किया गया है। उन पंचायत सरकार भवनों में बाढ़ राहत केंद्र के लिए दो अतिरिक्त बड़े हाल के निर्माण का भी प्रविधान है। इस तरह बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के पंचायत सरकार भवन में 2324 वर्ग फीट अधिक स्थान होगा। भवन में पंचायत प्रतिनिधियों व कर्मियों के लिए स्थान, ग्राम कचहरी का न्यायालय कक्ष, अभिलेखों के संरक्षण के लिए स्थान, स्टोर, आम सभा व स्थायी समिति की बैठकों के लिए हॉल होगा। नागरिकों के लिए स्वागत कक्ष, महत्वपूर्ण कर्मियों के लिए आवासीय खंड, कंप्यूटराइज्ड सेवा के लिए सेवा केंद्र, पैंट्री और शौचालय के अलावा बैंक शाखा के लिए भी स्थान रखना है। जिन ग्राम पंचायतों में अभी तक पंचायत सरकार भवन नहीं बने हैं, वहां निर्माण का दायित्व संबंधित मुखिया को सौंपा जाएगा।

कर्नाटक में अंगारों से गुजरते बैल ने 3 लोगों को मारी टक्कर, बेसुध होकर गिरे

मंड्या, 15 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंड्या जिले के होसाहल्ली गांव में मकर संक्रांति के अवसर पर एक पारंपरिक खेल के दौरान बेकाबू बैल ने तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस पारंपरिक खेल के दौरान गायों और बैलों को आग के घेरों से गुजारा जाता है। ऐसी मान्यता है कि इससे पशुओं की चमड़ी में चिपके कीड़े मर जाते हैं और वे स्वस्थ रहते हैं। मंड्या के होसाहल्ली में भी इस पारंपरिक खेल के लिए तैयारियां की गईं। आग का घेरा बनाया गया और पशुओं को उसके बीच से दौड़ाया गया।

इस दौरान एक बैल बेकाबू हो गया और आग के घेरे से निकलने के बाद भागते हुए उसने तीन लोगों को नीचे गिरा दिया। घटना का वीडियो सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बैल जब आग के घेरे से बाहर निकला तो वह बेकाबू हो गया और दौड़ते हुए बारी-बारी से तीन लोगों को टक्कर मार दी, जो जमीन पर गिर पड़े। घायल व्यक्तियों को तुरंत नजदीकी एमआईएमएस अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। मंड्या सेंट्रल पुलिस स्टेशन में इस घटना के संबंध में एक मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं।

लुधियाना के पास ट्रेन में लगी आग यात्रियों में मच गई अफरा-तफरी

लुधियाना, 15 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में एक बड़ा ट्रेन हादसा होते-होते रह गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लुधियाना में खन्ना के पास मंगलवार देर शाम दिल्ली जा रही शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच के ब्रेक में आग लग गई। ब्रेक में आग लगने की सूचना मिलते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना अमृतसर और दिल्ली के बीच चलने वाली ट्रेन के लुधियाना रेलवे स्टेशन से रवाना होने के बाद हुई। उन्होंने बताया कि करीब 25 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद एक कोच के ब्रेक में आग लग गई। धुआं उठता देख घबराए कुछ यात्रियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया।

चावा-पायल स्टेशन पर बुझाई गई आग

अधिकारियों ने बताया कि शान-ए-पंजाब एक्सप्रेस को चावा-पायल रेलवे स्टेशन पर रोका गया और आग बुझा दी गई। बता दें कि बीते गुरुवार को ही झारखंड के पलामू जिले में एक निरीक्षण ट्रेन में आग लग गई थी, जिससे क्षेत्र में रेल सेवाएं एक घंटे से ज्यादा समय तक बाधित रही थीं। एक अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि यह घटना गढ़वा रोड जंक्शन स्टेशन पर हुई, हालांकि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारी के मुताबिक, 'शुरुआती जांच से पता चला है कि ट्रेन में आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। हालांकि, घटना के पीछे की असली वजह विस्तृत जांच के बाद ही पता चल सकेगी।' अधिकारी ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि निरीक्षण ट्रेन बुधवार 8 जनवरी को पूर्व-मध्य रेलवे क्षेत्र के धनबाद रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले स्टेशन पर पहुंची थी। बिश्रामपुर के उप मंडल पुलिस अधिकारी यानी कि एसडीपीओ आलोक कुमार टूटी ने बताया था कि फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियों ने आग की लपटों पर काबू पाया। उन्होंने कहा था, 'राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) आग लगने की वजहों की जांच कर रही है।' रेलवे के एक अफसर ने बताया कि घटना के कारण टोरी-गढ़वा रोड, गढ़वा रोड-सोन नगर और गढ़वा रोड-चोपन खंड पर ट्रेनों की आवाजाही एक घंटे से भी ज्यादा समय तक प्रभावित रही।

घाटी में फिर बिगड़ेगा मौसम बारिश-बर्फबारी के आसार

जम्मू, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मौसम में फिर बदलाव के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार, 16 व 18 के बाद 20 जनवरी को प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश व बर्फबारी हो सकती है। पर्यटकों और यात्रियों को प्रशासन/यातायात की एडवाइजरी के तहत सफर करने की सलाह दी गई है। प्रदेश में शीतलहर के साथ ठंडक कायम है। मौसम साफ रहने से दिन के पारे में सुधार हुआ है, लेकिन रात को कंपकंपी जारी है।

विश्व विख्यात पर्यटन स्थल पहलगाम और गुलमर्ग में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। कश्मीर में साफ मौसम के बीच राजधानी श्रीनगर में मंगलवार को दिन का पारा 7.7, पहलगाम में 6.0 और गुलमर्ग में 4.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू संभाग के अधिकांश हिस्सों में दिन का पारा सामान्य से 2 से 3 डिग्री ऊपर चल रहा है। जम्मू में हल्के बादलों के बीच मौसम लगभग साफ रहा। यहां अधिकतम तापमान सामान्य से 2.4 डिग्री चढ़कर 19.9 और न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री दर्ज किया गया। बनिहाल में अधिकतम तापमान 13.8, बटोत में 14.0, कटड़ा में 18.7 और भद्रवाह में 13.0 डिग्री रहा। लेह में अधिकतम तापमान 1.6 डिग्री दर्ज किया गया।

बेटी की शादी के लिए एक बोरी गल्ला मांगने पुलिस के पास पहुंची गरीब मां

जवानों ने मिलकर उठा लिया शादी का पूरा खर्चा

छतरपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की छतरपुर पुलिस ने एक ऐसा काम किया है, जिसकी हर तरफ तारीफ हो रही है। कुछ जवानों ने मिलकर एक गरीब लड़की का न केवल शादी का खर्चा उठाया बल्कि धूमधाम से उसकी शादी में शामिल भी हुए। यातायात प्रभारी ने लड़की का कन्यादान किया और मीडियाकर्मी बाराती बने। इसका वीडियो भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि आपसी सहयोग से किस तरह एक गरीब परिवार के चेहरे पर मुस्कान लाई जा सकती है। छतरपुर पुलिस द्वारा किए गए इस मानवीय काम के लिए हर तरफ उसकी चर्चा हो रही है। पुलिस विभाग के जवानों ने गरीब बेटी का विवाह अपने खर्चे से किया। इस शादी में दुल्हन का कन्यादान खुद यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत ने किया। इस शादी में मीडियाकर्मी बाराती बने और पुलिस विभाग घराती बनी। दुल्हन का नाम कृष्णा अहिरवार है। कृष्णा की मां विमला कहती हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनकी बेटी की इतनी धूमधाम से शादी होगी। दरअसल दुल्हन के परिवार की आर्थिक हालत खराब थी। दुल्हन के पिता मजदूरी करते हैं और उनके कुल 4 बेटी और एक बेटा है। आर्थिक स्थिति खराब होने की वजह से दुल्हन की मां यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत के पास एक बोरी गल्ला लेने गई थी लेकिन जब यातायात प्रभारी ने उसके घर जाकर देखा तो पाया कि इस हालत में शादी करना मुश्किल है। फिर उनके विभाग के 40 जवानों ने अपने पास से 10-10 हजार रुपए जोड़कर शादी का खर्चा उठाया।

एलएनजेपी अस्पताल के बाथरूम में रेप छात्रा ने टेक्निशियन पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में बीएससी की छात्र के साथ रेप का मामला सामने आया है। मामला सामने आने के बाद पुलिस भी हरकत में आ गई है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल में एक लड़की ने अस्पताल के ही टेक्नीशियन पर रेप का आरोप लगाया है। छात्रा ने 2 दिन पहले पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत के आधार पर दिल्ली पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक लड़का और लड़की एक दूसरे को पहले से जानते थे। दोनों के बीच गहरी दोस्ती थी। दिल्ली पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि पीड़िता और आरोपी के बीच फोन पर लंबी बातें होती थीं। दोनों की सोशल मीडिया पर कई कई घंटों तक चैट भी होती थी। पुलिस की जांच में दोनों के करीबी होने का खुलासा हुआ है, जिसके बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में वारदात वाले दिन दोनों अस्पताल में एक साथ नॉर्मल तरीके से घूमते हुए भी दिख रहे हैं। पुलिस के मुताबिक हॉल ही में पीड़ित लड़की को यह बात पता चली थी कि लड़का पहले से शादीशुदा है। इस बात से भी वह लड़के से काफी खफा थी। माना जा रहा है कि इस अनबन की वजह से भी छात्रा ने टेक्नीशीयन पर रेप का आरोप लगाया सकती है।

दिल्ली में पकड़ा गया फर्जी सीबीआई सब-इंस्पेक्टर, ऐसे हुआ मामले का पर्दाफाश

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। राजौरी गार्डन के पास जांच कर रही पुलिस टीम ने एक शख्स ललित कुमार को पूछताछ के लिए रोका। तब आरोपी ने सीबीआई में सब-इंस्पेक्टर होने का दावा किया। अपने मोबाइल फोन पर सीबीआई आईडी कार्ड की फोटो दिखाई। हालांकि, आईडी कार्ड संदिग्ध लग रहा था। दिल्ली में लोधी कॉलोनी सीजीओ कॉम्प्लेक्स में सीबीआई कार्यालय से पूछताछ करने पर पता चला कि ललित कुमार द्वारा दिखाया गया आईडी कार्ड नकली और जाली था। नतीजतन, पीएस राजौरी गार्डन में धारा 204/205/340 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई।

हिसार के होटल में चल रहे सेक्स रैकेट का पर्दाफाश

4 थाईलैंड और एक नाइजीरयन महिला भी थी शामिल

हिसार, 15 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार जिले में एक होटल में चल रहे देह व्यापार के धंधे का खुलासा हुआ है। दरअसल, हिसार के रेड स्क्वेयर मार्केट में एक सिनेमा के नजदीक द रेडवुड होटल में देह व्यापार (सेक्स रैकेट) का धंधा करवाया जा रहा था। इस मामले आरोपित होटल संचालक राजकुमार को पुलिस ने रिमांड पूरा होने के बाद अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित की दिल्ली में एक महिला से जान पहचान हुई थी। इसके बाद आरोपित ने वहां पर अपने संपर्क बनाकर चार थाईलैंड और एक नाइजीरयन महिला को हिसार स्थित अपने होटल पर लेकर आया था। आरोपित ने इनकी मदद से अपने होटल में देह व्यापार का धंधा शुरू करवा दिया। हालांकि, 10 जनवरी को पुलिस को इससे संबंधित सूचना मिली थी, जिसके बाद पुलिस ने अपनी एक टीम तैयार कर होटल पर छापेमारी की थी। पुलिस ने वहां बोगस ग्राहक को 1000 हजार रुपये देकर होटल में भेजा।

बोगस ग्राहक ने अंदर जाकर लड़की उपलब्ध करवाने के लिए कहा तो होटल कर्मचारी ने हामी भर दी। बोगस ग्राहक के इशारे पर होटल पर छापेमारी की। वहां पर संचालक व मैनेजर टिब्बा दानाशेर के राजकुमार को काबू किया गया। होटल में छापेमारी के दौरान कमरों में लड़कें व लड़कियां आपत्तिजनक हालत में मिले थे। जिसके बाद पुलिस ने राजकुमार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। पुलिस ने आरोपित को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया।

हाईकोर्ट का अहम फैसला

तलाक लिए बिना अलग रह रही महिला करवा सकती है गर्भपात, पति की मंजूरी जरूरी नहीं

चंडीगढ़, 15 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने अहम फैसला सुनाते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि तलाक लिए बिना अपने पति से अलग रह रही महिला पति की सहमति के बिना भी गर्भ समाप्त कर सकती है। महिला ने अपने पति की सहमति के बिना अपना 18 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने के मोहाली के फोर्टिस अस्पताल को निर्देश देने की मांग की थी। याची ने बताया कि गर्भपात के लिए निर्धारित अवधि से अधिक का गर्भ नहीं होने के कारण उसकी गर्भावस्था चिकित्सकीय रूप से समाप्त की जा सकती है। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि महिला को कम दहेज लाने के कारण उसके ससुराल वालों द्वारा क्रूरता का सामना करना पड़ा और उसके पति ने भी उसके साथ दुर्व्यवहार किया। उसने अपने निजी क्षणों को गुप्त रूप से रिकॉर्ड करने के लिए दो बार अपने बेडरूम में एक पोर्टेबल कैमरा भी लगाया। कथित क्रूरता के कारण महिला अलग रहने लगी और प्रस्तुत किया कि उसकी अवांछित गर्भावस्था को जारी रखने से उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान होगा। हाईकोर्ट ने पाया कि याचिकाकर्ता घरेलू हिंसा के कारण अपने पति से अलग हो गई, लेकिन कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ है, फिर भी वह वैवाहिक स्थिति में परिवर्तन के आधार पर अपने पति की सहमति के बिना गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए पात्र है।

हाईकोर्ट ने कहा कि अवांछित गर्भधारण के लिए मजबूर होने पर, एक महिला को महत्वपूर्ण शारीरिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। बच्चे के जन्म के बाद भी ऐसी गर्भावस्था के परिणामों से निपटना याचिकाकर्ता पर अतिरिक्त बोझ डालता है। इससे जीवन में अन्य अवसरों जैसे कि रोजगार और अपने परिवार की आय में योगदान करने की उसकी क्षमता प्रभावित होती है।

जालंधर में पुलिस और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बीच मुठभेड़, एक को लगी गोली, दो गिरफ्तार

जालंधर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जालंधर में पुलिस और कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। यह घटना उस समय शुरू हुई जब पुलिस को सूचना मिली कि गैंग के कुछ सदस्य शहर में सक्रिय हैं। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपियों का पीछा किया लेकिन गिरोह के सदस्यों ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी को गोली लग गई, जबकि दूसरे ने भागने की कोशिश की लेकिन उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात है और स्थिति को नियंत्रण

में रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। आरोपियों से चार अवैध हथियार, कारतूस और कार बरामद हुई है।

अगर केंद्र में बीजेपी नहीं होगी, तो मणिपुर टूट जाएगा: सीएम बीरेन सिंह ने कहा

इंफाल, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन। बीरेन सिंह ने कांग्रेस पार्टी और उसके सांसदों पर कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने भावनात्मक आवेग में आकर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को वोट दिया, लेकिन पार्टी के सांसद मणिपुर के मुख्य मुद्दों को संसद में उठाने में नाकाम रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह बयान इंफाल में पार्टी के एक कार्यक्रम के दौरान दिया। उन्होंने दावा किया, यदि केंद्र में बीजेपी नहीं होगी, तो मणिपुर टूट जाएगा। एन। बीरेन सिंह ने कहा कि मणिपुर के लोग अचानक भावुक होकर कांग्रेस के पक्ष में मतदान कर बैठे थे, लेकिन इसके बाद कांग्रेस के दोनों सांसदों ने सीमा पर बाड़ लगाने, अवैध आप्रवासियों की पहचान और मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफएमआर) जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कोई आवाज नहीं उठाई। उन्होंने सवाल किया, क्या इन सांसदों ने संसद में इन मुद्दों पर बात की है? जब राज्य में कई लोग मारे गए और विस्थापित हुए, तब इन्हें कैसे वोट दिया गया? मुख्यमंत्री ने मणिपुर के लोगों से यह सवाल भी किया कि उन्होंने कांग्रेस के सांसदों को वोट क्यों दिया और वे अब संसद में क्या कर रहे हैं?

चिदंबरम के बयान पर हमला

मुख्यमंत्री ने पूर्व केंद्रीय मंत्री पी। चिदंबरम द्वारा मणिपुर में तीन प्रमुख समुदायों को क्षेत्रीय स्वायत्तता देने के सुझाव पर भी कांग्रेस पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है और इस पर कभी कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। उन्होंने कहा, चिदंबरम की पोस्ट पर कांग्रेस ने कभी जवाब नहीं दिया। उनके कार्यकाल में ही बाहर से आए लोगों ने अभियान स्थगन समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

राज्य को बीजेपी ने बचाया है

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस को सांप्रदायिक और जनसांख्यिकीय असंतुलन के बढ़ते खतरे के बारे में चेतावनी दी। उन्होंने कहा, कांग्रेस ऐसे बोलते हैं, जैसे यहां सीमा पर कुछ हो ही नहीं रहा है। उन्हें बढ़ते जनसांख्यिकीय असंतुलन के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा भारतीय जनता पार्टी ने राज्य को "बचाया" है। उन्होंने दावा किया, "यदि केंद्र में बीजेपी नहीं होगी, तो मणिपुर टूट जाएगा। केवल भाजपा ने ही राज्य को बचाया है।" उन्होंने कहा, "जो लोग देश और अपनी धरती से प्रेम करते हैं, वे बीजेपी के समर्थक हैं।" सिंह संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बीजेपी के 15 दिवसीय अभियान के तहत थंबल सांगलेन में संविधान गौरव अभियान को संबोधित कर रहे थे।

टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या मामले में 10 लोगों से पूछताछ

ईडी करेगी फर्जी पासपोर्ट घोटाले की जांच

कोलकाता, 15 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या और दो अन्य के घायल होने के मामले में पुलिस ने 10 लोगों से पूछताछ की। एक अधिकारी ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने जिन 10 लोगों से पूछताछ की, उनमें से ज्यादातर स्थानीय निवासी थे। उन्हें अपराध के बाद हिरासत में लिया गया था, लेकिन अभी तक इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। अधिकारी ने कहा, आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज बरामद कर लिए गए हैं। हमारी जांच के तहत कल शाम जिन लोगों को हिरासत में लिया गया,

उनसे पूरी रात पूछताछ की गई। फिलहाल तो ये बदले की राजनीति का हिस्सा लग रहा है। हिरासत में लिए गए 10 लोगों में से छह एक ही इलाके के हैं। हमने अपनी जांच के तहत कुछ जगहों पर छापेमारी भी की है। पुलिस ने इस बात से इनकार किया कि टीएमसी कार्यकर्ता पर गोली चलाई गई थी। अधिकारी ने आगे कहा, हमें इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि अपराध के समय कोई गोली चलाई गई थी। इसका न तो कोई सीसीटीवी फुटेज है और न ही कोई मोबाइल ग्रैब। हमने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया, लेकिन उम्मीद है कि जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।

सिख परिवार ने मस्जिद के लिए दान की लाखों की जमीन

मुस्लिमों को नमाज के लिए जाना पड़ता था दूसरे गांव

मलेरकोटला, 15 जनवरी (एजेंसियां)। पंजाब के मलेरकोटला जिले से हिंदू-मुस्लिम एकता और सौहाद्र की मिसाल पेश करने वाला एक मामला सामने आया है। जिले के एक सिख परिवार ने गांव के मुस्लिम समुदाय को मस्जिद बनाने के लिए जमीन दान की है। उमरपुरा गांव के पूर्व सरपंच सुखजिंदर सिंह नोनी और उनके भाई अवनिंदर सिंह ने मस्जिद बनाने के लिए 5.5 बिस्वा जमीन दी है। रिपोर्ट के अनुसार, मलेरकोटला जिला पंजाब का एकमात्र ऐसा जिला है जहां मुस्लिम आबादी काफी ज्यादा है, क्योंकि 1947 में विभाजन के बाद यह लोग भारत में ही रहे और पाकिस्तान नहीं गए। सुखजिंदर सिंह ने कहा कि गांव में मुस्लिम समुदाय के पास पूजा स्थल नहीं है, इसलिए उनके परिवार ने मस्जिद के लिए जमीन देने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि हमारे गांव में करीब 30 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और उन्हें नमाज पढ़ने के लिए दूसरे गांवों में जाना पड़ता है। अब जब गांव में मस्जिद बन रही है तो मुस्लिम समुदाय के लोग भावुक हो गए और बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार ने यहां के मुस्लिम समुदाय से वादा किया था कि उनके पास एक मस्जिद होगी, इसलिए मैंने और मेरे भाई ने यह जमीन दान कर दी।

उन्होंने आगे बताया कि इस जमीन की कीमत करीब 7-8 लाख रुपये है। वहीं 12 जनवरी को पंजाब के शाही इमाम मोहम्मद उस्मान रहमान लुधियानवी ने समुदाय के सदस्यों की मौजूदगी में मस्जिद की पहली ईंट रखी। इस मौके पर शाही इमाम ने कहा कि मुस्लिम समुदाय के लोग इस मस्जिद में नमाज अदा करेंगे, लेकिन उनकी प्रार्थनाओं का पुरस्कार उन सिख परिवारों को मिलेगा जिन्होंने इस मंदिर के लिए अपनी जमीन दान की है।

इंदौर के हाई स्ट्रीट मॉल के रेडिमेड कपड़ों के शोरुम में आग, दो करोड़ के कपड़े जले

इंदौर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर के एबी रोड स्थित हाई स्ट्रीट अपोलो मॉल में आग लग गई। मॉल में ब्रांडेड कपड़ों के शोरुम रेयर रेबिट में लगी, जो तीन माह पहले ही खुला है। बताते है कि देर रात शोरुम में आग लगी थी, लेकिन किसी का ध्यान नहीं गया। सुबह कर्मचारी सफाई के लिए पहुंचे तो उन्होंने धुआं देखा और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। तब तक शोरुम में रखा दो करोड़ रुपये का मॉल जलकर रखा हो चुका था। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की दमकल मौके पर पहुंची, लेकिन धुआं होने के कारण फायरब्रिगेडकर्मी भीतर नहीं घुस पा रहे थे। धुआं निकालने के लिए शोरुम के कांच फोड़े गए। एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने की ठोस वजह तो पता नहीं चली, लेकिन शार्ट सर्किट के कारण आग लगने की आशंका फायर ब्रिगेड ने जताई है।

पटरी पर रखे बड़े पत्थर से टकराया पैसेंजर ट्रेन का इंजन, टल गया बड़ा हादसा, एफआईआर दर्ज

बरेली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया था। अधिकारियों द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के मुताबिक, बरेली जिले में बरेली-पीलीभीत रेल खंड पर एक यात्री रेलगाड़ी का इंजन किसी अज्ञात द्वारा पटरी पर रखे गए बड़े पत्थर से टकरा गया। उन्होंने बताया कि ट्रेन के लोको पायलट द्वारा समय पर ब्रेक लगा देने से किसी तरह का बड़ा नुकसान नहीं हुआ। नवाबगंज थाने की पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपियों की पहचान कर तलाश की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि घटना शाम 5 बजकर 45 मिनट की है जब टनकपुर से बरेली सिटी जाने वाली रेलगाड़ी संख्या 75302 शाही रेलवे स्टेशन से रवाना होकर बिजौरिया रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थी। उन्होंने बताया कि पैसेंजर ट्रेन का इंजन बिजौरिया रेलवे स्टेशन के पास किसी अज्ञात द्वारा पटरी पर रखे गए पत्थर से टकरा गया। अधिकारियों ने बताया कि घटना में हालांकि कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ क्योंकि लोको पायलट ने ट्रेन को समय पर रोक दिया था। उन्होंने बताया कि ट्रेन के बिजौरिया रेलवे स्टेशन पहुंचने पर लोको पायलट ने रेलवे अधिकारियों के साथ-साथ जीआरपी को इसकी सूचना दी गई। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर पहुंचे रेलवे के अफसरों ने ट्रेन का निरीक्षण करने के बाद उसे आगे की यात्रा के लिए रवाना करने की इजाजत दे दी। घटना के बारे में बात करते हुए इज्जत नगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने कहा,'इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।' रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर नेत्रपाल सिंह की शिकायत पर नवाबगंज थाने में मंगलवार देर रात रेलवे एक्ट-1989 की धारा 150 (दुर्भावनापूर्ण तरीके से किसी रेलगाड़ी को नुकसान पहुंचाने की कोशिश) के तहत केस दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

सिक्कों में चुकाया बिजली बिल, 40 केजी था वजन, गिनने में तीन कर्मचारियों को लगे 5 घंटे

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के वाशिम से एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां महावितरण बिजली कंपनी की वसूली मुहिम के दौरान एक रोचक घटना घटी है।

जिले के रिसोड शहर के एक ग्राहक ने अपना 7 हजार 160 रुपये का बिजली बिल एक और दो रुपये के सिक्कों में चुकाया है। इन सिक्कों का कुल वजन लगभग 40 किलो था। महावितरण बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने यह सिक्के ग्राहक से लेकर कार्यालय तक मोटसाइकिल पर एक किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंचाए।

वहीं इन सिक्को को गिनने में तीन कर्मचारियों प्रशांत थोटे कैशियर), उद्धव गजभार (लाइनमैन) और अतुल थेर (ठेका कर्मचारी) को लगभग पांच घंटे का समय लगा। यही नहीं सिक्के गिनने के दौरान कर्मचारियों को कड़ी मेहनत करनी पड़ी और ठंड के बावजूद पसीना आ गया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 16 जनवरी - 2025

चीन की घेराबंदी

भारत ने चीन की ऐसी घेराबंदी शुरू कर दी है कि वह अब खुराफात करने से पहले सौ बार सोचेगा। चीन को घेरने के लिए भारत ने एलएसी पर एक दो नहीं, बल्कि 113 सड़कें पहुंचाने की योजना तैयार की है। 113 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी भी मिल चुकी है। चीन बॉर्डर से सटे पांच राज्यों में ये परियोजनाएं संचालित होंगी। 2023-24 में शुरू की गई इन परियोजनाओं की कुल लागत 2,420.97 करोड़ है। साथ ही, लद्दाख में भी भारत-चीन सीमा सड़क परियोजना का तीसरा चरण शुरू हो चुका है। भारत-चीन सीमा पर गांवों के विकास के लिए चलाई जा रही वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम का एक साल पूरा हो गया है। इस योजना के तहत अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड में उक्त सड़क परियोजनाओं को मंजूरी मिली है। यह जानकारी केंद्रीय गृह मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट में भी दर्ज की गई है। लद्दाख में भारत-चीन सीमा सड़क परियोजना का तीसरा चरण भी शुरू हो गया है। बता दें कि 2020 में गलवान में भारतीय और चीनी सेनाओं के बीच झड़प हुई थी। हाल ही में चीन ने अरुणाचल प्रदेश के पास यारलुंग त्संगपो नदी पर 60 हजार मेगावाट का बांध बनाने की घोषणा की है। भारत का कहना है कि इन सड़क परियोजनाओं से सीमावर्ती इलाकों में संपर्क बेहतर होगा। परियोजनाओं की नियमित समीक्षा भी की जा रही है। केंद्र सरकार ने 2023 में वीवीपी को मंजूरी दी थी। यह योजना अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख के 19 सीमावर्ती जिलों में 46 प्रखंडों के चुनिंदा गांवों के विकास के लिए है। 2022-23 से 2025-26 तक कुल 4,800 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इसमें से 2,500 करोड़ रुपये सिर्फ सड़क निर्माण के लिए हैं। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में लगभग 6,000 गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें मेले, त्योहार, स्थानीय सांस्कृतिक विरासत का प्रचार, जागरूकता शिविर, खेल प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य जांच शिविर और पशु चिकित्सा शिविर शामिल हैं। बता दें कि भारत और चीन के बीच लद्दाख, अरुणाचल, हिमाचल, उत्तराखंड और सिक्किम में 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत ने लद्दाख में 2017-20 तक प्रति वर्ष 470 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया। यह 2017 तक के दशक में प्रति वर्ष 230 किलोमीटर की तुलना में दोगुना से भी ज्यादा है। इसमें नए रास्ते बनाना और मिट्टी का काम शामिल है। भारत-चीन सीमा सड़क के पहले और दूसरे चरण में 73 सड़कों को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना गया था। इनमें से 61 सड़कों का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सौंपा गया था। पूर्वी लद्दाख में तीसरे चरण के तहत पांच नई सड़कों की पहचान की गई है। इनका निर्माण बीआरओ और केंद्रीय लोक निर्माण विभाग करेगा। कई जगहों पर सिंगल या डबल लेन वाली सड़कों को चार लेन वाली, सभी मौसम में चलने वाली सड़कों में बदला गया है। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, भारत-पाकिस्तान और भारत-बांग्लादेश सीमाओं पर कुल 4,223.04 किलोमीटर लंबी सीमा सड़कों में से 3,785.30 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है। भारत की इस घेराबंदी से चीन व पाकिस्तान के अब अपनी नई रणनीति पर काम कर रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण की दौड़ जीतती भारतीय रेलवे

प्रियंका सौरभ

महिलाओं का सशक्तिकरण शायद 20वीं सदी के बाद से सबसे ज़्यादा परिभाषित करने वाला आंदोलन है। हम ऐसी महिलाओं की प्रेरक कहानियाँ सुनते हैं जिन्होंने पुरुष-प्रधान भूमिकाओं में अपनी छाप छोड़ी है, जैसे सार्वजनिक जीवन और सरकार में, उद्योग के कप्तान के रूप में और खेल में। आज जीवन के हर क्षेत्र में महिलाएँ अग्रणी हैं और हर बीतते साल के साथ उनकी संख्या बढ़ती जा रही है और फिर भी, भारतीय रेलवे के कर्मचारियों में केवल 6-7% महिलाएँ हैं। आज संख्या चाहे जो भी हो, पुरुष-प्रधान क्षेत्रों की उथल-पुथल में क़दम रखने वाली ₹प्रथम महिलाओं₹ को पहचाने जाने की आवश्यकता है। वे अग्रणी, साहसी थीं और इस नए क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए उनमें अपार साहस था। 19वीं शताब्दी में घर से बाहर काम करना महिलाओं के लिए बुरा माना जाता था: पुरुष कर्मचारी प्रतिस्पर्धा से डरते थे, जबकि मध्यम वर्ग की महिलाएँ गृहिणी और शिक्षिका के रूप में पहचान चाहती थीं। न ही पुरुषों और महिलाओं को एक ही परिसर में मिलाना उचित माना जाता था। सामाजिक रीति-रिवाज सख्त थे और लिंग भेद आदर्श था।

लेकिन जैसे-जैसे रेलमार्गों का विस्तार हुआ, श्रमिकों की मांग बढ़ी। रेल कंपनियों द्वारा नियोजित पहली महिलाएँ रेल कर्मचारियों की बेसहारा विधवाएँ थीं। प्रबंधकों ने उन्हें वेतनभोगी रोजगार की पेशकश की-हालाँकि पूरी तरह से दया से नहीं, क्योंकि वे अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में काफ़ी कम कमाती थीं। जया चौहान 1984 बैच के भाग के रूप में रेलवे सुरक्षा बल में पहली महिला अधिकारी थीं। शुरुआत में एक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में काम करते हुए, मातृभूमि की सेवा करने और अप्राप्त गढ़ों की खोज करने के उनके जुनून ने उन्हें उस आरामदायक नौकरी को छोड़ने और कूदने के लिए मजबूर किया। रेलवे की पुलिसिंग में जया ने न केवल रेलवे में अच्छा प्रदर्शन किया, बल्कि देश में अर्धसैनिक बलों में पहली महिला महानिरीक्षक भी बनीं। 1981 बैच के रेल उम्मीदवारों में से, एम. कलावती को भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा की पहली महिला सदस्य के रूप में शामिल किया गया था। वह वर्तमान में दक्षिणी रेलवे जोन में मुख्य सिग्नल इंजीनियर के रूप में काम करती हैं। रेलवे सेवाओं में शामिल होने से पहले, 1988 में, कल्याणी चड्ढा ने जमालपुर में 1983 बैच के विशेष श्रेणी अपरेंटिस में भारतीय रेलवे मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग संस्थान में चार साल बिताए। कल्याणी के नेतृत्व में 13 महिलाएँ हैं जो अब सेवा में हैं और 10 और जो जमालपुर में प्रशिक्षुता कर रही हैं। मंजू गुप्ता, जो वर्तमान में बीकानेर डिवीजन के डिवीजनल रेल मैनेजर के रूप में कार्यरत हैं 1998 बैच की मोना श्रीवास्तव भारतीय रेलवे इंजीनियर्स सेवा में शामिल होने वाली पहली महिला सदस्य थीं, जो तब तक केवल पुरुषों के लिए थी। इस सदी की शुरुआत में ही, यानी 2002 में, 1967 बैच की सदस्य विजयलक्ष्मी विश्वनाथन भारतीय रेलवे बोर्ड के वित्त आयुक्त के पद पर पहुँचीं। विजयलक्ष्मी 1990 के दशक के अंत में भारतीय रेलवे में पहली महिला मंडल रेल प्रबंधक भी थीं। लगभग दो दशक बाद, जब पद्माक्षी रहेजा को भारतीय रेलवे यातायात सेवा के 1974 बैच के सदस्य के रूप में चुना गया, तब पुरुषों के अगले गढ़ को तोड़ने में महिला का हाथ था।

पूरी दुनिया में महाकुंभ की धूम

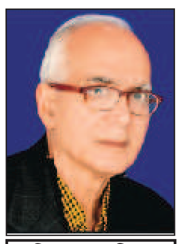

निरंकार सिंह

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि प्रयागराज की धरती पर एक नया इतिहास रचा जा रहा है। महाकुंभ का आयोजन देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नये शिखर पर स्थापित करेगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ के अनुसार प्रधानमंत्री जी ने वर्ष 2019 में भव्य, दिव्य, स्वच्छ, सुरक्षित तथा सुव्यवस्थित कुंभ की परिकल्पना दी थी। उनकी प्रेरणा से ही इस बार दिव्य, भव्य तथा डिजिटल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इसी का परिणाम है आज दुनिया के 183 देशों में महाकुंभ मेले की चर्चा हो रही है। विदेशों से भी बड़ी संख्या में लोग कुंभ मेले में आ रहे हैं। अमेरिका, जापान, स्विट्जरलैंड, आस्टेªलिया, यूके, चिली, मारीशस जैसे देशों से भी लोग महाकुंभ मेले में आ रहे हैं।

अब मेला शुरू हो चुका है और पहले ही दिन उम्मीद से कई गुना अधिक लोग आये।

प्रयागराज कुंभ 2019 में 24 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे वहीं इस बार महाकुंभ-2025 में करीब 45 करोड़ श्रद्धालुओं के पहुँचने का अनुमान लगाया गया है। 10 लाख से अधिक कल्पवासी महाकुंभ में रहेंगे। सामान्य दिनों में 5 लाख से अधिक श्रद्धालु रोजाना महाकुंभ के दौरान संगम में डुबकी लगायेंगे। कुंभ 2019 की तुलना में महाकुंभ 2025 में मेला क्षेत्र का विस्तार किया गया है। इस बार लगभग 4000 हेक्टेयर में मेला क्षेत्र विस्तृत किया गया है जबकि वर्ष 2019 में यह 3200 हेक्टेयर में फैला था। प्रयागराज कुंभ 2019 से पूर्व के कुंभ में मेला क्षेत्र 2000 हेक्टेयर से कम क्षेत्रफल में आयोजित होता था। महाकुंभ प्रयागराज 2025 में पूरे मेला क्षेत्र को 25 सेक्टर में विभाजित किया गया है।

देश-दुनिया के संतों और श्रद्धालुओं के लिए प्रयागराज में अभूतपूर्व इंतजाम किये गये हैं। सबसे खास बात यह है कि श्रद्धालुओं को मेले के प्रवेश द्वार पर ही अद्भुत नजारे देखने को मिलेंगे। यहां जगह-जगह पर 100 फीट लंबे प्रवेश द्वार बनाये गये हैं, जो सांस्कृतिक विरासत का जीवंत दृश्य प्रस्तुत करते हैं। श्रद्धालुओं को इलेक्ट्रिक बसों एवं अन्य वाहनों द्वारा महाकुंभ स्थल तक लाने की व्यवस्था की गयी है। 550 शटल बसें तथा उ0प्र0 परिवहन निगम की 7000 से अधिक बसें लगायी गयी हैं। देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार आदिकालीन भारतीय संस्कृति की दिव्यता और अलौकिकता के दर्शन होंगे। इसके तहत पौराणिक एवं भारतीय संस्कृति के महत्व की नक्काशीदार मूर्तियों शहर के प्रमुख चौराहों पर सजायी गयी हैं। इनमें अर्जुन, गरूड़, नंदी, गदा के अलावा मां गंगा सहित तमाम ऐसी मूर्तियां हैं जो श्रद्धालुओं को आकर्षित करती हैं। श्रद्धालुओं को दिव्य महाकुंभ का अनुभव कराने के लिए संगम क्षेत्र में हनुमान मंदिर कॉरिडोर, अक्षयवट कॉरिडोर का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा सरस्वती कूप, पातालपुरी, दादश माधव मन्दिर, भरद्वाज आश्रम, नागवासुकी मंदिर और ऋृंगवेरपुर धाम का सौन्दर्यीकरण भी कराया गया है। महामहाकुंभ के दौरान ये मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का प्रमुख केन्द्र हैं।

वर्ष 2019 में प्रयागराज की धरती पर आयोजित दिव्य और भव्य कुंभ पूरी दुनिया देख चुकी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वर्ष 2025 के महाकुंभ में एक कदम और बढ़ाते हुए विश्व के इस सबसे बड़े आयोजन को डिजिटल रूप प्रदान किया है। अब पूरी दुनिया डिजिटल और तकनीक आधारित महाकुंभ-2025 की साक्षी बनेगी।

मेले की भव्यकता को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर इसका प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार पूरे मेले का डिजिटलाइजेशन करने पर जोर दे रही है। गूगल नेविगेशन का पहली बार इस्तेमाल किया गया है। महाकुंभ मेला से जुड़ी हर महत्वपूर्ण जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध है। घाट, अखाड़े के साथ ही पूजा-पाठ, प्रवचन का विवरण ऑनलाइन है। वहीं गंगा-आरती पूजन के साथ ही मेले के दौरान दी जाने वाली हर सुविधा का प्रयागराज मेला प्राधिकरण ऑनलाइन मूल्यांकन भी कर सकेगा।

मेले के डिजिटलाइलजेशन के पीछे मूल उद्देश्य इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के साथ ही इसे और अधिक सुरक्षित बनाना है। हर गतिविधि को मॉनीटरिंग करना और हर सुविधा को सही समय पर सही व्यक्ति तक पहुँचाना है। महाकुंभ में बड़े संतों के प्रवचन, शिविर की लोकेशन आदि की जानकारी ऑनलाइन है। साथ ही लेजर शो, वॉटर स्पोर्ट्स आदि का पूरा विवरण भी ऑनलाइन उपलब्ध है। पहली बार 10 से अधिक भाषाओं में जानकारी देने वाला चैटबॉक्स ''कुंभ सहायक भी निर्मित किया गया है। इसके अलावा सुरक्षा के लिए आर्टीफिशियल इटेलीजेंस युक्त कैमरे तथा महाकुंभ मेला क्षेत्र में बने अस्थायी नगर के लिए गूगल नेवीगेशन भी उपलब्ध है। यह महाकुंभ विश्व को भारत के सांस्कृतिक धरोहरों के साथ ही देश की डिजिटल शक्ति से भी परिचित करायेगा।

कुछ असंतुष्ट राजनीतिज्ञों और विध्नकारी तत्वों को देखते हुए मेले में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के खास इंतजाम किये गये हैं। महाकुंभ 2025 को सुरक्षा, सुविधा और सुव्यवस्था की त्रिवेणी बनाने के लिए योगी सरकार प्रतिबद्ध है। योगी सरकार यहां हर आपात स्थिति से निपटने को तैयार है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखते हुए 45 करोड़ लोगों की सुरक्षा का पूरा प्लान तैयार है। संगम में स्नान करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा कर्मियों को 107 बीटों में बांटा गया है। यहां कुल 10 कंपनी पीएसी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के जवानों के अलावा 700 नावों पर रक्षक तैनात हैं। घाटों पर सुरक्षा के लिए थर्मो प्लास्टिक के फ्लोटिंग बाक्स को जोड़कर बैरीकेटिंग बनायी गयी है, जिस पर चौबीस घंटे पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। स्नान के दौरान नावों के टकराने की आशंका को भी समाप्त करने के लिए भी पर्याप्त इंतजाम किये गये हैं। जिसके तहत सौर ऊर्जा का प्रयोग कर 'रिफ्लेक्टिव रिवर लाइन' बनाई गयी है, जिसकी वजह से कोई भी नाविक लेन का उल्लंघन नहीं कर पायेगा।

पहली बार देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर ''रिमोट लाइट बॉय तैनात किये गये हैं जो पलक झपकते ही कहीं भी पहुॅचने में सक्षम हैं और किसी भी अनहोनी से पहले ही व्यक्ति को सुरक्षित स्थान ले जाने में सक्षम हैं। महाकुंभ में एक-एक श्रद्धालु की सुरक्षा पर नजर है।

इसके लिए पीएससी, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीम के जवानों को हर आधुनिक टेक्नालॉजी से प्रशिक्षित किया गया है। जवानों के लिए अत्याधुनिक लाइफ जैकेट-04 नई फ्लोटिंग जेटों और बड़े पैमाने पर रेस्क्यू ट्यूब मंगायी गयी है।

प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने पूरे महाकुंभ क्षेत्र को 25 सेक्टरों में बांटा है। 4000 हेक्टेयर और 25 सेक्टरों में बंटा महाकुंभ मेला क्षेत्र इससे पहले के किसी भी महाकुंभ मेले से सबसे बड़ा क्षेत्र है। मेला प्राधिकरण में प्रत्येक सेक्टर में प्रशासन व्यवस्था और विभागीय समन्वय के लिए उप जिलाधिकारियों को सेक्टर मजिस्टेट के तौर पर नियुक्त किया है। ये सेक्टर मजिस्टेट पूरे महाकुंभ के दौरान अपने-अपने सेक्टर, कार्य विभाग और विभागीय समन्वय का कार्य करेंगे।

राष्ट्रगान और संवैधानिक मर्यादाएं

सुनील महला

नया साल शुरू हो चुका है और छब्बीस जनवरी आने को है। नये साल की शुरुआत में और गणतंत्र दिवस के नजदीक हाल ही में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और राज्यपाल आर.एन. रवि के बीच राष्ट्रगान को लेकर जो भी विवाद हुआ है, उसे किसी ही हाल और परिस्थितियों में ठीक नहीं कहा जा सकता. यह बहुत ही शर्मनाक है कि देश के राष्ट्रगान को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि भारतीय संविधान के भाग IV में अनुच्छेद 51(क) जो मौलिक कर्तव्यों से संबंधित है, उसके अनुसार-'भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे। उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे।' कहना ग़लत नहीं होगा कि राष्ट्रगान और राष्ट्रीय प्रतीकों का पालन करना हम सभी का नैतिक और संवैधानिक दायित्व है। देश के नागरिक होते हुए हमें हमारे देश के संविधान और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। विशेषकर जब बात नेताओं की आती है तो उन्हें तो संवैधानिक मर्यादाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए क्यों कि जनता उनको विश्वास के साथ चुनकर आगे भेजती है।उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम, 1971 के तहत राष्ट्रगान का जानबूझकर अपमान या अवमानना करने पर 3 साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों का प्रावधान है। बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री और राज्यपाल के बीच राष्ट्रगान के मुद्दे पर यह टकराव केवल औपचारिक प्रक्रियाओं का मुद्दा मात्र ही नहीं है, अपितु यह संवैधानिक मर्यादाओं से भी जुड़ा हुआ है। पाठकों को बताता चलूं कि तमिलनाडु राजभवन ने विधानसभा के हालिया सत्र को संबोधित न करने के राज्यपाल आर.एन. रवि के फैसले को मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन द्वारा 'बचकाना' बताए जाने की आलोचना करते हुए हाल ही में यह कहा था कि 'इस तरह का अहंकार ठीक नहीं है।' गौरतलब है कि हाल ही में 7 जनवरी, 2025 को तमिलनाडु विधानसभा के उद्घाटन सत्र के दौरान, राज्यपाल आर.एन. रवि ने अचानक सभा छोड़ दी थी। वास्तव में, उन्हें सत्र के आरंभ में राष्ट्रगान न बजाए जाने पर आपत्ति थी क्योंकि यह प्रोटोकॉल का उल्लंघन था। तथ्य यह भी है कि परंपरागत रूप से लगभग तीन दशकों से तमिलनाडु विधानसभा राज्य के आधिकारिक गीत(राज्यगान) 'थाई वल्थु' से शुरू होती है और अंत में राष्ट्रगान बजता है। इसे बदलने की राज्यपाल की माँग को सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने हस्तक्षेप के रूप में देखा। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने राज्यपाल आर. एन. रवि के इस कदम को 'बचकाना' कहा जिसके बाद राजभवन ने स्टालिन की टिप्पणी को 'अहंकारी' और 'संविधान के प्रति असम्मानजनक' करार दिया। राज्यपाल आर. एन. रवि ने मुख्यमंत्री स्टालिन पर बरसते हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह कहा है कि लोग देश और संविधान का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि 'स्टालिन ऐसे नेता हैं जो भारत को एक राष्ट्र नहीं मानते और उसके संविधान का सम्मान नहीं करते हैं।' तमिलनाडु के राज्यपाल ने यह बात कही है कि 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत सर्वोच्च माता है, और संविधान उसके बच्चों के लिए सर्वोच्च आस्था है।'इधर मुख्यमंत्री स्टालिन ने राज्यपाल पर यह आरोप लगाया है कि 'वो यह ₹पचा₹ नहीं पा रहे हैं कि राज्य का विकास तेजी से हो रहा है।' यह भी उल्लेखनीय है कि सीएम एमके स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि 'राज्यपाल ने विधानसभा की परंपरा का उल्लंघन करने की परंपरा बना ली है। संविधान के अनुसार राज्य के राज्यपाल साल की शुरुआत में सरकार का अभिभाषण पढ़ते हैं, जो कि एक विधायी परंपरा का हिस्सा रहा है। उन्होंने इसका उल्लंघन करना एक परंपरा बना ली है।'वास्तव में, दोनों नेताओं के बीच यह कोई पहला विवाद नहीं है। बता दें कि राज्यपाल एन. रवि और सीएम स्टालिन के बीच वर्ष 2021 के बाद से ही खराब रिश्ते रहे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो तमिलनाडु सरकार और राज्यपाल के बीच ऐसी खींचतान कई सालों से चलती आई है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2024 में, 'द्रविड़' शब्द को लेकर भी बवाल उठा था। तब द्रमुक ने आरोप लगाया था कि राज्यपाल द्रविड़ीय पहचान को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं।कहना ग़लत नहीं होगा कि राज्यपाल और राज्य सरकार के बीच बार-बार होने वाले ऐसे विवाद भारत के संघीय ढाँचे में राज्यपाल की भूमिका पर महत्वपूर्ण सवाल उठाते हैं। यह ठीक है कि राज्यपाल का पद संवैधानिक रूप से बहुत ही महत्वपूर्ण होता है लेकिन किसी भी राज्य के राज्यपाल को राजनीतिक रूप से तटस्थ और सहयोगी होना चाहिए। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसकी अनुपस्थिति में राज्य के संवैधानिक तंत्र का सुचारु संचालन संभव नहीं हो सकता । सच तो यह है कि राजनीतिक विवादों से जहां एक ओर देश की गरिमा को ठेस पहुंचती है वहीं दूसरी ओर इससे शासन भी कहीं न कहीं बाधित होता है। ऐसा होने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में आमजन के विश्वास का भी खतरा कहीं न कहीं अवश्य ही पैदा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री को भी यह चाहिए कि वह राज्यपाल का पूरा मान-सम्मान करे और संवैधानिक मर्यादाओं से परे हटकर कुछ भी नहीं करे। दोनों नेताओं के बीच आपसी आरोप-प्रत्यारोप का यह दौर थमना चाहिए क्योंकि ऐसे बयानों से देश की गरिमा के साथ ही साथ राजनेताओं की गरिमा पर भी व्यापक असर पड़ता है।राष्ट्रगान और राज्यगान के क्रम का भी अपना-अपना प्रतीकात्मक(सिंबोलिक) महत्व भी है।वहीं दूसरी ओर राज्य की स्वायत्तता और सांस्कृतिक गर्व का भी अपना महत्व है। राजनीति में मर्यादा, संयम बहुत ही जरुरी और आवश्यक है और दोनों ही पक्षों को यह चाहिए कि वे पूरे संयम और धैर्य से काम लें। राष्ट्रगान का इस्तेमाल किसी भी सूरत में राजनीति के लिए नहीं किया जाना चाहिए। सच तो यह है कि औपचारिक भूमिकाओं का किसी भी हाल और परिस्थितियों में राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों का न केवल देश के आम आदमी और राजनेताओं द्वारा पालन किया जाना चाहिए बल्कि हर किसी को इन प्रावधानों का अक्षरशः पालन करना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हमारे देश का संविधान मूल सिद्धान्तों का एक समुच्चय है, जिससे कोई राज्य या अन्य संगठन अभिशासित होते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि संविधान लिखित रूप में वह विधि है जो किसी राष्ट्र के शासन का आधार है; उसके चरित्र, संगठन, को निर्धारित करती है तथा उसके प्रयोग विधि को बताती है, तथा यह राष्ट्र की परम विधि है।अब जरूरत इस बात की है कि आपसी मतभेदों को संवाद, सौहार्द, आपसी मेलजोल की भावना से खत्म किया जाए। राजनीतिज्ञों को यह चाहिए कि वे आपसी सम्मान के दरवाजे हमेशा खुले रखें। इतना ही नहीं,केंद्र सरकार की भी यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वह यह सुनिश्चित करे कि राज्यपालों की नियुक्तियाँ राज्य की राजनीति में किसी भी सूरत में कभी भी आपसी टकराव, आरोप प्रत्यारोप आदि का स्त्रोत न बनें। तमिलनाडु में ही नहीं इधर महाराष्ट्र के संभाजीनगर में धर्मगुरु रामगिरि ने भी एक बार फिर विवादित बयान दिया है।

पल पल की बढ़त

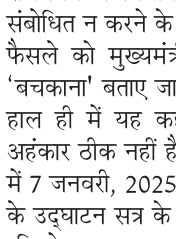

डॉ टी महादेव राव

₹सुनो जी। आज कुछ पैसे आपको अपनी जेब से ढीले करने पड़ेंगे। चीजों के दाम इस कदर बढ़ रहे हैं कि क्या कहें। सुबह का दाम शाम तक बढ़ जाता है। लगता है पल पल प्राइस बढ़ाने की प्रतियोगिता चल रही है। पैसे निकालिए।

₹तुम तो अपनी वित्त मंत्री की तरह कान पकड़कर मध्य वर्गीय जनता से आयकर, जीएसटी, सेल्स टैक्स, व्हीकल टैक्स, हेल्थ टैक्स, एजुकेशन टैक्स वगैरह वसूलने जैसी हरकतें कर रही हो। इसके बावजूद ट्रेनों में, स्कूलों में, सड़कों में और अस्पतालों में सुविधाएं नदारद। लेकिन तुमसे पैसे लेकर राशन मंगाती हूं और तुम्हें तीनों जून अच्छा खाना खिलाती हूं कि नहीं?

तुम ठीक कहती हो। लेकिन यहां वॉलेट लगातार खाली हुआ जा रहा है। मुझे कोई उधार भी नहीं देता जिस तरह सरकार को ऋण मिलता है।

₹सरकार को जब ऋण भी मिलता है, करों के द्वारा अच्छा खासा मिल जाता है तो बार बार महंगाई बढ़ाने के पीछे क्या कारण हैं?

₹तुम्हें तो पता होना चाहिए एम ए इकोनॉमिक्स की गोल्ड मेडलिस्ट जो हो।₹मुफ़्त बांटे जा रहे राशन, मकान और दवाइयां कारण हैं। प्रशासनिक कार्यों और शासन व्यवस्था में हो रहे ऊलजलूल खर्च का बढ़ना भी एक वजह है। सबसे ज्यादा नेताओं, मंत्रियों पर होता व्यय भी इसमें जुड़ता है। इन सारे खर्चों को कम करें तो महंगाई नियंत्रित हो सकती है।लेकिन अपने अपने खर्चे, वोटों के लिए रेवड़ियों की लागत कौन कम करेगा? फ़ुकट का चंदन घिस मेरे नंदन वाला किस्सा है। जनता को हम धर्म, मजहब और प्रांतीयता की घुट्टी पिला रहे हैं और अपने अहम को, अपने अस्तित्व को जिला रहे हैं। आप पुस्तकीय ज्ञान मत बांटो श्रीमती जी! वे पुस्तकों में ही अच्छी हैं, वहीं रहने दो। ऐसा ही हाल रहा तो देखते रहना हम लोग भी गरीबी रेखा से नीचे आ जाएंगे और मुफ्त राशन पाएंगे।

आप कहते हो विकसित भारत है तो बताएं एक सौ चालीस करोड़ लोगों में अस्सी करोड़ गरीब हैं और वे मुफ्त का राशन पाते हैं तो यह विकास और विकसित स्थिति कहां है?

तुम अखबार के फ्रंट पेज पर देखा करो। आज तक किसी भी देश के मुखिया को इतना छपते, इतना बोलते और इतना प्रचार लिए देखा है। यही विकास है और सारा विकसित भारत है। अब इस उम्र में आप फिर कही जॉब ढूंढों यह भी संभव नहीं। पेंशन बढ़ाने पर वादे करके बड़े लोग सो गए हैं उस फाइल पर। मुझे लगता है मध्य वर्ग की जनता से यह किस जन्म के पाप का बदला लिया जा रहा है?

₹गरीब गुरबा खुश हैं और उधर बड़े बड़े धनी उद्योगपति भी प्रसन्न हैं क्योंकि उन दो वर्गों के आधार पर ही चुनाव में जीता जा सकता है क्योंकि वे वोट और धन के जरिए जो हैं। बचा त्रिशंकु स्वर्ग में लटका मिडिल क्लास महंगाई से पिसता हुआ प्राणी।

विश्व को आतंकवाद से खतरा

डॉ. नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

सृष्टि को करोड़ों साल लग गए इंसान को अपने इस मौजूदा स्वरूप में आते हुए। मनुष्य का विकास क्रम इस धरती पर करोड़ों साल से अनवरत जारी है और ये आगे भी चलता रहेगा लेकिन दुर्भाग्यवश इंसान ने अपना स्वरूप तो धारण जरूर कर लिया है लेकिन उसके अंदर का जानवर अभी तक उसके अंदर जिंदा है बल्कि यूँ कह लें कि इंसान अपने मौजूदा स्वरूप में जानवरों से ज़्यादा हिंसक है। दरअसल हिंसक प्रवृत्ति ही इंसान को जानवरों से अलग करती है लेकिन ये अभी तक नही हो पाया है। आज हम सभ्यता के इक्कीसवीं सदी में आ गए हैं परंतु सच्चाई ये है कि हम अभी तक सभ्य नहीं हो पाए हैं। पूरे विश्व में अराजकता का माहौल है। कहीं रूस और यूक्रेन में युद्ध छिड़ा हुआ है तो कहीं इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है। कभी भी एटमी युद्ध का आगाज़ कायम हो सकता है।

इसके पूर्व भी ये विश्व दो विश्वयुद्ध देख चुका है। मौजूदा हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होता जा रहा है। वेवजह निर्दोष इंसानों का खून बहाया जा रहा है और मौजूदा परिस्थितियों में इसपर लगाम लगाना लगभग नामुमकिन है। जब से इंसान आखेट छोड़कर कृषि पर आधारित हो गया, तबसे मनुष्य के लिए धरती का महत्व बढ़ गया। मनुष्य ज्यादा से ज़्यादा धरती पर अपना हिस्सा चाहने लगा। कृषि के लिए जो बल चाहिये था, वह पुरुषों के पास उपलब्ध था और इसलिए समाज पुरूष प्रधान हो गया। समाज सीधे तौर पर मातृसत्तात्मक समाज से पितृसत्तात्मक समाज में बदल गया। उसके बाद राज्य की परिकल्पना होने लगी और राज्य की सीमाएं निर्धारित होने लगी। इन सीमाओं के निर्धारण के लिए युद्ध लड़ा जाने लगा और ये युद्ध आज भी जारी है. दूसरी ओर धर्म भी युद्ध का कारण बनने लगा। । आतंकवाद की शुरुआत यहीं से हुई है। दुनिया भर में जहाँ भी आतंकवाद है उसके मूल में कट्टर सोच ही है और इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता है।

आज पूरे विश्व को आतंकवाद से खतरा है लेकिन इसके अलावा भी रूस, चीन और उत्तरी कोरिया जैसे देश भी अपनी महत्वाकांक्षा के कारण विश्व के लिए खतरा बने हुए हैं। ईरान भी हमास और हिजबुल्लाह को अपना समर्थन देकर उस क्षेत्र में अशांति का कारण बना हुआ है। इजरायल को अपनी अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। आने वाले समय में इजरायल को ईरान से सीधे तौर पर युद्ध लड़ना पड़ सकता है क्योंकि ईरान को परमाणु सम्पन्न राष्ट्र बनने से रोकना ही पड़ेगा वरना इजरायल का खुद का वजूद खतरे में पड़ जायेगा।

अभी सबसे अधिक खतरा हूती विद्रोहियों से है।अमेरिका और इजरायल का प्रमुख लक्ष्य इन हूती विद्रोहियों को जड़ से समाप्त करने का होना चाहिए। इस तरह हम देखते हैं कि कैसे इंसान एक दूसरे का खून पीने पर आमादा है।ये बातें सिर्फ आज की नही है बल्कि महाभारत काल में पांडव सिर्फ पाँच गाँव के लिए राजी थे पर दुर्योधन को वो भी नही मंजूर था परिणाम में महाभारत का युद्ध हुआ जिसमें कौरवों का समूल नाश हो गया।कितना जनसंहार हुआ इसका अंदाजा लगाना मुश्किल था।रामायण काल में सिर्फ एक सीता के लिए युद्ध हुआ जिसमें रावण की लंका समाप्त हो गई। कितना खून खराबा हुआ होगा, इसका अनुमान लगाना सम्भव नहीं है।

कुल मिलाकर हरेक युग में इंसान इंसान का खून पीता रहा है। इंसान की फ़ितरत कभी नहीं बदली है। आज हम छोटी छोटी बातों पर एक दूसरे का खून बहाने पर आमादा रहते हैं। आज विश्व भर में कहीं ना कहीं किसी ना किसी की हत्या होते रहती है।युद्ध के अलावा इंसान एक दूसरे के खून का प्यासा बना रहता है। हम हिंसा क्यूँ करते हैं इसका पता हमें खुद पता नहीं होता है लेकिन हम करते जरूर हैं। सभ्य समाज में हिंसा की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए थी लेकिन वास्तव में सच्चाई बिल्कुल इसके विपरीत है। हमें छोटी छोटी बात पर क्रोध आ ही जाता है। इसके अलावा धार्मिक उन्माद भी हिंसा का महत्वपूर्ण कारक रहता है। इंसान जिस धर्म को मानता है उसे ही सभी पर थोपना चाहता है । उसकी यही मंशा रहती है कि जिस धर्म को वह मानता है बाकी भी उसे माने।

संपत्ति और महिला भी लोगों में विवाद के अहम कारण होते हैं और इसके लिए मनुष्य जानवरों से ज्यादा हिंसक हो जाता है। दरअसल मनुष्य के लिये जर, जोरू और जमीन ही हिंसा के लिए महत्वपूर्ण कारण रहता है और इसी के इर्द गिर्द सारे संसार की गतिविधियां चलती रहती है। अगर हमें अपनी सभ्यता का परिचय देना है तो सर्वप्रथम हमें हिंसा को त्यागना होगा। बगैर हिंसा छोड़े हम सभ्यता की नींव नहीं रख सकते हैं। हमें अपनी इच्छाओं पर दमन करना सीखना होगा। अधिक महत्वाकांक्षा ही सारी बुराइयों की जड़ होती है. हरेक चीज हमें ज्यादा से ज्यादा मिल जाये, इसके चलते ही हम अपनी इच्छाओं पर लगाम नही लगा पाते हैं। ले देकर उसकी भी एक सीमा है। हम अपने जीवन में निश्चित मात्रा में ही सभी चीजों का उपभोग कर सकते हैं।

खानपान से लेकर सेक्स तक हम आवश्यकता से ज्यादा उपभोग नहीं कर सकते हैं। मनुष्य की आयु भी निश्चित है।

कल सकट चौथ ?

सनातन धर्म के लोगों के लिए सकट चौथ के व्रत का खास महत्व है। वैदिक पंचांग की गणना के अनुसार, हर साल माघ महीने में आने वाली संकष्टी चतुर्थी को सकट चौथ का व्रत रखा जाता है। सकट चौथ के दिन गणेश जी की पूजा की जाती है। साथ ही उन्हें तिल के लड्डुओं का भोग लगाया जाता है। इस शुभ दिन माताएं संतान की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रहती हैं, जिसका उपवास रात में चंद्र देव की पूजा करके के बाद खोला जाता है।

वहीं जिन लोगों को किसी कारण संतान सुख नहीं मिल पाता है, उनके लिए भी ये व्रत रखना शुभ माना जाता है। देश के कई राज्यों में इस व्रत को संकष्टी चतुर्थी, तिलकुट चौथ और माघी चतुर्थी आदि के नामों से भी जाना जाता है। चलिए जानते हैं साल 2025 में कब सकट चौथ का व्रत रखा जाएगा। साथ ही आपको गणेश जी की पूजा विधि के बारे में पता चलेगा।

2025 में कब है सकट चौथ ?

वैदिक पंचांग की गणना के अनुसार, इस बार चतुर्थी तिथि का आरंभ 17 जनवरी 2025 को प्रातः काल 04 बजकर 06 मिनट से हो रहा है, जिसका समापन 18 जनवरी 2025 को सुबह 5 बजकर 30 मिनट पर होगा। ऐसे में उदयातिथि के आधार पर 17 जनवरी 2025 को सकट चौथ का व्रत रखा जाएगा। इस दिन चंद्रोदय का सही समय देर रात 09 बजकर 09 मिनट है।

सकट चौथ की पूजा विधि

व्रत के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठें।

स्नान आदि कार्य करने के बाद लाल रंग के वस्त्र धारण करें।

घर के मंदिर में लकड़ी की एक चौकी रखें। उसके ऊपर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर गणेश जी की मूर्ति को स्थापित करें।

सकट चौथ के व्रत का संकल्प लें।

गणेश जी को कुमकुम, फूल, फल और मिठाइयां अर्पित करें।

गणेश जी को तिलकुट का भोग लगाएं।

घी का दीपक जलाएं। इस दौरान गणेश चालीसा का पाठ करें।

अंत में गणेश जी की आरती करें और शंख बजाएं।

2025 में इन 3 राशियों को मिलेगी सफलता

हर एक धर्म का अपना कैलेंडर है। चीनी परंपरा के अनुसार, उनका कैलेंडर जनवरी और फरवरी के बीच दिखने वाले नए चंद्रमा पर आधारित होता है। इस बार चीन का नया साल 29 जनवरी से शुरू होगा, जो कि वुड स्नेक का वर्ष है। हिंदू पंचांग में जहां 12 राशियों पर राशिफल आधारित है। वहीं चीन में राशिफल 12 राशियों की जगह जानवरों के नाम से देखा जाता है। चीन में प्रत्येक राशि को बैल, बाघ, बंदर, सुअर, चूहा, बकरी, घोड़ा, कुत्ता, मुर्गा, सांप, ड्रैगन और खरगोश 12 जानवरों के नाम से जाना जाता है।

हर एक धर्म का अपना कैलेंडर है। चीनी परंपरा के अनुसार, उनका कैलेंडर जनवरी और फरवरी के बीच दिखने वाले नए चंद्रमा पर आधारित होता है। इस बार चीन का नया साल 29 जनवरी से शुरू होगा, जो कि वुड स्नेक का वर्ष है। हिंदू पंचांग में जहां 12 राशियों पर राशिफल आधारित है। वहीं चीन में राशिफल 12 राशियों की जगह जानवरों के नाम से देखा जाता है। चीन में प्रत्येक राशि को बैल, बाघ, बंदर, सुअर, चूहा, बकरी, घोड़ा, कुत्ता, मुर्गा, सांप, ड्रैगन और खरगोश 12 जानवरों के नाम से जाना जाता है।

चूहा

1924, 1936, 1948, 1960, 1972, 1984, 1996 या 2008 वर्ष में जन्मे लोगों की राशि का नाम चूहा है। इस राशि के लोग अपनी तेज बुद्धि के लिए जाने जाते हैं। ये लोग आसानी से अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं। ये लोग कुशल व रचनात्मक होते हैं, जो इमानदारी से अपना हर रिश्ता निभाते हैं। इन लोगों के लिए संगीत, शिक्षा या इवेंट प्लानिंग के क्षेत्र में करियर बनाना अच्छा रहता है। ये वर्ष इनके लिए खास रहने वाला है। यदि ये सोच-समझकर फैसले लेंगे, तो इन्हें आसानी से जीवन में सफलता मिल सकती है।

बैल

जिन लोगों का जन्म 1925, 1937, 1949, 1961, 1973, 1985, 1997 या 2009 साल में हुआ है, उनके लिए साल 2025 लकी है। चीनी राशिफल के अनुसार, इन वर्षों में जन्मे लोग मेहनती होते हैं, जो जोखिम लेने या भाग्य पर निर्भर रहने के जगह प्रयास और तार्किक योजना के माध्यम से लक्ष्यों को प्राप्त करने में विश्वास रखते हैं। इन लोगों के लिए कानून, चिकित्सा या प्रबंधन के क्षेत्र में करियर बनाना अच्छा रहता है।

ड्रैगन

जिन लोगों का जन्म 1928, 1940, 1952, 1964, 1976, 1988, 2000 या 2012 वर्ष में हुआ है, उनके लिए साल 2025 बेहद खास रहने वाला है। चीनी राशिफल के अनुसार, जिन लोगों का जन्म इन वर्ष में हुआ है, वो महत्वाकांक्षी होते हैं। ऐसे लोग ज्यादातर नेता बनना पसंद करते हैं। इनकी नेतृत्व करने की क्षमता उन्हें दूसरों से अलग करती है। ये लोग डटकर हर चुनौती का सामना करते हैं। कहा जा रहा है कि ड्रैगन वर्ष में जन्मे लोगों के लिए साल 2025 अच्छा रहने वाला है।

इस तारीख में जन्मी लड़कियां बदल देती हैं पति की किस्मत

ससुराल के लिए भी कहलाती हैं भाग्यशाली!

अंक ज्योतिष शास्त्र में जन्मतिथि की गणना के अनुसार मूलांक निकाला जाता है। मूलांक के जरिए व्यक्ति के भविष्य के बारे में बताया जाता है। जैसे ज्योतिष शास्त्र में 12 राशियों के बारे में राशि और ग्रहों की स्थिति के अनुसार जानकारी दी जाती है। व्यक्ति के स्वभाव, गुण और व्यक्तित्व के बारे में मूलांक के जरिए जाना जा सकता है। अंक ज्योतिष शास्त्र में कुछ तारीख में जन्मी लड़कियों को भाग्यशाली बताया गया है जो अपने पति और ससुराल के लिए लकी होती हैं।

शादी के बाद अपने पति और ससुराल के लोगों की किस्मत चमकाने के लिए जानी जाती है। घर में मां लक्ष्मी का रूप कहलाती हैं और सुख-शांति का वास इनके कदम रखने से हो सकता है। आइए जानते हैं किस जन्मतिथि की लड़कियां अपने पति की किस्मत बदल सकती हैं?

2 मूलांक वाली लड़कियां हैं पति और ससुराल के लिए लकी!

अंक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 2, 11, 20 और 29 तारीख वालों का मूलांक 2 है। इस मूलांक की लड़कियां भाग्यशाली मानी जाती हैं। कहते हैं कि शादी के बाद अपने पति की किस्मत को चमका देती हैं। परिवार के लोगों के साथ एक अच्छा रिश्ता निभाती हैं। घर में सुख-शांति और धन वृद्धि की वजह बनती हैं। जीवनसाथी के लिए आदर्श पति का रूप मानी जाती हैं।

कैसी होती हैं 2 मूलांक वाली लड़कियां ?

अंक ज्योतिष शास्त्र की मानें तो 2 मूलांक वाली लड़कियां समझदार होती हैं और रिश्ते को बहुत समझदारी के साथ निभाना पसंद करती हैं। दिल की साफ और जीवनसाथी का कदम से कदम मिलाकर चलने वाली होती हैं। इन्हें एक अच्छी और बेहतरीन पत्नी के साथ-साथ बहू भी माना जाता है। भावुक होने के साथ-साथ दिमाग से तेज और दूर-दराज सोचने वाली होती हैं। इनके सुझाव लोगों के लिए लाभकारी साबित होते हैं।

सकट चौथ पर शुक्रदेव करेंगे नक्षत्र परिवर्तन 3 राशिवालों को होगा लाभ

शुक्र ग्रह को भौतिक सुख-सुविधा, धन दौलत के कारक ग्रह माने जाते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार शुक्र देव जिस प्रकार राशि परिवर्तन करते हैं उसी प्रकार नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। शुक्र देव के नक्षत्र परिवर्तन की अवधि हर 11 दिन में होती है। जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर पड़ता है।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार, इस बार शुक्र देवगुरु बृहस्पति के नक्षत्र, पूर्वाभाद्रपद में प्रवेश करने वाले हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित रमाकांत मिश्रा के अनुसार, शुक्र का पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश कुछ राशि के जातकों के लिए बहुत ही फायदेमंद रहने वाला है। जिससे इन राशि वालों को करियर-कारोबार में सफलता मिलने के साथ अपार धन लाभ होने के योग बनेंगे।

कब होगा शुक्र नक्षत्र परिवर्तन?

किन राशि वालों की खुल सकती है किस्मत ?

वृश्चिक राशि: शुक्र देव के पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में प्रवेश करने से जिस राशि के जातकों को सबसे ज्यादा फायदा होने वाला है वो वृश्चिक राशि होगी। वृश्चिक राशि के जातकों को इस दौरान हर क्षेत्र में सफलता मिल सकती है। इसके साथ ही उन्हें इस दौरान संपत्ति तथा वाहन खरीदने के योग बन सकते हैं। अगर आप लंबे समय से कोई नया कारोबार शुरु करने का प्रयास कर रहे थे तो अब इसका समय आ चुका है। जल्द ही आपकी इच्छा पूरी हो सकती है।

मकर राशि: मकर राशि के जातकों के लिए यह नक्षत्र परिवर्तन बहुत ही शुभ रहने वाला है। इस दौरान आपको इनकम में वृद्धि और धन के शुभ योग बन सकते हैं। पैतृक धन संपत्ति मिलने के योग बन रहे हैं। इसके साथ ही प्रतियोगी परिक्षा का तैयारी कर रहे छात्रों के लिए भी यह समय शुभ रहेगा।

कुंभ राशि: शुक्र के पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में आने से कुंभ राशि के जातकों को मान-सम्मान में वृद्धि सहित कई लाभ मिलने वाले हैं। इस दौरान पूजा-पाठ और धार्मिक कार्यों में भी आपको शामिल होने का अवसर मिलेगा। साथ ही नया बिजनेस या वाहन खरीदने का सोच रहे हैं तो लाभ मिल सकता है। इस दौरान आपकी लव-लाइफ बेहतर बन सकती है और वैवाहिक जीवन में खुशियां बढ़ सकती हैं।

ईशान कोण में एकसाथ रख दें ये 2 पौधे, तेजी से बढ़ने लगेगा पैसों का फ्लो !

वास्तुशास्त्र का हमारे जीवन में बहुत महत्व माना जाता है। माना जाता है कि वास्तु में दिशाओं का व वस्तुओं का महत्व होता है। घर में रखी कौन सी चीज कहां रखी होती है इसका प्रभाव हमारे जीवन पर बहुत अधिक पड़ता है। ऐसे में आपको बता दें कि घर में रखे पौधे भी आपके आसपास के वातावरण के लिए बहुत मायने रखते हैं। वास्तु के अनुसार, कुछ पौधे विशेष रुप से धन और समृद्धि का प्रतीक माने जाते हैं। जिनमें मनी प्लांट और तुलसी का पौधा बहुत प्रसिद्ध व प्रचलित है।

वास्तु के अनुसार, इसे सही दिशा में लगाना बहुत जरुरी होता है। वहीं माना जाता है कि अगर इन दोनों पौधों को सही दिशा में एक साथ रख दें तो उस घर में कभी कभी धन संकट नहीं होता है। तो आइए जानते हैं ज्योतिषाचार्य व वास्तु सलाहकार डॉ अरविंद पचौरी से कि मनी प्लांट और तुलसी का पौधा किस दिशा में एक साथ रखने से लाभ होता है।

उत्तर पूर्व दिशा में रखे पौधे

वास्तुशास्त्र के अनुसार, तुलसी और मनी प्लांट को घर की उत्तर पूर्व दिशा में रखें तो यह व्यक्ति की किस्मत पलट सकते हैं। माना जाता है कि अगर घर के ईशान कोण में यह दोनों पौधे रख दिये जाएं तो वहां धन संकट नहीं होता है और कभी धन की कमी नहीं रहती है। अतः इन दोनों पौधों को साथ में लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

तुलसी का है धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में तुलसी का धार्मिक महत्व बहुत खास होता है। ऐसे में वास्तु की मानें तो तुलसी का पौधा घर में ईशान कोण में रखने से धन की कमी नहीं होती है और प्रतिदिन पूजा-पाठ करने से घर में हमेशा बरकत रहती है और लक्ष्मी का वास बना रहता है। इसके साथ ही जिस घर में तुलसी का पवित्र पौधा होता है वहां हमेशा ही पवित्रता का वास रहता है।

मनी प्लांट का पौधा लाता है समृद्धता

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में मनी प्लांट का पौधा लगाने से आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलता है, साथ ही पैसों का फ्लो भी बना रहता है। बता दें कि अगर किसी व्यक्ति के सिर पर कर्ज चढ़ा हुआ हो तो उससे भी छुटकारा मिलता है। मान्यता है कि जिस घर में मनी प्लांट का पौधा लगाने से व्यक्ति की जेब पैसौं से भरी रहती है।

ऋषि भारद्वाज के वीर्य से भरे पात्र से हो गया था द्रोणाचार्य का जन्म

महाभारत में कई लोगों का जन्म बॉयोलॉजिकल तरीके से नहीं हुआ। इसमें कर्ण भी हैं और आचार्य द्रोणाचार्य भी। द्रोणाचार्य का जन्म वीर्य से भरे एक पात्र से हुआ था। कुछ लोग इस पात्र को दोना मानते हैं तो कुछ कलश तो कुछ कटोरी। वह प्रसिद्ध महर्षि भारद्वाज के अनियोजित पुत्र कहलाए। उन्होंने अपना वीर्य एक कलश में रखा, जिससे द्रोण की उत्पत्ति हुई। साइंस भी कहती है कि मानव स्पर्म को 40 सालों तक सुरक्षित रखकर उससे बच्चा पैदा किया जा सकता है।

प्राचीन भारत में महर्षि भारद्वाज की बहुत ख्याति थी। श्रीराम भी उनकी सलाह मानते थे। वह बृहस्पति के पुत्र और कुबेर के नाना थे। चरक संहिता के अनुसार, भारद्वाज ने इंद्र से आयुर्वेद और व्याकरण का ज्ञान पाया था। महाकाव्यों में भारद्वाज त्रिकालदर्शी, महान चिंतक तथा ज्ञानी के रूप में माने गए।

रामायण काल की भांति महाभारत काल में भी भारद्वाज पूरे प्रभाव के साथ उपस्थित रहे। महाभारत में इन्हें सप्तर्षियों में एक बताया गया। महाभारत के प्रमुख पात्र आचार्य द्रोण इन्हीं के अयोनिज पुत्र थे। अब हम बताते हैं वो कहानी जो महाभारत समेत पौराणिक ग्रंथों में भी है।

द्रोण से जन्म की दूसरी कहानी

वैसे द्रोण के जन्म का दूसरा मत ये भी है कि भारद्वाज जब अप्सरा घृताची पर आसक्त हो गए तो उन्होंने उनके साथ शारीरिक मिलन किया। उससे द्रोण का जन्म हुआ। द्रोण के नाम का अर्थ है बर्तन या बाल्टी या तरकश।

कौन थीं अप्सरा घृताची यानि द्रोण की मां

अब अप्सरा घृताची के बारे में भी जान लीजिए। घृताची प्रसिद्ध अपसरा थीं, जो कश्यप ऋषि तथा प्राधा की पुत्री थी। उनके जीवन में कई ख्यातिलब्ध पुरुष आए, जिनके मिलन से उन्होंने कई पुत्र-पुत्रियों को जन्म दिया।

महर्षि द्रोणाचार्य पौराणिक परंपरा के अनुसार घृताची से रुद्राश्व द्वारा 10 पुत्रों, कुशनाभ से 100 पुत्रियों, च्यवन पुत्र प्रमिति से कुरु नामक एक पुत्र तथा वेदव्यास से शुकदेव का जन्म हुआ। भरद्वाज से द्रोणाचार्य के जन्म का किस्सा तो ऊपर बता ही दिया गया है।

द्रोणाचार्य जबरदस्त धनुर्धर थे

द्रोणाचार्य संसार के श्रेष्ठ धनुर्धर थे। वह पिता भारद्वाज मुनि के आश्रम में ही रहते हुए चारों वेदों तथा अस्त्र-शस्त्रों के ज्ञान में पारंगत हो गए। द्रोण का जन्म उत्तरांचल की राजधानी देहरादून में बताया जाता है, जिसे हम देहराद्रोण (मिट्टी का सकोरा) भी कहते थे। वेद-वेदागों में पारंगत तथा तपस्या के धनी द्रोण का यश थोड़े ही समय में चारों ओर फैल गया।

द्रोणाचार्य का विवाह कृपाचार्य की बहन कृपि से हुआ, जिससे उन्हें अश्वत्थामा नामक पुत्र पैदा हुए, जिसके बारे में कहा जाता है कि वह आज भी जिंदा हैं। वह कौरव और पांडवों के गुरु थे। अर्जुन उनके प्रिय शिष्य थे।

युद्ध में कौरवों की ओर से लड़े

द्रोणाचार्य यद्यपि मन से पांडवों के साथ थे लेकिन हस्तिनापुर सिंहासन से बंधे होने के कारण उन्हें कौरवों की ओर से महाभारत के युद्ध में हिस्सा लेना पड़ा। युद्ध के 15वें दिन द्रोण और उनके बेटे अश्वत्थामा ने पांडव सेना पर कहर बरपा दिया। तब योजना बनाकर पांडवों द्वारा द्रोण को फंसाकर उनकी छल से हत्या कर दी जाती है।

दरअसल भीम अश्वत्थामा नामक हाथी को मारने के लिए आगे बढ़ते हैं। फिर दावा करते हैं कि उन्होंने अश्वत्थामा को मार दिया। जब द्रोण इसकी पुष्टि युधिष्ठिर से करना चाहते हैं तो युधिष्ठिर ने जवाब देते हैं, "अश्वत्थामा मर चुका है, हाथी।" उनके हाथी बोलते ही इतना हल्ला किया जाता है कि द्रोण इस आखिरी शब्द को नहीं सुन सकें।

तब निराश द्रोण अपने रथ से उतरकर हथियार नीचे रखकर बैठ जाते हैं। पांडव इस अवसर का उपयोग उन्हें गिरफ्तार करने के लिए करना चाहते थे, लेकिन पिता और कई पांचाल योद्धाओं की मृत्यु से क्रोधित धृष्टद्युम्न ने इस अवसर का लाभ उठाया। युद्ध के नियमों का घोर उल्लंघन करते हुए उनका सिर काट दिया।

गुड़गांव से क्या नाता

ऐसा माना जाता है कि गुड़गांव शहर (शाब्दिक रूप से ' गुरु का गांव ') की स्थापना द्रोणाचार्य ने राजकुमारों को युद्ध कलाओं की शिक्षा देने के लिए की थी। इसे शुरुआत उन्होंने गुरु ग्राम के रूप में की थी। गुड़गांव शहर के भीतर अब भी गुड़गांव नामक एक गांव मौजूद है। 12 अप्रैल 2016 को गुड़गांव का नाम बदलकर गुरुग्राम करने का फैसला किया गया।

कितने सालों तक सुरक्षित रखा जा सकता है स्पर्म

नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन की साइट पर तमाम रिसर्च को जगह मिलती है। इसके अनुसार 20 सालों से कहीं ज्यादा समय मानव स्पर्म को सुरक्षित रखा जाता है। इन संग्रहीत स्पर्म से बच्चे पैदा होने की रिपोर्ट है। ये प्रयोग जानवर से लेकर मानव तक पर हुए हैं।

जनवरी और दिसंबर 1971 के बीच, 52 से 53 वर्ष की आयु के एक व्यक्ति ने अपने स्पर्म को लंबे समय तक संग्रहीत करने के लिए फ्रीज करने का अनुरोध किया। इसे जब एक महिला को उपलब्ध कराया गया तो उससे उसने दो स्वस्थ लड़कियों को जन्म दिया। एक रिपोर्ट ये भी कहती है कि करीब 40 वर्षों (39 वर्ष, 10 महीने और 40 वर्ष, 9 महीने के बीच) तक मानव स्पर्म को अगर संग्रहीत रखा जाए तो आईसीएसआई-आईवीएफ के माध्यम से इसमें बच्चे को जन्म देने की क्षमता रहती है।

गेम चेंजर के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन से नाखुश हैं शंकर, बोले- फिल्म के नतीजे ने निराश किया

निर्देशक शंकर की फिल्म गेम चेंजर 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद से ही फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर प्रशंसक अपनी नजरें बनाए हुए हैं। वहीं अब गेम चेंजर के निर्देशक शंकर ने फिल्म रिलीज के बाद इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर अपने विचार व्यक्त किए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान एस शंकर ने गेम चेंजर के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को लेकर अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि समय की कमी के वजह से उन्हें कई प्रभावशाली सींस को काटना पड़ा। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि मूल फुटेज पांच घंटे से अधिक समय तक चली, लेकिन फिल्म को फिर से सही करने के लिए महत्वपूर्ण हिस्सों को काट दिया गया।

इस फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं, जबकि अंजलि, एसजे सूर्या और श्रीकांत ने भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। दिल राजू द्वारा निर्मित और थमन द्वारा संगीतबद्ध फिल्म की संक्रांति बॉक्स ऑफिस रिलीज अभी भी लगातार जारी है। गेम चेंजर को तेलुगु, हिंदी, कन्नड़, मलयालम और तमिल भाषा में रिलीज किया जा चुका है। यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन एस. शंकर ने किया है और इसका निर्माण श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस ने किया है।

गेम चेंजर का नाम शुरू में आरसी15 रखा गया था क्योंकि यह चरण की 15वीं फिल्म थी। बाद में इसका नाम गेम चेंजर रखा गया। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2021 में शुरू हुई और जुलाई 2024 में खत्म हुई। फिल्म की शूटिंग भारत के कई शहरों के अलावा न्यूजीलैंड में भी हुई। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है और इसे तिरु ने फिल्माया है।

फिल्म की कहानी राम नंदन (राम चरण) की है, जो एक ईमानदार सरकारी अफसर हैं और दुनिया से भ्रष्टाचार मिटाना चाहते हैं। वो चुनावों को निष्पक्ष बनाने की कोशिश करते हैं ताकि बुरे नेता जीत ना सकें। इसी दौरान उन्हें पता चलता है कि उनके पिता अप्पन्ना भी अपने गांव से पानी चुराने वाले ताकतवर लोगों के खिलाफ लड़ रहे थे। यह कहानी है कि कैसे राम नंदन अपने पिता की लड़ाई को आगे बढ़ाता है और अपने गांव को बचाते हैं।

ये अभिनेत्रियां बन सकती हैं आजाद स्टार राशा थडानी की मेंटर, बोलीं- उनसे बहुत कुछ सीख सकती हूँ

रवीना टंडन और अनिल थडानी की बेटी राशा थडानी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म आजाद को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। राशा, अभिषेक कपूर निर्देशित आजाद से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। वहीं इसी बीच राशा ने एक इंटरव्यू में कहा कि उन्हें बॉलीवुड की कुछ अभिनेत्रियों से सीख लेने की जरूरत हैं।

राशा के अलावा फिल्म में अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन भी नजर आएंगे। यह अमन की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। आजाद में अजय देवगन, डायना पेंटी और मोहित मलिक भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। आजाद टीम लगातार फिल्म का प्रमोशन कर रही है। वहीं एक इंटरव्यू के दौरान राशा ने जान्हवी कपूर, सुहाना खान और खुशी कपूर के साथ अपनी तुलना पर प्रतिक्रिया दी।

निर्माताओं द्वारा आजाद के ट्रेलर और गाने रिलीज किए जाने के बाद, नेटिजेंस राशा की परफॉर्मेंस से काफी खुश हैं। आजाद में उनका गाना उई अम्मा सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर

रहा है और प्रशंसकों को उनके डांस मूव्स पसंद आ रहे हैं। उनमें से कुछ प्रशंसकों को लगता है कि राशा- जान्हवी कपूर, सुहाना खान और खुशी कपूर से बेहतर हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, राशा ने एक प्रशंसक की प्रतिक्रिया पर अपनी राय व्यक्त की, जिसमें लिखा था, जान्हवी, खुशी और सुहाना को टक्कर देने आई रवीना टंडन की बेटी राशा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राशा ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, मुझे लगता है कि वे सभी मुझसे ज्यादा अनुभवी हैं। उन्होंने मुझसे ज्यादा काम किया है। उनकी कई फिल्में रिलीज भी हो चुकी है। इसलिए, मुझे लगता है कि मैं उनसे कुछ सीख सकती हूं। उनके पास ज्यादा अनुभव है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।

जान्हवी ने करण जौहर की फिल्म धड़क में ईशान खट्टर के साथ डेब्यू किया था, जबकि सुहाना और खुशी ने जोया अख्तर की द आर्चीज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

वहीं, सुहाना अपने पिता शाहरुख खान के साथ किंग की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म आजाद 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

रद्द होगा ऑस्कर 2025? 96 साल में पहली बार कैंसिल होगी अवॉर्ड सेरेमनी, लॉस एंजिल्स की आग बनी वजह

लॉस एंजेलिस में लगी आग के बीच 2025 के एकेडमी अवॉड्र्स को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। द सन की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि आग के कारण 97वें एकेडमी अवॉड्र्स को रद्द किए जाने की कगार पर रखा गया है। हालांकि, अगर ऐसा होता है कि यह 96 साल में पहली बार होगा जब, ऑस्कर अवॉड्र्स को रद्द किया जाएगा। लॉस एंजिल्स की धधकती आग रुकने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में खतरा बना हुआ है।

हॉलीवुड सितारे ने साझा किया दुख

दक्षिणी कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स में लगी भयंकर आग विकराल रूप ले चुकी है। हजारों लोगों को रिहायशी इलाकों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर ले जा गया है। लॉस एंजिल्स में लगी आग में कई मशहूर हस्तियों के घर जले हैं। बॉलीवुड सितारे भी सोशल मीडिया पर अपना दुखा जाहिर कर रहे हैं और वहां की स्थिति के बारे में अपडेट अपने फैंस के साथ साझा कर रहे हैं।

ऑस्कर अवॉड्र्स होगा रद्द

जंगल में लगी आग ने हॉलीवुड के पुरस्कार समारोह को बाधित कर दिया है, जिससे क्रिटिक्स चॉइस अवाड्र्स और प्रोड्यूसर्स गिल्ड अवाड्र्स नॉमिनेशन जैसे कार्यक्रम काफी प्रभावित हुए हैं। यही नहीं, डचेस ऑफ ससेक्स की नेटफ्लिक्स सीरीज लव, मेघन की रिलीज को भी स्थगित कर दिया गया है। यह सीरीज अब 15 जनवरी के बजाय 4 मार्च को प्रीमियर होगी।

यह है पीछे का कारण

खबरों की मानें को एक सोर्स ने बताया है, इस समय सभी लोगों की चिंता यह नहीं है कि ऑस्कर अवॉड्र्स तय समय पर हो, बल्कि लोगों का मानना है कि लॉस एंजिल्स के लोग एक भारी नुकसान से होकर गुजर रहे हैं। आग अगर बुझ भी जाती है तो भी यह शहर महीनों तक उसी दर्द में जूझता रहेगा। इसलिए यह फैसला किया गया है कि सही समय आने पर समारोह के लिए फंड्स रेज करने होंगे और इसे शानदार तरीके से आयोजित किया जाएगा।

साहिल खान ने 26 साल छोटी पत्नी का कराया धर्म परिवर्तन, अपनाया इस्लाम, लोग बोले- क्या जरूरत थी?

अभिनेता साहिल खान ने हाल ही में घोषणा की कि उनकी पत्नी मिलेना ने इस्लाम धर्म अपना लिया है। 2024 में, उन्होंने अपनी दूसरी पत्नी मिलेना से शादी की, जो यूरोप के बेलारूस की रहने वाली हैं। अभिनेता के इस फैसले से सोशल मीडिया पर उन्हें बुरी तरह से ट्रोल किया जा रहा है। लोग उन्हें खूब खरी-खोटी सुना रहे हैं।

साहिल खान ने दूसरी पत्नी का कराया धर्म परिवर्तन

कुछ दिनों पहले, अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह खबर साझा की थी, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा था, यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि मेरी पत्नी मिलेना एलेक्जेंड्रा ने इस्लाम अपनाने का फैसला किया है। इस खूबसूरत यात्रा के लिए अल्हम्दुलिल्लाह! अल्लाह हमें माफ करें और हमारी प्रार्थना स्वीकार करें।

घोषणा कर बुरे फंसे साहिल खान

हालांकि, साहिल को शादी के बाद अपनी पत्नी से इस्लाम धर्म अपनाने के लिए कहने पर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, अपने अनाउंसमेंट पोस्ट में, अभिनेता को क्रॉस पेंडेंट वाली चेन पहने हुए देखा गया, जो नेटीजंस को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। लोगों ने अभिनेता के इस फैसले को मीडिया पब्लिसिटी करार दिया।

यूजर्स का मिला यह रिएक्शन

इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा, अगर वह आपसे इतना प्यार करती है तो उसके लिए इस्लाम धर्म अपनाना क्यों जरूरी है? अगर आप उनसे सच्चा प्यार करते हैं तो क्या आप ईसाई धर्म स्वीकार नहीं करेंगे?

यह कोई अपराध नहीं, लेकिन बस जानना चाहता हूं। दूसरे यूजर ने लिखा, बिना अध्ययन और शोध के इस्लाम अपनाने का क्या फायदा है? और केवल इस्लाम ही नहीं, अगर आप दोनों के बीच बहुत मजबूत रिश्ता है तो सिर्फ शादी के लिए किसी भी धर्म को अपनाने का क्या फायदा है? एक और यूजर ने लिखा, क्या शादी के बाद धर्म बदलना जरूरी है?

'जेलर 2' में 74 साल के रजनीकांत दमदार एक्शन करते नजर आएंगे

अभिनेता रजनीकांत फिल्म 'जेलर 2' से परदे पर छाने आ रहे हैं। इस फिल्म का अनाउंसमेंट टीजर जारी हो गया है। इसमें रजनीकांत एक्शन मुद्रा में दिख रहे हैं। 74 साल की उम्र में भी वे परदे पर दमदार एक्शन दिखाते नजर आएंगे।

मकर संक्रांति पर रजनी के फैंस को तोहफा

साल 2023 में रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' सिनमाघरों में रिलीज हुई थी। इसने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। अब मेकर्स 'जेलर 2' लेकर आ रहे हैं। पोंगल और मकर संक्रांति के असर पर निर्माताओं ने रजनीकांत के फैंस को तोहफा देते हुए 'जेलर 2' का टीजर जारी कर दिया है।

श्रद्धा कपूर की मां शिवांगी ने शक्ति से शादी करने के लिए किया था त्याग

श्रद्धा कपूर के पिता और बॉलीवुड अभिनेता शक्ति कपूर और शिवांगी कोल्हापुरी की शादी को करीब 40 साल से ज्यादा हो चुके हैं। दोनों ने जनवरी 1982 में शादी की थी और उनके दो बच्चे हैं- श्रद्धा कपूर और सिद्धांत कपूर। लेकिन क्या आपको पता है कि श्रद्धा की मां शिवांगी को शक्ति से शादी करने के लिए बहुत बड़ा त्याग करना पड़ा था।

एक इंटरव्यू के दौरान कथित तौर पर शक्ति कपूर ने खुलासा किया कि कैसे उन्होंने शादी करने का फैसला करने से पहले शिवांगी से अपने अभिनय और गायन करियर को छोड़ने की विनती की थी। वह चाहते थे कि शिवांगी एक हाउस वाइफ बने और अपना करियर छोड़ने के लिए वह हमेशा उनके आभारी रहेंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शक्ति कपूर ने कहा, मैं उससे मिला। वह एक बाल कलाकार थी और मैं फिल्म में एक बड़े किरदार को निभा रहा था। वह मुझसे 12 साल छोटी है। हम मिले, प्यार हो गया और मैंने खुद से सोचा, मुझे ऐसी घरेलू और खूबसूरत लड़की कहां मिलेगी।"

कथित तौर पर आगे शक्ति ने कहा , मैं उसके पास गया और उससे विनती की। मैंने

माफr मांगी और उससे कहा कि मैं उससे शादी करना चाहता हूं।

मैंने यह भी कहा कि मैं चाहता हूं कि वह एक गृहिणी बने। हमने कोर्ट मैरिज की। उसके बाद, सभी ने हमारी शादी को स्वीकार कर लिया। उसने मेरे लिए अपना गायन करियर और बाकी सब कुछ छोड़ दिया। आज भी, मैं इसके लिए शिवांगी का हाथ जोड़कर उसका शुक्रिया अदा करता हूं।"

शक्ति कपूर की पत्नी और श्रद्धा कपूर की मां शिवांगी कोल्हापुरी एक प्रसिद्ध मराठी परिवार से हैं। वह अभिनेत्री-गायिका पद्मिनी कोल्हापुरी की बहन हैं।

दिवंगत महान गायिका लता मंगेशकर भी उनकी रिश्तेदार थीं। वहीं, शक्ति कपूर एक पंजाबी परिवार से हैं। कथित तौर पर, उनके संबंधित परिवार उनके रिश्ते के पक्ष में नहीं थे और इसलिए, 1982 में दोनों ने भागकर शादी कोर्ट मैरिज की थी।

'तारक मेहता' के 'सोढ़ी' की मदद न करने पर मेकर्स पर भड़कीं जेनिफर

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के पूर्व सोढ़ी उर्फ गुरुचरण सिंह पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अभिनेता की हालत गंभीर है और उनकी दोस्त भक्ति सोनी ने कुछ दिन पहले खुलासा किया था कि गुरुचरण ने खाना खाना बंद कर दिया है, जिससे उनकी सेहत पर असर पड़ा है। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अभिनेता कुछ फाइनेंशियल दिक्कतों का भी सामना कर रहे थे और उन पर डेढ़ करोड़ रुपये का कर्ज है।

जेनिफर ने की थी मदद करने की कोशिश

अभिनेता के दोस्त ने यह भी बताया था कि संपत्ति विवाद का केस लड़ने में अपनी सारी बचत खर्च कर दी थी। अब, गुरुचरण की सह-कलाकार जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल ने अभिनेता और उनकी वित्तीय स्थिति के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में, जूम से बात करते हुए जेनिफर ने खुलासा किया कि उन्होंने शुरुआत में गुरुचरण की आर्थिक मदद करने की कोशिश की थी। उन्होंने गुरुचरण की मदद के लिए आगे नहीं आने के लिए तारक मेहता के कलाकारों की आलोचना की है।

जेनिफर ने की थी मदद करने की कोशिश

जेनिफर ने खुलासा किया कि अभिनेता पर 1.2 करोड़ रुपये का कर्ज था और कहा, "गुरुचरण सिंह ने एक बार मुझसे अपने क्रेडिट कार्ड के बकाया को चुकाने के लिए 1 लाख रुपये की मदद मांगी थी। मैं उन्हें देने के लिए तैयार हो गई, लेकिन बाद में उन्होंने मुझसे कहा कि उन्हें अभी इसकी जरूरत नहीं है।

वापस दिए अभिनेत्री के पैसे

उन्होंने मुझसे कहा, 'जब मुझे इसकी आवश्यकता होगी तो मैं तुम्हें बता दूंगा।' बाद में उन्होंने मुझे फोन नहीं किया। कुछ दिनों के बाद उन्होंने मुझसे 17 लाख रुपये मांगे। मुझे उस एक लाख रुपये का इस्तेमाल अपने निजी इस्तेमाल के लिए करना पड़ा। मैंने उनसे यह भी कहा था कि मेरे पास इतने पैसे नहीं है। मैं उनकी मदद नहीं कर सकती।"

तारक मेहता के कलाकारों को किया ट्रोल

तारक मेहता के बाकी कलाकारों की आलोचना करते हुए अभिनेत्री ने कहा, "वो लोग कोई नहीं हैं। मेरे केस में उन्होंने मेरे लिए स्टैंड नहीं लिया तो उनके लिए क्या लेंगे। जब मेरी बहन की मौत पिछले साल हुई थी, तब किसी ने मुझे कॉल भी नहीं किया था। वे कभी उसकी मदद नहीं करेंगे।

खान सितारे छोड़ रहे स्मोकिंग

अब शाहिद कपूर ने शुरू किया सिगरेट का प्रचार

शाहिद कपूर ने अपनी आने वाली फिल्म 'देवा' का बहुप्रतीक्षित टीजर रिलीज करके इंटरनेट पर तहलका मचा दिया। हाल ही में उन्होंने पहला गाना भसड़ मचा भी रिलीज किया और अपने पागलपन से अपने प्रशंसकों को चौंका दिया। अब वे देवा के ट्रेलर के साथ अपने प्रशंसकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। टीजर में शाहिद खास लुक ने सभी को प्रभावित किया। वहीं, अब फिल्म के ट्रेलर पर नया अपडेट सामने आया है।

शाहिद कपूर का नया लुक

कुछ समय पहले शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर में वे सिगरेट पीते हुए दाढ़ी वाले लुक में नजर आ रहे थे। उनके चेहरे पर खून के निशान भी हैं। देवा में अभिनेता का लुक निश्चित रूप से उत्साह को बढ़ा रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने ट्रेलर की रिलीज डेट के बारे में भी बताया। उन्होंने लिखा, 'ट्रेलर अगले हफ्ते... देवा, रॉ हार्ड मास। हाल ही में खबर आई थी कि ट्रेलर दो मिनट 22 सेकंड लंबा है और इसे सीबीएफसी ने प्रमाणित किया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन की वेबसाइट के अनुसार, 'देवा' के ट्रेलर को 8 जनवरी 2025 को प्रमाणित किया गया था और इसे 'यूए 16 प्लस' रेटिंग मिली है। यह देखना दिलचस्प होगा कि दर्शक फिल्म से क्या उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि अभी तक बहुत कुछ सामने नहीं आया है। शाहिद और पूजा के अलावा इस फिल्म में पावेल गुलाटी, प्रवेश राणा और कुब्रा सैत भी हैं। 'देवा' का निर्देशन मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज ने किया है और इसका निर्माण जी स्टूडियोज और रॉय कपूर फिल्म्स ने किया है।यह एक्शन थ्रिलर 31 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों रिलीज होगी।

छह साल बाद कमबैक कर रहे हैं नील नितिन मुकेश, क्या 'हिसाब बराबर' से बदलेगी किस्मत

नील नितिन मुकेश चंद माथुर को दर्शक नील नितिन मुकेश के नाम से जानते हैं। नील का जन्म 15 जनवरी 1982 को मुंबई में हुआ। वे पार्श्व गायक नितिन मुकेश के बेटे और गायक मुकेश के पोते हैं। नील के 43वें जन्मदिन पर जानिए उनसे जुड़े दिलचस्प किस्से।

छह सालों बाद हिसाब बराबर से कर रहे हैं वापसी

2019 में आई साहो फिल्म के बाद नील ने फिल्मों से दूरी बना ली थी, लेकिन अब फिर से नील 'हिसाब बराबर' से अपना बॉलीवुड कमबैक कर रहे हैं। इस फिल्म में नील के अलावा आर. माधवन भी नजर आएंगे। इस फिल्म का ओटीटी प्रीमियर 24 जनवरी को जी5 पर होगा। फिल्म 'हिसाब बराबर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह फिल्म हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु भाषा में भी रिलीज होगी। फिल्म को अश्विनी धीर ने निर्देशित किया है। फिल्म में नील स्कैम करने वाले शख्स के रोल में नजर आएंगे।

किसने और किस शख्स के ऊपर रखा गया उनका नाम नील

नील नितिन मुकेश की दादी एक गुजराती श्रीमाली ब्राह्मण थीं और उनके दादा मानी सिंगर थे। नील का नाम लता मंगेशकर ने अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग के नाम पर रखा था।

बाल कलाकार के रूप में कर चुके हैं काम

नील ने विजय में सिर्फ छह साल की उम्र से अभिनय की शुरुआत की थी। जैसी करनी वैसी फिल्म हिसाब बराबर में नजर आ रहे हैं। नील नितिन मुकेश को आखिरी बार फिल्म 'बायपास रोड' में विक्रम कपूर के किरदार में देखा गया था। 2019 में रिलीज हुई इस फिल्म के निर्माता भी थे।

भरनी में भी एक बाल कलाकार के रूप में अभिनय किया था। उन्होंने फिल्मों में ऋषि कपूर और गोविंदा के बचपन का किरदार निभाया है।

नील का फिल्मी करियर

2007 में श्रीराम राघवन की थ्रिलर फिल्म जॉनी गद्दार में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई। इस फिल्म के बाद नील ने न्यूयॉर्क, प्रेम रतन धन पायो, गोलमाल अगेन और साहो में अभिनय किया है। उन्होंने तमिल फिल्म में कथ्थी और तेलुगु फिल्म में कवचम में भी अभिनय किया। अब वह इसके साथ 2014 में तमिल मूवी इंडस्ट्री में 'कैथी' से डेब्यू किया था।

नील का परिवार

नील नितिन मुकेश ने 2017 में रुकमणि सहाय से शादी की थी। इसके बाद 2018 में इन्हें एक बेटी हुई थी। जिसका नाम नूर्वी रखा था। कथित तौर पर नील ने अपना एक एनजीओ भी खोला है, जिसके जरिए वह जरूरतमंद महिलाओं को खाना मुहैया कराते हैं। उनको रहने की जगह और ट्रेनिंग भी देते हैं।

हमें सुबह में ही गहरी नींद क्यों आती हैं ?

आप जानते हैं गहरी नींद में हमारी बॉडी टूट फूट मरम्मत करती है यह बॉडी को रिपेयर करती है सुबह की जो वायु होती है वह एक औषधि है।सुबह की ताजा वायु वर्कशॉप की तरह हमारे बॉडी को रिपेयर करती है आप जानते हैं हमारी बॉडी को प्रति क्षण, प्राणवायु चला रही है इसलिए सुबह की जो हवा होती है वह हमारी बॉडी के लिए औषधि का कार्य करती है। इसलिए गहरी नींद आती है ताकि हमारी बॉडी विधिवत टूट फूट मरम्मत और सफाई का कार्य कर सके, ताकि हम अगले दिन के लिए पूरी तरह कार्य करने के लिए तैयार हो सके ।

हमारी बॉडी सुबह ज्यादा रिपेयर करती है और जब गहरी नींद होती है उसी में यह कार्य विधिवत ढंग से हो पता है क्योंकि हमारा दिमाग ऑर्डर देता है हमारा दिमाग शांत होता है इसलिए इस तरह गहरी नींद आती है।

सुबह को ब्रह्म मुहूर्त के नाम से सारी दुनिया जानती है ब्रह्म मुहूर्त अर्थात हमारी जो प्राण शक्ति है हमारे अंदर जो शक्ति है वही यह सब कार्य करती है हमारी बॉडी को रिपेयर करके अगले दिन के लिए तैयार करती है इसीलिए सुबह के समय को ब्रह्म मुहूर्त कहा जाता है और इसीलिए गहरी नींद आती है। आज ऐसी स्थिति हो गई है कि लोग रात्रि 8:00 के बाद खाना बनाना और खाना खाना शुरू करते हैं इनमें से कोई रात को 10:00 बजे खाता है कोई 11 या 12 बजे खाता है कितने लोग दो-दो बजे रात को खाते हैं आखिर बॉडी क्या करें ।

जो विधि है खाने की उसमें कहा जाता है कि सुबह 8:00 बजे से लेकर शाम को 6:00 बजे तक डिनर समाप्त हो जाना चाहिए ताकि बॉडी को पूरा खाना डाइजेस्ट करने का समय मिले और टूट-फूट मरम्मत और सफाई का समय मिले ताकि व्यक्ति सुबह 4:00 बजे ब्रह्म मुहूर्त में स्फूर्ति के साथ जाग जाए और

इन वजहों से जिद्दी बन जाता है बच्चा, आप भी रखें ध्यान

बच्चों का जिद्दी होना एक आम समस्या है, जिससे कई माता-पिता जूझते हैं। बचपन में अगर बच्चों की इस आदत पर ध्यान न दिया जाए, तो यह भविष्य में बड़ी चुनौती बन सकती है। बच्चों का व्यवहार उनके विकास, माहौल और परवरिश पर निर्भर करता है। बच्चों का जिद्दी स्वभाव उनके माहौल और परवरिश का परिणाम होता है। माता-पिता का धैर्य, समझ और प्यार बच्चे के व्यवहार को सुधारने में मदद कर सकता है। बच्चे के साथ दोस्ताना व्यवहार करें, उसकी भावनाओं का सम्मान करें और अनुशासन के महत्व को सिखाएं।

अत्यधिक लाड़-प्यार

जब बच्चे की हर बात मानी जाती है तो वह धीरे-धीरे जिद करने लगता है। उसे यह विश्वास हो जाता है कि जिद करने से उसकी हर मांग पूरी हो जाएगी। जरूरत से ज्यादा बच्चों को छूट देने से भी वह जिद्दी हो जाते हैं। माता पिता को चाहिए कि वह बच्चों को अनुशासन का महत्व समझाएं। प्यार के साथ सीमाएं तय करें। साथ ही बच्चों की हर बात पर हां कहने के बजाए ना कहना भी सीखें।

माता-पिता की असहमति और मतभेद

अगर माता और पिता किसी बात पर एकमत नहीं होते और बच्चे के सामने एक-दूसरे की बात काटते हैं, तो बच्चा इस स्थिति का फायदा उठाकर जिद्दी बन सकता है। वह जैसा अपने अभिभावक के बीच जिद का स्तर देखता है, वैसा ही

अपने जीवन में भी अपनाता है। माता-पिता को बच्चों के सामने एकजुट रहना चाहिए और एक जैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

अत्यधिक प्रतिबंध और कठोरता

कुछ माता-पिता बच्चों पर जरूरत से ज्यादा सख्ती बरतते हैं, जिससे बच्चे का स्वभाव जिद्दी हो जाता है। बच्चा सोचता है कि उसे अपनी बात मनवाने के लिए और जिद करनी होगी। हर बात पर बच्चे को नकारात्मक प्रतिक्रिया देने से वह जिद्दी बन जाता है। माता-पिता को चाहिए कि वह प्यार और अनुशासन के बीच संतुलन बनाएं। कठोर होने की बजाय बच्चे को समझा कर चीजें सिखाएं।

बच्चे की भावनाओं की अनदेखी

जब बच्चे की भावनाओं और इच्छाओं को लगातार नजरअंदाज किया जाता है, तो बच्चा जिद करना शुरू कर देता है। कई बार बच्चे माता-पिता का ध्यान आकर्षित करने के लिए जिद करते हैं। यह तब होता है जब माता-पिता बच्चे को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। अभिभावक बच्चे की भावनाओं को समझें, उनसे संवाद करें। उनकी बातों को ध्यान से सुनें और रोजाना बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं।

आपकी आंतों के लिए 'दुश्मन' जैसे हैं ये खाद्य पदार्थ

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पाचन का ठीक रहना आवश्यक है और पाचन ठीक रहे इसके लिए जरूरी है कि आपकी आंतें ठीक तरीके से काम करती रहें। आंतें, भोजन को पचाने से लेकर मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने, भोजन से पोषक तत्वों को निकालने में मदद करती हैं। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को जोखिम बढ़ता जा रहा है, आंतों की सेहत पर भी इसका नकारात्मक असर हो रहा है।

आहार में गड़बड़ी के कारण आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया प्रभावित हो सकते हैं, जिससे पाचन विकारों का खतरा हो रहता है।आंतों में होने वाली समस्या के कारण थकान, पेट की खराबी, त्वचा की समस्याओं के साथ कई प्रकार की ऑटोइम्यून बीमारियों का भी जोखिम हो सकता है। कहीं आपको भी आंतों की कोई दिक्कत तो नहीं है?

आंतों के लिए जरूरी हैं गुड बैक्टीरिया

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारे शरीर के पाचन तंत्र में बैक्टीरिया, वायरस और कवकों की लगभग 200 विभिन्न प्रजातियां होती हैं। कुछ सूक्ष्मजीव हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं जबकि कुछ के अविश्वसनीय रूप से लाभ हो सकते हैं। शोध से संकेत मिलता है कि आंतों में पर्याप्त मात्रा में गुड बैक्टीरिया होने से पाचन विकारों के अलावा कई प्रकार की बीमारियों जैसे मधुमेह, इंफ्लामेटरी बाउल सिंड्रोम (आईबीडी) की दिक्कतों से बचाव हो सकती है।

तले हुए और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ

आहार में कुछ प्रकार की चीजों, विशेषतौर पर तले हुए और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ आंतों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। तले हुए खाद्य पदार्थ आंत संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं और पचान को कठिन बना सकते हैं। तले हुए खाद्य पदार्थों की ही तरह से प्रोसेस्ड चीजों के सेवन के कारण भी आंतों और पाचन विकारों का खतरा हो सकता है। इन चीजों के अधिक सेवन के कारण कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का भी जोखिम हो सकता है।

ज्यादा कैफीन भी आंतों के लिए हानिकारक

कैफीन के अधिक सेवन को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। इसके अधिक सेवन से आंतों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अधिक मात्रा में कॉफी का सेवन करने से सीने में जलन, अपच और एसिड रिफ्लक्स जैसी पाचन संबंधी समस्याओं के बढ़ने का खतरा हो सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि ज्यादा कैफीन का सेवन करने से नींद विकारों की भी जोखिम हो सकता है।

रेड मीट के अधिक सेवन से करें बचाव

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, रेड मीट वैसे को आयरन के सबसे बेहतर स्रोतों में से एक है, पर इसके नियमित या अधिक सेवन के कारण अपच की समस्या हो सकती है। यह आंत में बैक्टीरिया के विकास को भी ट्रिगर करता है, धमनियों को अवरुद्ध कर सकता है और इसके अधिक सेवन से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ सकता है। रेड मीट का अधिक सेवन करने वाले लोगों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या भी अधिक हो सकती है, जो हृदय रोगों के प्रमुख कारकों में से एक है।

मेथी दानों को पानी में डालकर सुबह पिएं, सेहत को होंगे कई चमत्कारी लाभ

मेथी दाना सेहत की दृष्टि से बेहद गुणकारी है. ये छोटे-छोटे सुनहरे भूरे रंग के बीज कई रोगों से आपको सुरक्षित रखते हैं. मेथी में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट्स, मैग्नीशियम, सोडियम, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, विटामिन बी6 आदि होते हैं. मेथी दाना ब्रेस्टमिल्क प्रोडक्शन को बढ़ाता है. टेस्टोस्टटेरॉन लेवल बढ़ाए, ब्लड शुगर को कंट्रोल करे. जब आप मेथी के दानों को पानी में रखकर उस पानी को पीते हैं तो ये भी डायबिटीज समेत कई समस्याओं में फायदेमंद साबित होता है.

इंडियनएक्सप्रेस में छपी एक खबर के अनुसार, मेथी के बीज बेहद ही पौष्टिक और सेहत के लिए लाभदायक होते हैं. जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, वे इसका सेवन कर सकते हैं. मेथी के बीज वजन को तेजी से कम करने लिए जाने जाते हैं. हालांकि, मेथी की तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका एक बार में अधिक सेवन करने से बचना चाहिए वरना पेट खराब हो सकता है. मेथी के दाने भूख को कम करते हैं और पेट भरे होने का अहसास कराते हैं. इससे आप ओवरईटिंग से बचते हैं, जो वेट लॉस में मददगार होता है.

मेथी हाइपरग्लाइसेमिक सेटिंग्स के तहत इंसुलिन स्राव में सुधार कर

सकती है और इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ा सकती है. ऐसे में आप मेथी को पानी में भिगोकर खाएं या इस पानी का सेवन करें, हर तरह से लाभ होगा.

मेथी के दाने पीसीओएस या पीसीओडी में भी बेहतर हैं. साथ ही इसके सेवन से एनीमिया की समस्या दूर होती है. पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन लेवल बूस्ट करती है. ब्रेस्ट मिल्क प्रोडक्शन बढ़ाए, महिलाओं को पीरियड्स में होने वाले दर्द से राहत मिलता है. यहां तक कि कैंसर जैसी घातक बीमारी को भी दूर कर सकती है. आप इसे सब्जी में डालें, रोस्ट करके खाएं, पानी में डालकर भीगे मेथी खाएं या फिर मेथी वाला पानी पिएं. हर तरीके से मेथी का सेवन फायदा ही पहुंचाएगा.

यदि आपके बाल बहुत झड़ते हैं या रूसी की समस्या अधिक है तो मेथी बालों के लिए बेस्ट साबित हो सकती है. मेथी वाले पानी को रोज पीने से बाल स्वस्थ रहते हैं. डैंड्रफ की समस्या दूर होती है. आप मेथी वाले पानी से अपने बालों को शैम्पू करने के बाद धो भी सकते हैं.

मेथी के सेवन से या इसे पानी में डालकर इस पानी को पीने से पाचन शक्ति में भी सुधार होता है. डाइटरी फाइबर होने के कारण मेथी कब्ज की समस्या से भी छुटकारा दिलाती है.

मेथी के बीज का ऐसे करें सेवन- एक से दो बड़े चम्मच मेथी दाने को एक गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए छोड़ दें. इस पानी में कैलोरी की मात्रा बिल्कुल नहीं है. ये एक बेहतर डिटॉक्स ड्रिंक है, जिसे सुबह खाली पेट पीना अधिक फायदेमंद होता है. साथ ही बचे हुए मेथी के बीजों को चबाकर खा जाएं, इन्हें फेंके नहीं.

पतली है आइब्रो तो घना करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

आइब्रो को लेकर लड़कियां अक्सर परेशान रहती है क्योंकि अगर ये पतली हो तो इसका असर चेहरे की खूबसूरती पर पड़ता है। इस वजह से घनी आइब्रो को पसंद किया जाता है। हालाँकि अगर आपकी भौंहें घनी नहीं है तो इसके लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों को आजमा सकती हैं।

नारियल का तेल लगाएं- नारियल तेल के फायदों के बारे में हम सभी जानते हैं। जी दरअसल यह बालों संबंधी कई समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। उसी तरह अगर आपकी आईब्रो पतली हैं तो आप नारियल का तेल लगा सकती हैं।

आप घनी भौंहों के लिए नारियल का तेल लगा सकती है

क्योंकि इसमें विटामिन ई पाया जाता है, जो बालों के विकास को प्रोत्साहित करता है।

कैसे करें इस्तेमाल- रूई को नारियल के तेल में भिगो लें। इसके बाद आईब्रो पर तेल को अच्छे से लगा लें। अब नारियल के तेल को रातभर आईब्रो पर लगा रहने दें। उसके बाद अगली सुबह फेश वॉश से अपना चेहरा साफ कर लें।

कैस्टर ऑयल से मिलेगा फायदा- सबसे पहले त्वचा को साफ पानी से क्लीन कर लें। अब इसके बाद उगंली पर थोड़ा सा कैस्टर ऑयल डालें।

अब फिंगरटिप की मदद से आईब्रो को मसाज दें। अब कैस्टर ऑयल को आईब्रो पर आधे घंटे से ज्यादा देर तक न लगा रहने दें। इसके बाद इसे मेकअप रिमूवर की मदद से साफ कर लें।

इन बातों का रखे ध्यान-

* आंखों के आस-पास का एरिया बेहद सेंसिटिव होता है। तेल को आंखों के अंदर न जाने दें।

* अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है तो किसी भी चीज को लगाने से पहले पैच टेस्ट करना न भूलें।

राज कचौरी बनाने का आसान तरीका

ठंडे दही, चटनी एवं अनार के दानों से सजी स्वादिष्ट राज कचौरी खाने में बहुत अच्छी लगती है। स्नैक्स में आप इसे ट्राई कर सकते हैं। स्टार्टर में भी कई लोग राज कचौरी सर्व करना पसंद करते हैं। चाट के ठेले पर यह आपको अवश्य प्राप्त हो जाएगी। स्ट्रीट फूड के रूप में बिकने वाली राज कचौरी को आप बहुत सरलता से अपनी रसोई में तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बनाने की विधि।

कचोरी के लिए जरूरी सामग्री

2 कप गेहूं का आटा,
आधा कप पिसी हुई चीनी,
आधा कप गुड़ की शक्कर,
1 कप देशी घी,
2 चम्मच बादाम गिरी,
2 चम्मच काजू गिरी,
आधा कप गोंद (भुना और दरदरा),
आधा कप मखाने (भुने और दरदरे),
1 चम्मच पिस्ता,
1 चांदी का वर्क,
2 चम्मच नारियल का चूरा,
1 चम्मच सोंठ.

राज कचौरी के लिए सामग्री

1 कप मूंग दाल
1 कप मैदा
1/4 कप सूजी
3 चुटकी बेकिंग सोडा
नमक स्वादअनुसार
1-2 हरी मिर्च, कटी हुई
1 इंच अदरक, बारीक कटा हुआ
1 छोटा चम्मच कटा हुआ ताजा हरा धनिया
एक चुटकी अजवाइन
एक चुटकी हल्दी पाउडर
1/4 छोटा चम्मच हींग

भराई के लिए सामग्री:-

1 बड़ा आलू, उबला और छिला हुआ
1 1/2 कप गाढ़ा दही
3 बड़े चम्मच पाउडर चीनी
नमक स्वादअनुसार
1/2 छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर
लाल मिर्च पाउडर छिड़कने के लिये
1/2 छोटा चम्मच भुना जीरा पाउडर
1 चम्मच हरी चटनी
1 चम्मच इमली की चटनी
आधा कप अनार के दाने सजाने के लिए
1 कुरकुरी पापड़ी
सेव नमकीन 1 चम्मच
गार्निश के लिए ताजा हरा धनिया कटा हुआ

राज कचौरी बनाने की विधि:-

राज कचौरी बनाने के लिए सबसे पहले मूंग की दाल को 2-3 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें। इतने में कचौरी का आटा तैयार कर लें। इसके लिए एक बाउल में मैदा, सूजी, नमक एवं बेकिंग सोडा डालकर मिक्स करें। पानी की सहायता से सॉफ्ट आटा तैयार कर लें। अब इस आटे को 20 मिनट के लिए सेट होने रख दें।

साग-सब्जी काटकर धोएं या धोकर काटें

साग पोषक तत्वों से भरपूर होता है। साग में कई तरह कंपोनेंट पाए जाते हैं। साग शरीर और दिमाग के लिए फायदेमंद है। अगर आप अपच की शिकायत, त्वचा संबंधी समस्याएं और अन्य मौसमी बीमारियों से राहत चाहते हैं तो हरा साग डेली डाइट में लें।

साग को पोषक तत्वों का एक पावरहाउस कहा जा सकता है, क्योंकि यह फाइबर, विटामिन, आयरन, फोलिक एसिड, कैल्शियम, पोटेशियम, फॉस्फोरस और मैग्नीशियम जैसे खनिज तत्वों से भरपूर है। आहार में हरा साग शामिल करने से इम्यूनिटी बढ़ती है। न्यूट्रिशनिस्ट अमर देव यादव बता रहे हैं हरे साग बनाने का सही तरीका।

हरा साग धोकर काटें या काट कर धोएं, जानें सही तरीका

साग जब खरीद कर लाएं तो पहले इसकी जड़ काटें। इसके बाद साग को 4 से 5 बार पानी बदल-बदल कर अच्छे से धो लें और थोड़ी देर तक ऐसे ही रखा रहने दें। साग से जब पानी निथर जाए तो इसे चाकू से बारीक काटें।

कभी भी साग काटने के बाद न धोएं। ऐसा करने से साग में मौजूद पोषक तत्व पानी के साथ निकल जाते हैं। कई बार साग खरीदते वक्त लोग मार्केट से कटवा लेते हैं ताकि दिक्कत न हो। लेकिन ऐसा साग केवल स्वाद के लिए खाया जा सकता है, इसमें पोषक तत्वों की मात्रा काफी हद तक कम हो जाती है।

हरे साग को ठीक ढंग से पकाने और खाने पर इसका पूरा पोषण मिलता है।

साग खाने का सही तरीका

साग को फ्राई करके सब्जी की तरह खाया जाता है। लेकिन इसे उबाल कर खाने पर ज्यादा फायदा मिलता है। लेकिन पालक को हल्का उबालें ताकि पोषक तत्व बर्बाद न हो। मेथी हरी सब्जियों को उबालकर खाने से आंखों की समस्या में लाभ मिलता है। साथ ही आपको कई रोग नहीं होते हैं।

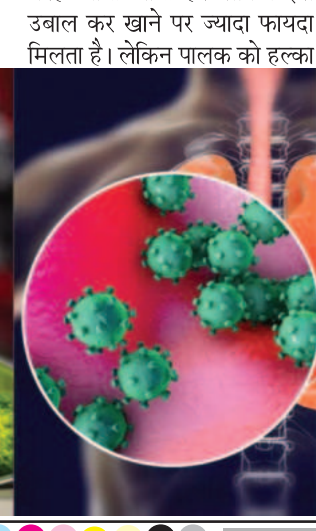

फ्राई की हुई या उबाली हुई सब्जी, क्या ज्यादा फायदेमंद

सब्जी को तेल में फ्राई करने पर इसमें फैट की मात्रा होती है जिससे कि फैट बढ़ता है। जबकि हाफ बॉयल सब्जियों में पोषण तत्व होते हैं। हल्की उबली सब्जी खाने से वेट कंट्रोल रहता है।

एसिडिटी की प्रॉब्लम नहीं होती। खाना आसानी से पचता है। स्किन पर चमक आती है और बालों की ग्रोथ भी अच्छी होती है।

किस मात्रा में करें साग का सेवन

एक दिन में 1/2 कप उबला हुआ साग या 1 कप हरे साग का सेवन किया जा सकता है। लेकिन किसी डायटीशियन की सलाह जरूर ले लें।

साग खरीदते समय यह ध्यान दें कि पालक का रंग प्राकृतिक रूप से हरा होना चाहिए।

अगर साग से स्मेल आ रही है तो इसे ना खरीदें।

बहुत ज्यादा धूल-मिट्टी लगा साग न खरीदें, जड़ निकाला गया साग खरीदें।

जिस साग की पत्तियां ताज़ी लगे वही खरीदें।

साग को ज्यादा लंबे समय तक सुरक्षित कैसे रखें

साग के बंडल को खोल लें और फिर इसे एयरटाइट बैग में कर के फ्रिज में 3 से 4 दिन तक स्टोर किया जा सकता है। आप किचन में टोकरी में भी साग को खोलकर रख सकते हैं। इसकी ताजगी बनाए रखने के लिए इसे गीले कपड़े में लपेटकर भी रखा जा सकता है।

देश के बैंकों में 1.50 लाख करोड़ कैश की कमी

जमा पर ब्याज बढ़ रहा; डिपॉजिट की ब्याज दरें 7.50% तक पहुंचीं

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। देश के बैंकों में कैश की किल्लत एक बार फिर बढ़ गई है। दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में देश के बैंकिंग सिस्टम में नकदी की कमी 1.5 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इससे निपटने के लिए बैंक डिपॉजिट बढ़ा रहे हैं।

नतीजतन डिपॉजिट की ब्याज दरें 7.50% तक पहुंच गई हैं। कुछ बैंकों ने ज्यादा ब्याज वाली नई स्कीम्स की आखिरी तारीख बढ़ाई है और कुछ ने नई एफडी स्कीम्स लॉन्च की हैं। आईडीबीआई जैसे बैंक सीनियर और सुपर सीनियर सिटीजंस को 0.65% तक ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। इसके चलते सुपर सीनियर सिटीजंस के लिए ब्याज दरें 8.05% तक हो गई हैं। दिसंबर के पहले सप्ताह में बैंकों का कैश सरप्लस 1 लाख करोड़ रुपए था। बाद के पखवाड़े में टैक्स चुकाने के लिए, निकासी और विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई के दखल से नकदी घट गई। बैंकों ने रिजर्व बैंक से लिक्विडिटी बढ़ाने के उपाय करने की अपील की थी। इसके बाद आरबीआई ने पिछले सप्ताह डॉलर-रूपी स्वैप का इस्तेमाल किया। आरबीआई ने करीब 3 अरब डॉलर के स्वैप का इस्तेमाल किया। इससे बैंकों को करीब 25,970 करोड़ रुपए का कैश मिला। स्वैप की मैच्योरिटी 3,6 और 12 महीने है। लेकिन ये पर्याप्त नहीं है। उन्हें करीब 1.25 लाख की नकदी और चाहिए।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 27 दिसंबर 2024 तक बैंकों का डिपॉजिट 9.8% की दर से बढ़ा। इसी दौरान क्रेडिट ग्रोथ यानी कर्ज बांटने की रफ्तार सालाना 11.16% रही। कुल डिपॉजिट 220.6 लाख करोड़ और लोन 177.43 लाख करोड़ तक पहुंच गया। यानी बैंक हर 100 रुपए के डिपॉजिट पर 80 रुपए का लोन बांट रहे हैं।

रिपब्लिकन सांसद ने अदाणी केस के सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की मांग की

वाशिंगटन, 15 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में संसद की न्यायिक समिति के सदस्य रीप लांस गुडेन ने अदाणी समूह से जुड़े अभियोजन पर बड़ी मांग की है। उन्होंने अमेरिकी न्याय मंत्रालय से उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके समूह की कंपनियों के खिलाफ बाइडन प्रशासन में चलाए गए चुनिंदा अभियोजन से जुड़े सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का अनुरोध किया है।

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन की सरकार के सत्ता से जाने और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने से कुछ दिन पहले यह मांग की गई है। मंगलवार को गुडेन ने अटॉर्नी जनरल मेरिक गारलैंड को लिखे एक पत्र में मांग की है कि मंत्रालय अदाणी समूह पर कार्रवाई करने के अपने निर्णय से संबंधित सभी रिकॉर्ड व दस्तावेज सुरक्षित रखे जाएं।

गारलैंड को सात जनवरी को लिखे एक अन्य पत्र में गुडेन ने मंत्रालय द्वारा समूह पर हाल ही में लगाए गए अभियोग पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि अभियोग में आरोप लगाया गया है कि ये कृत्य पूरी तरह से भारत के अंदर किए गए, जिनमें भारतीय नागरिक और अधिकारी शामिल थे। इससे अमेरिकी हितों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

गुडेन ने कहा, '' अदाणी मामले में आरोप यदि सत्य सिद्ध भी हो जाएं, तो भी हम इस मुद्दे पर उचित तथा अंतिम मध्यस्थ नहीं बन पाएंगे। ये ''रिश्वत'' कथित तौर पर भारत में, वहां के अधिकारियों को एक भारतीय कंपनी के भारतीय अधिकारियों द्वारा दी गई थी, जिसमें किसी भी अमेरिकी पक्ष की कोई ठोस संलिप्तता नहीं है या किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।''

ट्विटर खरीदने से पहले ही मस्क ने खरीद लिए थे उसके शेयर

खुलासा नहीं करने पर एसईसी ने दर्ज कराया केस

वॉशिंगटन, 15 जनवरी (एजेंसियां)। दिग्गज अरबपति एलन मस्क ने साल 2022 में सोशल मीडिया कंपनी एक्स (पूर्व में ट्विटर) का अधिग्रहण किया था। हालांकि अब उस डील को लेकर मस्क मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। दरअसल अमेरिका के बाजार के नियामक आयोग सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने एलन मस्क के खिलाफ मुकदमा दायर कराया है।

एसईसी ने मस्क पर लगाए हैं ये आरोप

एसईसी का आरोप है कि मस्क ने एक्स खरीदने से पहले ही उसके शेयर खरीदे हुए थे, लेकिन मस्क ने एसईसी को इस बात की जानकारी नहीं दी थी। नियमों के उल्लंघन के चलते एसईसी ने मस्क के खिलाफ कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एलन मस्क ने साल 2022 की शुरुआत से ही ट्विटर के शेयर खरीदने शुरू कर दिए थे और मार्च 2022 तक मस्क के पास ट्विटर के 5 प्रतिशत से ज्यादा शेयर थे। शिकायत में कहा गया है कि मस्क ने 4 अप्रैल तक इसका खुलासा नहीं किया था, जो नियमों का उल्लंघन है। मस्क ने अक्तूबर 2022 में ट्विटर का अधिग्रहण किया और बाद में उसका नाम बदलकर एक्स कर दिया था।

एसईसी द्वारा मुकदमा दायर कराने को लेकर अभी तक मस्क या एक्स की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। अप्रैल 2022 में मस्क ने ट्विटर का अधिग्रहण करने के लिए, एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद, सौदे से पीछे हटने की कोशिश की थी, जिसके कारण कंपनी ने उन पर अधिग्रहण के लिए दबाव डालने के लिए मुकदमा दायर किया। एसईसी ने कहा कि अप्रैल 2022 से उन्होंने इस बात की जांच की कि क्या मस्क ने ट्विटर के अधिग्रहण के दौरान कंपनी से संबंधित और एसईसी फाइलिंग के संबंध में किसी भी प्रतिभूति कानून का उल्लंघन तो नहीं किया है। उल्लेखनीय है कि एसईसी के वर्तमान अध्यक्ष गैरी जेन्सलर 20 जनवरी को ट्रंप के शपथ ग्रहण वाले दिन ही अपने पद से हटने की योजना बना रहे हैं। ऐसे में यह साफ नहीं है कि नया प्रशासन मस्क के खिलाफ मुकदमा जारी रखेगा या नहीं।

आज सोने-चांदी के दाम में तेजी

सोना 241 रुपए बढ़कर 78,269 रुपए पर पहुंचा, चांदी 88,908 रुपए प्रति किलो बिक रही

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 15 जनवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 241 रुपए बढ़कर 78,269 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने का दाम 78,028 रुपए प्रति दस ग्राम था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 178 रुपए बढ़कर 88,908 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले ये 88,730 रुपए प्रति किलो पर थी। सोने ने पिछले साल 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर 2024 को 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। बीते साल सोना का भाव 20.22% बढ़ा। वहीं, चांदी की कीमत में 17.19% की बढ़ोतरी हुई। 1 जनवरी 2024 को सोना 63,352 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था, जो 31 दिसंबर 2024 को 76,162 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं इस दौरान, एक किलो चांदी की कीमत 73,395 रुपए प्रति किलोग्राम से बढ़कर 86,017 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई।

सेंसेक्स 224 अंक की तेजी के साथ 76,724 पर बंद

निफ्टी में भी 37 अंक की बढ़त रही, रियल्टी सेक्टर सबसे ज्यादा चढ़ा

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। सेंसेक्स आज यानी 15 जनवरी को 224 अंक की तेजी के साथ 76,724 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 37 अंक की तेजी रही, ये 23,213 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में तेजी और 12 में गिरावट रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 27 में तेजी और 23 में गिरावट रही। जबकि एक शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। NSE सेक्टोरल इंडेक्स में रियल्टी सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.39% की तेजी रही।

एशियाई बाजारों में गिरावट रही

एशियाई बाजार में जापान के निक्केई में 0.077% की बढ़त रही। कोरिया के कोस्पी में 0.024% की गिरावट देखने को मिली। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स 0.43% की गिरावट के साथ बंद हुआ।

NSE के डेटा के अनुसार, 14 जनवरी को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 8,132 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 7,901 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। 14 जनवरी को अमेरिका का डाओ जोंस 0.52% की तेजी के साथ 42,518 पर बंद हुआ। S&P 500 इंडेक्स 0.11% ऊपर 5,842 बंद हुआ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की मांग

सस्ती आवास परियोजनाओं पर आयकर की दर घटे, लोगों को क्या फायदा?

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। रियल एस्टेट सेक्टर के शीर्ष संगठन क्रेडाई ने सरकार को सुझाव दिया है कि बजट 2025 में किफायती आवास परियोजनाओं पर आयकर की दर केवल 15 प्रतिशत तय की जानी चाहिए। क्रेडाई के अनुसार इस कदम से कम लागत वाले मकानों की आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिनकी सबसे ज्यादा मांग है। भारतीय रियल एस्टेट डेवलपर्स संघ परिसंघ (क्रेडाई), जो 13,000 से अधिक डेवलपर्स का प्रतिनिधित्व करता है, ने इस क्षेत्र के सामने आने वाली गंभीर चुनौतियों के समाधान के लिए आगामी केंद्रीय बजट के लिए कई सुझाव दिए हैं।

क्रेडाई की सिफारिशों में किफायती आवास की परिभाषा में संशोधन, किफायती घर बनाने के लिए रियल एस्टेट कंपनियों को कर में छूट और आवास ऋण पर व्यक्तियों की ओर से चुकाए जाने वाले मूलधन और ब्याज पर कटौती की सीमा बढ़ाना शामिल है। क्रेडाई ने पिछले कुछ वर्षों में कुल ताजा आपूर्ति में किफायती आवासों की घटती हिस्सेदारी पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। आपूर्ति में कमी के साथ, कुल बिक्री में किफायती घरों की हिस्सेदारी भी कम हो गई है। संगठन ने इस गिरावट की प्रवृत्ति को प्राथमिकता के आधार पर रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। एसोसिएशन ने कहा, ₹किफायती आवास की आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए, क्रेडाई ने विनिर्माण कंपनियों के लिए वर्तमान में उपलब्ध 15 प्रतिशत की निम्न आयकर दर को किफायती आवास परियोजनाओं पर भी लागू करने की सिफारिश की है। उद्योग निकाय का मानना है कि इस उपाय से डेवलपर्स को किफायती आवास विकास पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। 2017 में किफायती आवास की परिभाषा लागू होने के बाद से रियल एस्टेट क्षेत्र में कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ, क्रेडाई ने सरकार से 45 लाख रुपये की मौजूदा सीमा को संशोधित करने का आग्रह किया है।

क्रेडाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोमन ईरानी ने कहा, ₹जीडीपी, रोजगार सृजन और बुनियादी ढांचे में अपने व्यापक योगदान के साथ, भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र हमेशा राष्ट्र निर्माण में सबसे आगे रहा है। वर्तमान में भारत के जीडीपी के लगभग 53 प्रतिशत (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से) को प्रभावित करने वाला और 8 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 40 करोड़ भारतीयों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता रखता है, जिनके पास पर्याप्त घर नहीं हैं।सात वर्षों में सात करोड़ नए घर और दो करोड़ नए रोजगार देने का लक्ष्य ईरानी ने कहा कि हमारा विजन अगले सात वर्षों में सात करोड़ घर उपलब्ध कराने और दो करोड़ नए रोजगार देने का है।

कुंभ को लेकर स्टीव जॉब्स के पत्र की नीलामी

4.32 करोड़ में बिका; लिखा था- भारत जाना चाहता हूं

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। एपल के सह संस्थापक दिवंगत स्टीव जॉब्स की पत्नी लॉरेन पॉवेल जॉब्स उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हो रहे महाकुंभ मेला 2025 के लिए भारत में हैं। उनके गुरू स्वामी कैलाशानंद ने उन्हें नया हिंदू नाम दिया है 'कमला'। इस बीच स्टीव का एक हस्तलिखित पत्र सुर्खियों में है। 1974 में लिखे इस पत्र में स्टीव जॉब्स ने कुंभ मेले के लिए भारत आने की इच्छा जाहिर की थी। अब खबर आई है कि हाल ही में बोनहम्स की ओर से इस पत्र को 500,312 डॉलर (4.32 करोड़ रुपये) में नीलाम किया गया। बता दें कि अरबपति महिला कारोबारी लॉरेन पॉवेल जॉब्स ने विश्व के सबसे बड़े धार्मिक समागम में बीते दिन ही संगम में डुबकी लगाई थी।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हाथ से लिखे गए स्टीव जॉब्स के पत्र में आध्यात्मिक और काव्यात्मक पक्ष की एक दुर्लभ झलक मिलती है। जॉब्स ने अपने 19वें जन्मदिन 23 फरवरी को अपने बचपन के दोस्त टिम ब्राउन को यह पत्र लिखा था। यह पत्र स्टीव वोज्नाइक के साथ एपल की स्थापना से ठीक दो साल पहले स्टीव जॉब्स ने लिखा था। इसमें जॉब्स ने इसमें भारत में होने वाले 'कुंभ' को लेकर अपनी रुचि बताई थी। उन्होंने कुंभ मेले में हिस्सा लेने की इच्छा भी जताई थी। अब जब उनकी पत्नी प्रयागराज महाकुंभ में शामिल हो रही हैं तो माना जा रहा है कि लॉरेन पॉवेल जॉब्स अपने पति की इच्छा पूरी करने के लिए ही यहां आई हुई हैं।

पत्र में क्या लिखा?

दावा किया गया कि स्टीव जॉब्स ने ब्राउन के लिखे गए खत के जवाब में यह पत्र लिखा था। इसमें वे काफी चिंतित प्रतीत हो रहे हैं। उन्होंने अपने कई बार रोने का जिक्र भी इसमें किया। जॉब्स ने लिखा, 'मैं भारत जाना चाहता हूं। मैं वहां आयोजित होने वाले कुंभ मेले में हिस्सा लेना चाहता हूं। अप्रैल से शुरू होने वाले इस आयोजन के लिए मैं मार्च में किसी समय जाऊंगा। हालांकि, मैं इसे लेकर निश्चित नहीं हूं'। उन्होंने अपने पत्र के अंत में 'शांति, स्टीव जॉब्स' लिखा है।

इससे पहले अरबपति महिला कारोबारी लॉरेन पॉवेल जॉब्स ने विश्व के इस सबसे बड़े धार्मिक समागम में संगम में डुबकी लगाई थी। इसे लेकर पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के महंत रविंद्र पुरी ने कहा कि लॉरेन को यहां नया नाम 'कमला' मिला है। वह बहुत सहज, विनम्र और अहंकार से मुक्त हैं और यहां की सनातनी संस्कृति से खासा प्रभावित हैं।

अमृत स्नान करने संगम घाट पर पहुंचे निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद ने कहा कि कमला आई हैं और वह अभी शिविर में हैं।

भीड़ में रहने के कारण उन्हें कुछ दिक्कत आई है, इसलिए वह शिविर में आराम कर रही हैं। वह बहुत सहज और सरल हैं और सनातन धर्म को जानना चाहती हैं। वह गुरू के बारे में जानना चाहती हैं, उनके हजारों सवाल हैं जिसका उत्तर हमें देना होता है। सभी परंपरा सनातन से जुड़े हैं। स्टीव जॉब्स (1955-2011) एक अमेरिकी उद्यमी, आविष्कारक और दूरदर्शी थे, जिन्होंने एप्पल की स्थापना की। कंपनी ने तकनीकी जगत में क्रांति ला दी। उनके नेतृत्व और दूरदर्शिता ने एप्पल को दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों में से एक बनने में मदद की।

2024 के चुनाव को लेकर मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी पर मेटा ने मांगी माफी

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। 2024 के चुनाव को लेकर मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी पर मेटा बैकफुट पर आ गई है। कंपनी ने मामले में माफी मांग ली है। कंपनी ने कहा कि अनजाने में हुई गलती के लिए हम माफी मांगते हैं। इससे पहले भारत के चुनाव से जुड़ी मार्क जुकरबर्ग की टिप्पणी को लेकर मेटा मुश्किलों में फंसता दिख रहा था। संसदीय पैनल ने कंपनी के खिलाफ समन जारी करने का फैसला किया है। समन करने की खबर ऐसे वक्त सामने आई थी, जब एक दिन पहले ही यानी सोमवार को केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग पर पलटवार किया था। दरअसल, जुकरबर्ग ने दावा किया था कि कोविड-19 महामारी के बाद भारत समेत ज्यादातर देशों की मौजूदा सरकारों को 2024 में चुनावी हार का सामना करना पड़ा। मंत्री ने कहा था कि उनका बयान तथ्यात्मक रूप से गलत है।

मामले में संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा था कि मेटा को गलत सूचना फैलाने के लिए माफी मांगनी होगी। मेरी समिति इस गलत जानकारी के लिए मेटा को बुलाएगी। किसी भी लोकतांत्रिक देश की गलत जानकारी देश की छवि को धूमिल करती है। इस गलती के लिए भारतीय संसद से तथा यहां की जनता से उस संस्था को माफी मांगनी पड़ेगी।

वैष्णव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने 2024 के आम चुनाव का आयोजन कराया। इसमें 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने हिस्सा लिया। देश के लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन पर भरोसा जताया और लगातार तीसरी बार सत्ता में बिठाया। सूचना और प्रसारण मंत्री ने कहा कि जुकरबर्ग का यह दावा कि 2024 के चुनावों में भारत सहित अधिकांश मौजूदा सरकारों को कोविड महामारी के बाद हार का सामना करना पड़ा, तथ्यात्मक रूप से गलत है।

इनकम टैक्स बचाने का सॉलिड तरीका

10 लाख की कमाई पर नहीं देना होगा एक भी रुपया

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जब भी सालाना 2.50 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई की बात आती है, इनकम टैक्स की भी चर्चा शुरू हो जाती है। इनकम टैक्स के नियमों के मुताबिक सालाना 2.50 लाख रुपये से ज्यादा कमाने वाले इनकम टैक्स के दायरे में आते हैं। ऐसे लोगों को इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना जरूरी होता है। अगर देनदारी निकलती है तो इनकम टैक्स भरना भी पड़ता है। हालांकि कई ऐसे तरीके हैं जिनकी मदद से आप अपनी इनकम टैक्स देनदारी कम या जीरो भी कर सकते हैं। अगर आप सालाना 10 लाख रुपये कमाते हैं तो आपकी इनकम टैक्स देनदारी जीरो हो सकती है। यानी आपको इनकम टैक्स के रूप में एक रुपया भी नहीं देना होगा।

दो तरह की हैं अभी व्यवस्थाएं

अभी इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की दो व्यवस्थाएं हैं। पहली पुरानी और दूसरी नई। पुरानी व्यवस्था में 2.50 लाख रुपये तक और नई व्यवस्था में 3 लाख रुपये तक इनकम टैक्स रेट जीरो है। इससे ज्यादा की कमाई पर इनकम टैक्स अलग-अलग स्लैब के अनुसार लगता है। ये स्लैब नीचे फोटो में दिए गए हैं।

क्या है दोनों व्यवस्था में अंतर?

काफी लोग इंश्योरेंस, एसएसवाई, एफडी आदि में निवेश करते हैं। ऐसी स्कीम में निवेश की जाने वाली रकम पर इनकम टैक्स की अलग-अलग धाराओं में कटौती मिलती है। किसी एक धारा में सालाना यह कटौती 2 लाख रुपये तक हो सकती है। ऐसे में अलग-अलग धाराओं में आने वाली स्कीम में निवेश करके कटौती का लाभ ले सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत -2051, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-53
सूर्यास्त. -17-58
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत-1955885125
दिशाशूल -- दक्षिण • जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया . 04-06 तक उपरान्त चतुर्थी
मास • माघ कृष्ण , गुरुवार 16 January
नक्षत्र • आश्लेषा 11-16 तक उपरान्त मघा
योग • आयुष्मान 01-05 तक उप सौभाग्य
करण- वणिज 15-39 तक उप विष्टी
विशेष:- व्रत -त्योहार • भद्राकाल 15-40 से

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मकर	मे
चंद्र-	कर्क	मे
मंगल	कर्क	मे
बुध-	धनु	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	कुंभ	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
मकर...	06-45	बजे
कुंभ...	08-36	बजे
मीन...	10-14	बजे
मेष...	11-50	बजे
वृष...	13-35	बजे
मिथुन	15-36	बजे
कर्क..	17-47	बजे
सिंह...	20-00	बजे
कन्या...	22-07	बजे
तुला....	00-12	बजे
वृश्चिक..	02-21	बजे
धनु......	04-35	बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:50 से 15:14 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	06:53 - 08:15	शुभ	अमृत	17:58 - 19:37	शुभ
रोग.	08:15 - 09:38	अशुभ	चंचल	19:37 - 21:14	शुभ
उत्पात	09:38 - 11:02	अशुभ	रोग.	21:14 - 22:50	अशुभ
चंचल.	11:02 - 12:26	शुभ	काल	22:50 - 00:26	अशुभ
लाभ.	12:26 - 13:50	शुभ	लाभ	00:26 - 02:02	शुभ
अमृत.	13:50 - 15:14	शुभ	उत्पात	02:02 - 03:38	अशुभ
काल	15:14 - 16:37	अशुभ	शुभ.	03:38 - 05:15	शुभ
शुभ	16:37 - 17:58	शुभ	अमृत.	05:15 - 06:53	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें, अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,
इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है किसी को भी आपको नीचा दिखाने की अनुमति नहीं है । ये समय कोशिश करते रहने का समय है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप अपने सभी लक्ष्यों को समय पर पूरा करेंगे और कार्य क्षेत्र में शांति का माहौल रहेगा , लेकिन व्यापार के मामलों में किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करें। धोखाधड़ी की संभावना है। यदि संभव हो तो अपनी व्यापारिक सौदों को दूसरे दिन पर ठाले और अपने सहयोगियों की विश्वसनीयता का मूल्यांकन करे ।

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते,
पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे

वृश्चिक तो, ना, नी, ने, नू, नो, या, यी, यू,
आज आप जो भी कार्य करेंगे , सफलता आपके कदम चूमेगी । अगर आप एक प्रतियोगी परीक्षा में बैठे थे तो आज आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज का दिन पदोन्नति या अधिक जिम्मेदारी लेने के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विचार विमर्श आरंभ करने के लिए उपयुक्त है।

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज का दिन शेयर बाजार में निवेश के लिए उत्तम है परन्तु आपको अपने निवेश को लेकर सतर्क रहना होगा । आज के दिन अगर आप वाहन , दवाई या सौन्दर्य प्रसाधन उद्योग में निवेश करेंगे तो वो काफी फायदेमंद साबित होगा । ये बहुत जरुरी है की आप अपने निवेश को दोबारा परखे और जहा जरुरी हो उसमे बदलाव लाये जिससे की आपकी लाभ की सीमा बढे ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको अपनी आय और व्यय का संतुलन करना मुश्किल होगा । आज अपनी आय की वृद्धि के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू करने के लिए भी ये सबसे अच्छा दिन है। आपको अपनी पसंद के हिसाब से कुछ कार्य मिल सकता है और यह अगले कुछ वर्षों में आपके प्राथमिक कार्य बनने की क्षमता रखता है ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
आपके भावनात्मक व्यवहार की वजह से आपका कार्य गंभीर रूप से प्रभावित हो रहा है। आप इसके आदि हो चुके है और इस से छुटकारा पाने में आपको समय लगेगा । अपनी इस संवेदनशीलता का आसपास के अन्य लोगों के प्रति समानुभूतिक रहकर इसका लाभ आप उठा सकते है । खाली समय में अचल संपत्ति में निवेश के लायक जगह आप तलाश सकते है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

लक्ष्मीबाई के लिए 745 नागाओं ने जान दी थी

अंग्रेजों ने पंडों को फांसी दी, बगावत के डर से रेल-बसें रोकीं, कहा- जापान बम गिरा देगा

प्रयागराज, 15 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। साल 1858, प्रयाग में कुंभ लगा। तब देश में 1857 की क्रांति चल रही थी। साधु-संतों के वेश में क्रांतिकारी कुंभ में घूम रहे थे। अंग्रेज डर गए। संगम के आस-पास की जमीनों पर सरकार ने कब्जा कर लिया। ट्रेन-बसों की टिकटों पर रोक लगा दी। लोगों को कुंभ में आने से रोका जाने लगा।

रानी लक्ष्मीबाई प्रयाग में एक पंडे के यहां ठहरी थीं। अंग्रेजों को इसकी खबर लग गई। पंडे को फांसी पर लटका दिया गया। लक्ष्मीबाई ग्वालियर लौट गईं, लेकिन अंग्रेजों की फौज उनके पीछे लगी रही। कर्नल रेली ब्रिटिश फौज को लीड कर रहा था। अंग्रेजों और रानी के बीच मुठभेड़ हुई। इसी दौरान एक अंग्रेज सिपाही ने लक्ष्मीबाई के माथे पर तलवार से वार कर दिया।

उपन्यासकार वृंदावन लाल वर्मा अपनी किताब 'लक्ष्मी बाई द रानी ऑफ झांसी' में लिखते हैं- 'रानी की छाती के निचले हिस्से में गहरा घाव हो गया था। उन्होंने अपनी पगड़ी से बहते हुए खून को रोकना चाहा, लेकिन घाव गहरा था, खून रुक नहीं रहा था। फिर भी रानी आगे बढ़ीं और उस अंग्रेज सैनिक को मार डाला। इसी बीच दूसरे सैनिक ने उनकी छाती पर गोली दाग दी। रानी घोड़े के पीठ पर गिर गईं।

रानी के वफादार सैनिक गुल मोहम्मद और रघुनाथ सिंह उन्हें लेकर पास में ही संत गंगादास की बड़ी शाला में पहुंचे। तब आश्रम को शाला कहा जाता था। वहां गंगादास और सैकड़ों नागा साधु रहते थे। रानी को देखते ही गंगादास ने पहचान लिया। रानी उन्हीं की शिष्या थीं। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद रानी को बचाया नहीं जा सका।

इधर, शाला परिसर में ब्रिटिश फौज आ चुकी थी। घोड़ों की पदचाप और शोर सुनाई दे रहा था। अंग्रेजों को लग रहा था कि रानी घायल हैं, जिन्हें शाला की कुटिया में छिपाकर रखा गया है। गंगादास ने आदेश दिया कि अंग्रेजों को रोका जाए, ताकि रानी का अंतिम संस्कार किया जा सके। बड़ी शाला में मौजूद नागा साधुओं ने तलवार और भाले उठा लिए। तब मठ में दो हजार नागा साधु थे। सभी शस्त्र चलाना जानते थे। तोप चलाना भी उन्हें आता था।

नागा साधुओं ने अंग्रेजों से लड़ने के लिए शाला में रखी दो फुट की तोप निकाली। उसे खिड़की पर लगाया और बारूद भरकर कई अंग्रेजों को मार गिराया। ये तोप अकबर ने गंगादास के गुरु परमानंद महाराज को दी थी। अंग्रेज ये देखकर हैरान रह गए कि माला फेरने वाले संन्यासी तलवार, भाला और तोप चला रहे हैं।'

लक्ष्मीबाई के बेटे का सिर मुड़वाना पड़ा

संत गंगादास शाला के महंत रामसेवक दास बताते हैं- 'रानी ने आखिरी वक्त में बेटे दामोदर राव को गंगादास के हाथों सौंप दिया था। दामोदर राव को बचाने के लिए उनकी पहचान बदल दी गई। उनका सिर मुंडवाकर गले में तुलसी माला डाल दी गई। उन्हें नागा साधु जैसा स्वरूप दिया गया। अंग्रेजों को पता चल चुका था कि लक्ष्मीबाई का अंतिम संस्कार गंगादास ने किया है। दामोदार दास को भी उन्होंने ही छिपाया है। अंग्रेज, गंगादास के पीछे पड़ गए थे। इधर गंगादास बचे हुए साधुओं को लेकर काशी चले गए। वहां सभी अखाड़ों के नागा साधु, गंगादास से मिले। गंगादास ने साधुओं से कहा- 'अगर हम ग्वालियर नहीं गए, तो हमारी द्वाराचार्य पीठ खत्म हो जाएगी। कुछ दिन बाद जब गंगादास वापस बड़ी शाला लौटे, तो देखा कि 745 साधुओं की लाशें पड़ी हुई थीं। ये सारे साधु अंग्रेजों से लड़ते हुए मारे गए थे। साधुओं के शवों का स्वर्णरेखा नदी के किनारे अंतिम संस्कार किया गया। आज भी हर साल बाबा गंगादास की बड़ी शाला में नागा साधुओं को श्रद्धांजलि दी जाती है। उनके शस्त्रों की पूजा की जाती है।

ब्रिटिश सैनिकों के हमले का सामना करतीं रानी लक्ष्मीबाई

कुंभ में ही 1857 की क्रांति की रणनीति बनी

साल 1855, क्रांतिकारी एक बड़े आंदोलन की तैयारी में जुटे थे। इसी बीच हरिद्वार में कुंभ लगा। पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र धुंधु पंत, उनके भाई बाला साहब, क्रांतिकारी अजीमुल्ला खां, तात्या टोपे और बाबू कुंवर सिंह भी हरिद्वार पहुंच गए। वे चार किलोमीटर खड़ी चढ़ाई करके नील पर्वत पर चंडी देवी मंदिर पहुंचे। वहां महर्षि दयानंद पहले से डेरा जमाए हुए थे।

दयानंद ने क्रांतिकारियों से कहा- किसी देश पर दूसरे देश का अधिकार कैसे हो सकता है। इसे सहन करना तो महापाप है।' '1855 के कुंभ में ही 1857 की क्रांति की नींव रखी गई। बड़े-बड़े नगरों में गुप्तचर कमेटियां बनाई गईं। सैनिक छावनियों, शहरों और गांवों में कमल के फूल और रोटियां बांटी गईं, ताकि घर-घर तक क्रांतिकारियों के संदेश पहुंचाए जा सकें। साधु-संत कथाओं के जरिए ज्यादा से ज्यादा लोगों को आंदोलन से जोड़ने की मुहिम चला रहे थे।'

1857 में मेरठ से शुरू हुआ विद्रोह जल्द ही इलाहाबाद पहुंच गया। 6 जून को मौलवी लियाकत अली ने इलाहाबाद और उसके आस-पास के इलाकों को आजाद करा लिया, लेकिन इसी बीच कर्नल नील फौज लेकर वहां पहुंच गया। उसने इलाहाबाद को भारी नुकसान पहुंचाया। साधु-संतों की छावनियां नष्ट कर दीं। संगम क्षेत्र में तोपें दागीं। जमीनें जब्त कर लीं।

अंग्रेजों ने 1858 के कुंभ को लगने नहीं दिया। सिर्फ परंपरा निभाई गई, लेकिन उसके अगले साल जब प्रयाग में माघ मेला लगा, तो सब कुछ बदल चुका था। प्रयाग के पंडों ने आंदोलन का मोर्चा संभाल लिया था। किले के ठीक नीचे ही पंडों ने कैंप लगाया। हर कैंप पर खास प्रतीक लग गए। ये प्रतीक आजादी से जुड़े थे।

किसी झंडे पर यूनियन जैक को जलते हुए तो किसी झंडे पर यूनियन जैक को नीचे गिरते दिखाया गया था। साधु के वेश में क्रांतिकारी कुंभ में घूम रहे थे। मीडिया का भी जमघट लगा था। इस वजह से क्रांतिकारियों को आसानी से सूचनाएं मिल जाती थीं। घबराए अंग्रेजों ने कई पंडों को मृत्युदंड दिया। कई पंडे प्रयाग छोड़कर भागने पर मजबूर हो गए।' 1 नवंबर 1858, इलाहाबाद में एक दरबार लगा। वायसराय लॉर्ड कैनिंग ने महारानी की घोषणा पढ़ी। इसमें लिखा था कि 250 साल के ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन खत्म होता है। अब भारत की सत्ता सीधे रानी के हाथों में होगी। कैनिंग ने यह भी कहा कि सरकार भारतीयों के धार्मिक मामलों में दखल नहीं देगी। कहा जाता है कि 1858 के कुंभ में क्रांतिकारियों की भूमिका से अंग्रेज घबरा गए थे। इसलिए वे धार्मिक मामलों में दखल नहीं देने पर जोर दे रहे थे।

'1915 में हरिद्वार में कुंभ लगा। इसी दौरान ब्रिटिश सरकार गंगा के ऊपर बांध बनवा रही थी। हरिद्वार के पुरोहित इस बांध का लंबे समय से विरोध कर रहे थे। उस साल मदन मोहन मालवीय भी कुंभ पहुंचे और साधु-संतों के विरोध में शामिल हो गए। उन्होंने कई रियासतों के राजा-महाराजाओं को आंदोलन से जोड़ा। राजाओं ने बांध निर्माण रोकने के लिए सेनाएं भेज दीं। मजबूरन अंग्रेजों को झुकना पड़ा। बांध बनाने का काम रोक दिया गया। इसी कुंभ में मदन मोहन मालवीय ने अखिल भारतीय हिंदू सभा की नींव रखी थी।'

साल 1915, दक्षिण अफ्रीका से लौटने के बाद महात्मा गांधी अपने राजनीतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले से मिले। गोखले ने उन्हें सलाह दी कि वे कुंभ जाएं। वहां देशभर से लाखों श्रद्धालु जुटे हैं। देश के बड़े जनमानस को समझने का मौका मिलेगा। गोखले ने गांधी को हरिद्वार में स्वामी श्रद्धानंद से मिलने की सलाह दी। श्रद्धानंद, हरिद्वार में अपने गुरुकुल में राष्ट्रभक्तों की फौज तैयार कर रहे थे। गांधी दो दिनों तक श्रद्धानंद के साथ रहे। सात दिन उन्होंने कैंप में गुजारे। तब करीब 17 लाख लोग कुंभ में शामिल हुए थे। इतनी भीड़ देखकर गांधी को लगा कि इस भीड़ की आस्था को आजादी के आंदोलन से जोड़ना चाहिए। इसके बाद गांधी, अंग्रेजों की नजर से बचकर 1918 के प्रयाग कुंभ में भी शामिल हुए। सरकारी दस्तावेजों के मुताबिक अंग्रेजों की खुफिया रिपोर्ट में गांधी के प्रयाग आने, संगम में डुबकी लगाने और लोगों से मुलाकात का जिक्र है। बाद में गांधी ने भी माना था कि वे प्रयाग कुंभ में शामिल हुए थे।

साल 1942, दूसरा विश्व युद्ध छिड़ा हुआ था। भारत को अंग्रेजों ने जबरन युद्ध में झोंक दिया था। 20 लाख से ज्यादा भारतीय सैनिक ब्रिटेन की तरफ से लड़ रहे थे। इससे भारत के बड़े नेता नाराज थे। अंग्रेज इस नाराजगी को भांप गए थे। इसी साल प्रयाग में कुंभ लगा। ब्रिटिश सरकार ने कुंभ से ठीक पहले रेल और बसों की टिकट बिक्री पर रोक लगा दी। सरकार ने कहा- 'जापान कुंभ में बम गिरा सकता है। लाखों लोग मारे जाएंगे।' हालांकि इसके बाद भी उस कुंभ में लाखों श्रद्धालु पहुंचे थे। इससे पहले 1918 के कुंभ के वक्त भी अंग्रेजों ने रेल और बसों की टिकट बिक्री पर रोक लगा दी थी। तब भी विश्व युद्ध चल रहा था। जानकार बताते हैं कि अंग्रेज कुंभ की भीड़ से डरे हुए थे। उन्हें लगता था कि इस भीड़ को आंदोलन के लिए उकसाया जा सकता है। अगर क्रांतिकारी ऐसा करने में सफल रहे, तो सरकार इसका सामना नहीं कर पाएगी।

क्राइम-पेट्रोल देखकर सराफा कारोबारी को मार डाला

मास्टरमाइंड मुंबई से अरेस्ट, बोला- आर्थिक तंगी थी, इसलिए कोरबा में भाई-दोस्त संग मिलकर लूट की रची साजिश

कोरबा, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में लूट करने गए नकाबपोशों ने सराफा कारोबारी गोपाल राय की हत्या कर दी। अब मास्टरमाइंड (पूर्व ड्राइवर) सूरज पूरी गोस्वामी को मुंबई के पनवेल से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने टीवी शो क्राइम पेट्रोल देखकर हत्या करने की साजिश रची थी। वारदात के बाद सूरज गिरफ्तारी की डर से मुंबई भाग गया था। एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने बताया कि, आरोपी का परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। इससे मुक्ति पाने के लिए सूरज ने अपने छोटे भाई आकाश पुरी गोस्वामी (व्यवसायी का ड्राइवर) और अपने दोस्त मोहन मिंज के साथ मिलकर लूटपाट की योजना बनाई। आरोपियों का इरादा था कि, दुकान की चाबी लेकर रात में जेवरात लूट लेंगे, लेकिन यह साजिश हत्या में बदल गई। पुलिस ने मंगलवार को एसपी कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हाई-प्रोफाइल हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस ने तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

सूरज पहले कारोबारी गोपाल राय का ड्राइवर था। अभी उसका भाई आकाश ड्राइवरी कर रहा था। साजिश में साथी मोहन मिंज को भी मिला लिया। 5 जनवरी को सूरज और मोहन प्लान के तहत कारोबारी के घर के पास निर्माणाधीन मकान और बगल के मंदिर में छुप गए।

मास्टरमाइंड (पूर्व ड्राइवर) सूरज पूरी गोस्वामी को मुंबई के पनवेल से गिरफ्तार कर लिया गया है

रविवार रात करीब 9:45 बजे आकाश ने कारोबारी को घर छोड़ा। बरामदे में एंगल पर चाबी हैंग कर चला गया। फिर इसकी जानकारी अपने दोनों साथियों को दी। उन्हें बताया कि, सेठ की पत्नी बीमार है। वो अपने कमरे में सो रही है। बेटा बाहर गया हुआ है। घर में घुसकर सूटकेस में रखे दुकान की चाबी ले आओ और घर के बाहर खड़ी क्रेटा कार लूटकर 2 किमी दूर उसके ज्वेलरी दुकान आ जाना। आधी रात को दुकान खोलकर सोने-चांदी के जेवरात लेकर भाग जाएंगे। जब नाकाबपोश सूरज और मोहन घर के अंदर चाबी लूटने घुसे, तो सेठ ने सूरज को देख लिया। विरोध करने पर धक्का-मुक्की हो गई। पहचान उजागर होने पर सूरज ने चाकू से कारोबारी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे वो लहूलुहान होकर जमीन पर गिर गए। दोनों आरोपी बाहर से घर बंद कर भाग गए। 10 मिनट में ही यह पूरी वारदात हुई है। रात करीब 10 बजे बेटा घर पहुंचा। दरवाजा खोलकर अंदर घुसा तो पिता खून से लथपथ पड़े थे। आनन-फानन में अपनी कार से अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बेटे ने इसकी सूचना पुलिस को भी दी। बेटे ने ड्राइवर से पूछा तो चाबी घर पर छोड़कर चले जाने की बात कही। आकाश को पता चल गया कि, कारोबारी की मौत हो गई है, पकड़े जाएंगे। इसलिए अपने साथियों को फोन कर कहा कि, कार लेकर बालको की ओर आओ। वहां गाड़ी खड़ी कर घर चले जाएंगे। फिर प्लान के तहत बालको रिसदा बस्ती में एक घर के बाहर क्रेटा कार खड़ी कर तीनों बाइक से अपने-अपने घर चले गए। वहीं, अटैची, फोन और डीवीआर को दर्री डैम में फेंक दिया। बताया जा रहा है कि, कारोबारी को अपने ड्राइवर पर भरोसा नहीं रहता था। इसलिए अधिकतर ड्राइवरों को बदलते रहता था।

सूरज पूरी गोस्वामी पहले ड्राइवर था। लेकिन लापरवाही बरतने पर उसे निकाल दिया गया था। अभी 3 महीने ही उसका भाई आकाश ड्राइवर बना था। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपियों तक पहुंचने के लिए 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। 80 से अधिक पुलिसकर्मियों को अलग-अलग टास्क दिया गया था। घटनास्थल और कार में खून के धब्बों के निशान से पुलिस को सुराग मिले।

एसपी सिद्धार्थ तिवारी बताया था कि, कार में ब्लड मिला। जिससे पता चल गया था कि एक आरोपी भी जख्मी हुआ है। इसलिए चोटिल युवक की तलाश की गई। वहीं, कुआं भट्टा निवासी ड्राइवर आकाश से पूछताछ की गई। लेकिन उसने जानकारी नहीं होने की बात कही।

एनकाउंटर में मिले 25 मोबाइल का यूज रंगदारी के लिए

मुठभेड़ में पकड़े गए अपराधी का खुलासा बरामद डायरी से भी मिले कई सुराग

हजारीबाग, 15 जनवरी (एजेंसियां)। पुलिस से हुई मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी गैंगस्टर आलोक उर्फ राहुल तुरी तो मारा गया पर उसके पास से बरामद डायरी ने जांच टीम को कई सुराग दे दिए हैं। साथ ही एनकाउंटर के दौरान गिरफ्तार आकाश करमाली ने भी पुलिस के सामने कई खुलासे किए हैं। आकाश के अनुसार, बरामद 25 मोबाइल का यूज केवल धमकी देने व रंगदारी मांगने के लिए किया जाता था। मौके से बरामद आलोक की डायरी से पुलिस को 500 से अधिक नाम और नंबर मिले हैं।

कार पलटने से दो लड़कियों की मौत

कोरबा, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में तेज रफ्तार कार के पलटने से दो युवतियों की मौत हो गई। दोनों मनाली टूर से लौटकर बिलासपुर के रास्ते कोरबा जा रहे थे। इस घटना का अब वीडियो सामने आया है। घटना पाली थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, मरने वालों की पहचान मोनिका चटर्जी (26) और दीक्षा राठौर (23) के रूप में हुई है। दोनों कोरबा के एमपी नगर कॉलोनी में रहते थे। दीक्षा राठौर लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सीपी राठौर की बेटी थी। उसकी मां प्रधान पाठक है।

बताया जा रहा है कि, दोनों युवतियां अपने दोस्तों के साथ मनाली घूमने गई थी। मंगलवार को वापस आने पर बिलासपुर से अपने दोस्त देवराज के साथ घर लौट रहे थे। इसी दौरान नेशनल हाईवे पर दोपहर करीब 3 बजे डिस्पोजल चौक के पास उनकी तेज रफ्तार कार अनकंट्रोल हो गई। कार क्रमांक सीजी 12 एएल 2600 को देवराज चला रहा था। हाई स्पीड होने के कारण उसने कंट्रोल खो दिया जिससे कार स्किड होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। दोनों लड़कियों की मौके पर मौत हो गई। जबकि पुरानी बस्ती निवासी देवराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सीने और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं।

स्थानीय लोगों से सूचना मिलने के बाद चैतमा चौकी पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची। मृतकों और घायल को 108 एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भेजा गया। उनके परिजनों को सूचना दी गई। आज बुधवार को शवों को पोस्टमॉर्टम करने के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। चैतमा चौकी प्रभारी चंद्रपाल खांडे का कहना है कि, घटना की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जहां घायल युवक से पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि मनाली से लौट रहे थे। ओवर स्पीड के कारण हादसा हो गया। फिलहाल, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

2000 करोड़ रुपये के घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

कवासी लखमा गिरफ्तार, भूपेश बघेल की सरकार में थे आबकारी मंत्री

रायपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को टीम ने पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को गिरफ्तार कर लिया है। कवासी लखमा बुधवार को तीसरी बार ईडी के दफ्तर में पूछताछ के लिए पहुंचे थे। पूछताछ के बाद ईडी की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि छत्तीसगढ़ में जब शराब घोटाले का मामला सामने आया था उस समय कांग्रेस की सरकार में कवासी लखमा आबकारी विभाग के मंत्री थे।

कवासी लखमा के घर में ईडी ने दिसंबर में रेड डाली थी। इसके बाद कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। ईडी की टीम ने दो बार उनसे पूछताछ की थी। इसके साथ ही उनसे संपत्ति का ब्यौरा भी मांगा गया था। कवासी लखमा ने कहा था कि ईडी की टीम मुझे जितनी बार बुलाएगी मैं जाऊंगा। मैं कानून का सम्मान करने वाला आदमी हूं।

ईडी के अधिकारियों ने कवासी लखमा ने तीसरी बार पूछताछ के लिए बुलाया था। इस दौरान ईडी ने कवासी से कहा था कि वह अपने सीए को भी साथ में लेकर आएं लेकिन कवासी लखमा अकेले ही ईडी के दफ्तर पहुंचे। कवासी लखमा ने बताया कि उनके किसी किसी काम से बाहर गए हैं जिस कारण से वह नहीं आए हैं।

कवासी लखमा के घर रेड के बाद ईडी ने अपने अधिकारिक बयान में कहा था कि कवासी लखमा के खिलाफ सबूत मिले हैं। वहीं, कवासी लखमा ने कहा था कि घोटाला हुआ है या फिर नहीं मुझे इसकी जानकारी नहीं है। मैं अनपढ़ आदमी हूं। अधिकारी जहां कहते थे मैं साइन कर देता था। छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच ईडी कर रही है। ईडी के अनुसार यह करीब दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला है।

ईडी का दावा है कि भूपेश बघेल की सरकार में आईएसएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के अवैध सिंडिकेट ने इस घोटाले को अंजाम दिया है। इस मामले में कई आरोपी जेल में बंद हैं। अनवर ढेबर, रायपुर के मेयर रहे एजाज ढेबर के भाई हैं।

झारखंड के 24 में से 19 जिले नक्सल फ्री

चाईबासा के जंगल में हैं माओवादियों के बड़े नेता, एक साल में नक्सल मुक्त होगा राज्य

रांची, 15 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड देश के उन पांच राज्यों में शामिल हैं, जहां अब भी नक्सली एक्टिव हैं। इनमें से पश्चिमी सिंहभूम जिले का मुख्यालय चाईबासा उन 12 जिलों की लिस्ट में है, जो सबसे अधिक नक्सल प्रभावित है। विभिन्न खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक चाईबासा के जंगलों में माओवादियों के पोलित ब्यूरो, सेंट्रल कमेटी और बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी के बड़े नक्सली डेरा जमाए बैठे हैं।

शेयर ट्रेडिंग में डबल प्रॉफिट का झांसा, 42 लाख की ठगी

कारोबारी से ऑनलाइन फ्रॉड, वेबसाइट से लोगों का डेटा खरीदता था मास्टरमाइंड

बिलासपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर साइबर रेंज ने ठगी का खुलासा करते हुए गिरोह के मास्टरमाइंड को पकड़ा है। मास्टरमाइंड चिराग ठाकोर को गुजरात से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में पता चला है कि, इनका गिरोह टारगेट करने के लिए वेबसाइट से लोगों के डेटा खरीदते थे। जानकारी के मुताबिक, शेयर ट्रेडिंग के बहाने गिरोह ने रायगढ़ जिले के व्यापारी से 42 लाख रुपए की ठगी की थी। धरमजयगढ़ निवासी आनंद अग्रवाल (45) को स्टॉक एक्सचेंज में शेयर खरीदने पर 3 करोड़ 48 लाख रुपए कमाने का झांसा दिया गया था। पीड़ित आनंद अग्रवाल की इलेक्ट्रिकल्स की दुकान है। ठगों ने शेयर खरीदने पर मुनाफे का झांसा देकर कुल 42 लाख रुपए ठग लिए। आनंद की रिपोर्ट के बाद यह मामला बिलासपुर साइबर रेंज तक पहुंचा। पुलिस ने रकम जमा कराए गए खातों की जांच शुरू की। पुलिस ने मोबाइल नंबर के सीडीआर खंगाले। इससे पुलिस को आरोपियों के गुजरात में होने के सुराग मिले। इसके बाद टीम गुजरात रवाना हुई। गिरोह के 3 सदस्यों को पकड़ा। लेकिन, मास्टरमाइंड फरार हो गया। उसे पकड़ने के लिए रेंज साइबर की टीम फिर से रवाना हुई। गुजरात के महेसाणा जिले में आरोपी चिराग जी ठाकोर (21) को ट्रेस किया गया। उसके घर ठाकोर वास से बिलासपुर की पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने पूरे गिरोह को ऑपरेट करने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि फर्जी सिम और बैंक खाते की मदद से शेयर ट्रेडिंग करने वालों को वे अपना शिकार बनाते थे। हाल में ट्रेडिंग शुरू करने वालों को शेयर मार्केट से अनजान मानते हुए ठगी करने वालों को रुपए मिलने की उम्मीद ज्यादा रहती है। इसके कारण ऐसे लोगों का नंबर ज्यादा रुपए देकर खरीदा गया। इनके फंसने के चांस भी अधिक होते हैं।

गार्ड को गोली मारकर 78 लाख की लूट

जांजगीर-चांपा, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जांगीर-चांपा में खोखरा स्थित शराब दुकान के पास दो बदमाशों ने शराब दुकानों से कैश कलेक्शन कर रही टीम से 78 लाख रुपए लूट लिए। बदमाशों ने सिक्योरिटी गार्ड के पैर में गोली मारकर वारदात को अंजाम दिया। घटना मंगलवार कर करीब साढ़े शाम 5 बजे की है। कैश कलेक्शन टीम में ड्राइवर समेत 3 लोग थे। टीम ने कई शराब दुकानों से कैश कलेक्शन किया था। जो बोलेरो वाहन (सीजी 12एजड 8733) में रखा था। गाड़ी का डोर नहीं खोलने पर बाइक सवार बदमाशों ने फायरिंग की। टीम सुबह 10 बजे कैश कलेक्शन करने निकली थी। इस टीम में कलेक्शन एजेंट धीरज सिंह के साथ ड्राइवर अमन सिंह और एक सिक्योरिटी गार्ड शैलेंद्र सिंह शामिल थे।

सक्रिय राजनीति में एंट्री के बाद रघुवर ने उड़ाई पतंग

कहा-बचपन की याद आ गई, पहली बार आयोजित हुआ पतंग महोत्सव

जमशेदपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के पूर्व राज्यपाल रघुवर दास ने सक्रिय राजनीति में एंट्री के बाद बुधवार को जमशेदपुर में पतंग महोत्सव का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने खुद भी पतंग उड़ाई और कहा-बचपन की याद आ गई। मैंने बचपन में काफी पतंग उड़ाई है। जमशेदपुर के सूर्य मंदिर परिसर में पहली पर पतंग महोत्सव मनाया गया।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने 10 जनवरी को भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और प्रदेश सदस्यता प्रभारी राकेश प्रसाद ने उन्हें ऑनलाइन सदस्यता दिलाई थी।

इधर, पतंग महोत्सव के इस ऐतिहासिक आयोजन में शहर के सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया और रंग-बिरंगी पतंगों से आसमान को सजा दिया। कार्यक्रम में पतंगबाजी के अलावा स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

पारंपरिक संगीत और नृत्य के साथ-साथ स्वादिष्ट झारखंडी व्यंजन भी परोसे गए। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी आयु वर्ग के लोगों ने इस उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं, रघुवर दास ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने पर्व त्योहार मनाने के लिए ऐसी व्यवस्था की है, जहां समाज के कमजोर तबके, जो गरीब हैं, उसकी रोजी रोटी की भी चिंता होती है। दीपावली देखिए कुम्हार भाई के जिंदगी में बदलाव आता है। रक्षाबंधन देखिए तो राखी बनाने वालों को रोजी रोटी की व्यवस्था होती है। उन्होंने कहा- उसी तरह मकर संक्राति पर पतंग उड़ाने की परंपरा हजारों सालों से चली आ रही है। हमारी जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ी को पूर्वजों के परंपरा के बारे में बताए।

ताड़मेटला नरसंहार में शामिल नक्सली समेत चार ने किया सरेंडर

40 से अधिक हिंसक घटनाओं में नाम, 32 लाख था इनाम

नारायणपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में चार नक्सलियों ने सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने वाले माओवादी नक्सली हिंसा की 40 से अधिक घटनाओं में शामिल थे और इन पर कुल 32 लाख रुपये का इनाम घोषित था। नक्सलियों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया। नक्सलियों ने कहा कि वह खोखली माओवादी विचारधारा तथा शीर्ष नक्सलियों द्वारा निर्दोष आदिवासियों के शोषण से निराश थे। इसी कारण उन्होंने सरेंडर करने का फैसला किया। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में एक दंपति भी शामिल है। उन्होंने कहा कि वे जिला पुलिस द्वारा शुरू किए गए 'निया नार निया पुलिस' (हमारा गांव, हमारी पुलिस) आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास अभियान से भी प्रभावित थे। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में से गांधी ताती उर्फ अरब उर्फ कमलेश और मैनू उर्फ हेमलाल कोर्राम माओवादियों की डिवीजनल कमेटी के सदस्य थे। एसपी ने बताया कि पड़ोसी बीजापुर जिले का निवासी कमलेश नक्सलियों के 'माड डिवीजन' और 'नेलनार एरिया कमेटी' में विभिन्न पदों पर काम कर चुका था और उसने आठ वर्षों तक नारायणपुर के नेलनार क्षेत्र के 50 से अधिक गांवों में आतंक फैला रखा था। उन्होंने बताया कि कमलेश 2010 में तत्कालीन दंतेवाड़ा जिले में हुए ताड़मेटला नरसंहार में कथित रूप से शामिल था, जिसमें 76 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई थी।

आग से अब तक 25 की मौत

30 लोग लापता, 12 हजार इमारतें खाक, हवा की रफ्तार घटने से राहत की उम्मीद

लॉस एंजिल्स, 15 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के लॉस एंजिलिस में लगी आग से मंगलवार तक 25 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 30 लोग लापता हैं। यहां पर 90 हजार लोगों को इमरजेंसी एग्जिट अलर्ट (शहर छोड़ने का अलर्ट) दिया गया है। पुलिस ने प्रभावित इलाकों से अब तक 50 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों पर लूटपाट, आग वाले इलाकों में ड्रोन उड़ाने और कर्फ्यू का उल्लंघन करने जैसे कई आरोप हैं।

मंगलवार को हवाओं की गति पूर्वानुमान से कम रही, जिससे रेस्क्यू दल को आग पर काबू पाने में काफी मदद मिली।

फिलहाल पैलिसेड्स और ईटन को छोड़कर बाकी जगहों पर आग को लगभग काबू कर लिया गया है। आग से अब तक 12 हजार से ज्यादा इमारतें नष्ट हो गई हैं, जबकि 155 वर्ग किलोमीटर का इलाका खाक हो

चुका है। नेशनल वेदर सर्विस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा- हम अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं। हालांकि मंगलवार को हवा की स्पीड उतनी नहीं रही, जिसकी आशंका जाहिर की गई थी। बुधवार को हालात में और सुधार हो सकता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डोनाल्ड ट्रम्प 20 जनवरी को राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करने के बाद प्रभावित इलाकों का दौरा कर सकते हैं। वहीं अमेरिकी संसद के निचले सदन के स्पीकर माइक जॉनसन का कहना है कि कैलिफोर्निया में वाटर मिसमैनेजमेंट हुआ है। वहां के लोकल लीडर्स आग को लेकर लापरवाह थे।

रॉयटर्स के मुताबिक लॉस एंजिलिस (एलए) में लगी आग से अब तक करीब 11.60 लाख करोड़ से लेकर 13 लाख करोड़ रुपए (135-150 बिलियन डॉलर) के नुकसान की आशंका है। यहां पर आग को कुछ हद तक काबू किया गया है। लोगों से मास्क पहने रहने की अपील की गई है। दूसरी ओर लॉस एंजिलिस पुलिस के मुताबिक ब्रेटनवुड स्थित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के घर में चोरी की कोशिश की गई। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि बाद में इन्हें छोड़ दिया गया।

लॉस एंजिलिस के सबसे पॉश इलाके पैलिसेड्स में जंगल की आग के चलते प्राइवेट फायरफाइटर्स की डिमांड तेजी से बढ़ गई है। यहां तक की कई अरबपति और बीमा कंपनियां संपत्ति को बचाने के लिए मुंहमांगी रकम देने को तैयार है। निजी फायरफाइटर्स की एक छोटी टीम (2 लोग एक गाड़ी) की लागत लाख रुपए प्रतिदिन हो सकती है, जबकि बड़ी टीम की लागत 8.30 लाख रुपए प्रतिदिन तक जा सकती है। बता दें कि अमेरिका में 45% फायरफाइटर्स निजी तौर पर काम करते हैं। इनमें से ज्यादातर सरकारी कॉन्ट्रैक्टर्स के तौर पर काम करते हैं। जिन्हें इसकी तुलना में काफी कम वेतन मिलता है।

साउथ कोरिया के पद से हटाए गए राष्ट्रपति गिरफ्तार

पुलिस सीढ़ी लगाकर घर में घुसी, पिछले महीने इमरजेंसी लगाई थी, संसद ने फैसला पलटा

सियोल, 15 जनवरी (एजेंसियां)। साउथ कोरिया में पद से हटाए गए राष्ट्रपति यून सुक-योल को पुलिस ने बुधवार को उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया है। योल पर 3 दिसंबर 2024 को देश में मार्शल लॉ लागू करने के लिए आपराधिक जांच चल रही है।

मार्शल लॉ (इमरजेंसी) के फैसले को देश की संसद ने 3 घंटे बाद ही पलट दिया था। इसके बाद 14 दिसंबर को संसद में योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाकर उन्हें पद से हटा दिया गया था। महाभियोग पर 14 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी, जिसके लिए योल को कोर्ट में पेश होना था।

योल कल कोर्ट में पेश नहीं हुए। इसके बाद जांच एजेंसियों की तरफ से उनके खिलाफ आज सुबह गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची पुलिस को मौके पर भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक गिरफ्तारी के लिए 1000 से ज्यादा

पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।

न्यूज एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के मुताबिक योल की सुरक्षा में लगे गार्ड्स ने पुलिस को रोकने के लिए बैरिकेडिंग की थी। योल समर्थक बड़ी संख्या में राष्ट्रपति आवास के बाहर प्रदर्शन करने पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने सीढ़ी का इस्तेमाल कर योल के घर में दाखिल हुई।

कोर्ट में पेश नहीं होने की वजह से कल से ही योल की गिरफ्तारी की आशंका जताई जा रही थी। रात से ही योल समर्थक प्रदर्शनकारी उनके घर के बाहर इकट्ठा होना शुरू हो गए थे। पुलिस को सत्ताधारी पार्टी के सांसदों और योल के वकीलों ने भी रोकने की कोशिश की थी। इससे पहले 3 जनवरी को पुलिस ने भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में गिरफ्तार करने की कोशिश की थी। हालांकि, तब पुलिस को राष्ट्रपति के 200 गार्ड्स ने गेट पर ही रोक दिया था। योल के घर के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी पहुंचे थे। करीब 6 घंटे तक चले हंगामे के बाद पुलिस को खाली हाथ ही वापस लौटना पड़ा था।

योल की गिरफ्तारी के बाद उनसे पूछताछ के लिए जांच एजेंसियों के पास 48 घंटे का समय है। इसके बाद औपचारिक तरीके से उनकी गिरफ्तारी के लिए कोर्ट से वारंट लेना होगा। योल के सलाहकार सियोक डोंग-हियोन ने गिरफ्तारी से पहले कहा था कि- यून सुक योल पूछताछ के लिए तैयार है, बशर्ते उन्हें गिरफ्तार करने आए अधिकारी वापस लौट जाएं।

दूसरी तरफ योल के खिलाफ महाभियोग की वैधता और विद्रोह से जुड़े आरोपों की सुनवाई के लिए कोर्ट के पास 14 दिंसबर के बाद से 180 दिन का समय है। सुप्रीम कोर्ट के 8 में से 6 जज अगर योल के खिलाफ वोट करते हैं, तो उन्हें दोषी करार दिया जाएगा।

अगर इस दौरान योल को दोषी साबित नहीं किया जा सका या महाभियोग अवैध घोषित हो जाता है, तो योल एक बार फिर साउथ कोरिया के राष्ट्रपति बन जाएंगे। साउथ कोरिया की संसद में कुल 300 सीटें हैं। इस साल की शुरुआत में हुए चुनाव में जनता ने विपक्षी पार्टी डीपीके को भारी जनादेश दिया था। सत्ताधारी पीपुल पावर को सिर्फ 108 सीटें मिलीं, जबकि विपक्षी पार्टी डीपीके को 170 सीटें मिलीं।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया भ्रष्टाचार केस में बरी

सुप्रीम कोर्ट ने 10 साल की सजा को पलटा, पिछले साल जेल से रिहा हुई थी

ढाका, 15 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी नेता खालिदा जिया को भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए खालिदा की 10 साल सजा को खारिज कर दिया। उन्हें पिछले साल अगस्त में जेल से रिहा किया गया था।

79 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। चीफ जस्टिस डॉ. सैयद रैफात की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने फैसले के पीछे खालिदा और बाकी लोगों पर बदले की मंशा से कार्रवाई करने का हवाला दिया।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक खालिदा जिया के अलावा, बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान और बाकी लोगों को भी रिहा कर दिया गया

है। इन सभी को जिया अनाथालय ट्रस्ट घोटाले से जुड़े मामले में दोषी बनाया गया था।

खालिदा जिया को 8 फरवरी 2018 को ढाका की स्पेशल कोर्ट ने जिया अनाथालय ट्रस्ट के नाम पर सरकारी पैसे का गबन करने के आरोप में 5 सुनाई गई थी। खालिदा के बेटे तारिक और अन्य 5 आरोपियों को भी 10 साल कठोर कारावास की सजा दी गई थी। इन पर 2.1 करोड़ बांग्लादेशी टका का जुर्माना भी लगा था। तारिक और अन्य 2 आरोपी फरार हो गए थे। जिया ने इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। इस पर कोर्ट ने 30 अक्टूबर 2018 को सुनवाई करते हुए सजा को बढ़ाकर 10 साल कर दिया था।

इसके बाद खालिदा ने सजा के खिलाफ लीव-टू-अपील यानी सीधे सर्वोच्च अदालत में चुनौती देने की अपील की थी। 5 साल तक कानूनी प्रक्रियाओं के चलते इसमें देरी होती रही।

खालिदा लंबे समय से बीमार चल रही हैं। इस महीने की शुरुआत में 7 जनवरी को वे इलाज के लिए लंदन गई हैं। उन्हें कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने एयर एम्बुलेंस उपलब्ध कराई थी। हसीना को लिवर सिरोसिस, हार्ट डिजीज और किडनी की बीमारी है। खालिदा जिया दो बार 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रह चुकी हैं।

अस्पताल में भारतीय मूल की नर्स पर धारदार चीज से हमला, हालत नाजुक

लंदन, 15 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन के ग्रेटर मैनचेस्टर के ओल्डम रॉयल अस्पताल में भारतीय मूल की एक लगभग 50 वर्षीय नर्स पर एक 30 वर्षीय मरीज ने धारदार चीज से हमला कर दिया। नर्स का नाम अचम्मा चेरियन है। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना शनिवार रात साढ़े ग्यारह बजे की है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने कहा कि अधिकारियों का मानना है कि किसी आम आदमी ने नर्स पर धारदार हथियार से हमला किया, जो चाकू नहीं था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अचम्मा चेरियन पर हमला उस वक्त किया गया जब वह अस्पताल की एक्यूट मेडिकल यूनिट में ड्यूटी पर थीं। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, अचम्मा चेरियन लगभग दस वर्षों से इस अस्पताल में काम कर रही हैं। वह अस्पताल के पास में ही रहती है।

पड़ोसियों ने मीडिया को बताया कि नर्स नियमित रूप से रात की शिफ्ट में काम करती हैं। एक व्यक्ति ने कहा, "जब से हम 2007 में यहां आए हैं, तब से वह यहां रह रही हैं।"

रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी की पहचान मोहम्मद रोमन हक के रूप में हुई है। उसे मैनचेस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया और उस पर हत्या के प्रयास और धारदार चीज रखने का आरोप लगाया गया। ऐसा बताया गया कि आरोपी ने अचम्मा चेरियन पर हमला इसलिए किया क्योंकि वह मेडिकल जांच के लिए इंतजार करने के कारण गुस्से में था।

स्वास्थ्य मंत्री ने दी प्रतिक्रिया

ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने इस घटना की निंदा करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "रॉयल ओल्डम अस्पताल में हुए इस भयानक हमले के बाद मेरी संवेदनाएं नर्स और उसके प्रियजनों के साथ हैं।

नर्स हमारे एनएचएस की रीढ़ हैं और उन्हें हिंसा के डर के बिना मरीजों की देखभाल करने में सक्षम होना चाहिए। हम ट्रस्ट के संपर्क में हैं और आगे भी अपडेट करेंगे।" स्थानीय सरकार मंत्री जिम मैकमोहन ने इस घटना को मूर्खतापूर्ण हमला करार दिया है।

अमेरिकी संसद में प्रस्ताव, जनवरी को तमिल लेंग्वेज मंथ बनाएं

भारतवंशी सांसद ने पेश किया, भारत विरोधी इल्हान उमर ने भी समर्थन किया

वॉशिंगटन, 15 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने जनवरी महीने को तमिल लेंग्वेज और हेरिटेज मंथ के तौर मनाने के लिए मंगलवार को संसद में प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव पेश करने के बाद राजा ने एक्स पर पोस्ट किया। राजा कृष्णमूर्ति ने संसद में पेश किए प्रस्ताव में बताया कि दुनिया भर में तमिल बोलने वालों की तादाद 8 करोड़ है। इनमें से 3.6 लाख अमेरिकी है। राजा ने लिखा कि इन लोगों के पोंगल का त्योहार बेहद खास है।प्रस्ताव में सांसद ने जिक्र किया कि तमिल दुनिया की सबसे पुरानी भाषा है।

अमेरिका में तमिल भाषियों से जुड़ी संस्था तमिल अमेरिकन्स यूनाइटेड ने इस प्रस्ताव के लिए राजा कृष्णमूर्ति का धन्यवाद किया। संस्था ने तमिल अमेरिकियों से इस प्रस्ताव को पास कराने में सहयोग करने के लिए कहा है। एक दूसरी संस्था फेडरेशन ऑफ तमिल संगम ऑफ नॉर्थ अमेरिकन (एफईटीएनए) ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया। संस्था ने कहा कि हम तमिलों के पास इस देश में योगदान के लिए बहुत कुछ है, हम इसे अपना घर कहते हैं। राजा कृष्णमूर्ति डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता है। वे 2017 में पहली बार अमेरिकी राज्य इलिनॉयस के एक जिले से सांसद के तौर पर चुने गए थे। उन्हें हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव दो समितियों का सदस्य भी बनाया गया था। राजा का जन्म 1973 में दिल्ली में हुआ था। वे बचपन में ही अमेरिका चले गए थे। उन्होंने वहां प्रिंसटन यूनिवर्सिटी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और हार्वर्ड लॉ स्कूल से कानून की डिग्री हासिल की। सांसद बनने से पहले वे इलिनॉयस के डिप्टी ट्रेजरर के तौर पर काम कर चुके हैं।

आतंकवादियों को पंजाब में राजनीतिक पार्टी नहीं चलाने देगा एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया : वीरेश शांडिल्य

अंबाला, 15 जनवरी (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्व हिन्दू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने आज मुक्तसर में अकाली दल वारिस पंजाब के गठन पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि आतंकवादी विचारधारा से जुड़े किसी भी राजनीतिक संगठन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की कि अकाली दल वारिस पंजाब को पंजीकरण से रोका जाए और ऐसे संगठनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया जाए। उन्होंने कहा इसके लिए वह गृहमंत्री अमित शाह एवं चुनाव आयोग आयुक्त से मिलेंगे । वहीं शांडिल्य ने 35000 हिंदुओं के कातिल एवं भारतीय सेना के जवानों को शहीद करने वाले आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाला, आतंकी अमृतपाल सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे जगतार सिंह हवारा के मुक्तसर में पोस्टर लगाए जाने की घटना की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह कृत्य देश की एकता और अखंडता के खिलाफ है, और इस मामले में तुरंत देशद्रोह के तहत कार्रवाई डीजीपी पंजाब करने के आदेश दें। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि अमृतपाल समर्थक पंजाब में निजी फायदे के लिए आतंकवाद फैलाने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया और विश्व हिन्दू तख्त किसी भी कीमत पर पंजाब में आतंकवाद को पनपने नहीं देंगे। उन्होंने कहा खालिस्तान ना पहले बना है और ना कभी बनेगा। पंजाब और भारत की अखंडता से खिलवाड़ करने वाले हर कट्टरपंथी और संगठन को करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने याद दिलाया कि अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के लिए सबसे पहले एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया ने पंजाब के राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा था। आतंकवादियों और खालिस्तान समर्थकों की राजनीतिक पार्टी बनाने की कोशिश को किसी भी

कीमत पर सफल नहीं होने देंगे। एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया पंजाब में मुंहतोड़ जवाब देगा और ऐसी किसी भी साजिश को नाकाम करेगा। शांडिल्य ने यह भी कहा कि पंजाब की जनता को इस खतरे के प्रति सतर्क रहना चाहिए और ऐसे संगठनों के ख़िलाफ़ जनआंदोलन तैयार करना चाहिए । उन्होंने वादा किया कि एंटी टेररिस्ट फ्रंट इंडिया इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाएगा और इसके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करेगा और पंजाब में मुंहतोड़ जवाब इस आतंकी पार्टी को देंगे और पंजाब के हर जिला स्तर में जाकर आतंकी पार्टी के देश विरोधी कार्यों के बारे में जानकारी देंगे।

भारत के दुश्मनों पर नरमी बरत रहा बांग्लादेश?

उल्फा उग्रवादी की उम्रकैद की सजा घटाकर 14 साल की

ढाका, 15 जनवरी (एजेंसियां)। बांग्लादेश की उच्च न्यायालय ने उल्फा उग्रवादी परेश बरुआ की उम्रकैद की सजा भी घटाकर 14 साल कर दी है। परेश बरुआ को साल 2014 में भारत के पूर्वोत्तर इलाके में हथियारों की तस्करी का दोषी पाए जाने के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी। बीते माह ही परेश बरुआ की मौत की सजा को घटाकर उम्रकैद में तब्दील कर दिया गया था। वहीं अब और दरियादिली दिखाते हुए उम्रकैद की सजा को भी घटाकर 14 साल कर दिया गया है। बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने पूर्व की बीएनपी सरकार में मंत्री रहे लुत्फोज्जमां बाबर को भी रिहा कर दिया है।

बाबर को पूर्वोत्तर भारत में अलगाववादी संगठन को हथियारों की तस्करी करने के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

दुनिया की 'सबसे गहरी' सोने की खदान की दहलाने वाली कहानी

2 .5 किमी नीचे महीनों फंसे रहे सैकड़ों खनिक, अब निकल रही लाशें

जोहांसबर्ग, 15 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका में एक सोने की खदान में 100 से ज्यादा खनिकों की मौत के बाद देश में हड़कंप मच गया है। नागरिक समूहों ने कहा है कि सैकड़ों खनिक महीनों से एक छोड़ दी गई सोने की खदान के अंदर फंसे हुए हैं। इसमें से कइयों की मौत भूख और प्यास के चलते हो गई है। अधिकारियों ने नवम्बर में बंद कर दी गई बफेल्सफोंटेन गोल्ड माइन में अवैध रूप से काम कर रहे लोगों को बाहर निकालने के लिए अभियान शुरू किया था। इसके तहत उनके भोजन और पानी की सप्लाई काट दी गई थी।

पुलिस का कहना है कि खनिक बाहर आ सकते हैं, लेकिन गिरफ्तारी के डरे से वे आने से मना कर रहे हैं। खनिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले समूहों ने इस दावे पर को खारिज किया है। समूहों का दावा है कि अधिकारियों के चलते ही देश की सबसे गहरी खदानों में से एक में लोग 2.5 किलोमीटर नीचे फंसे हुए हैं और बचाव अभियान महीनों पहले शुरू हो जाना चाहिए था। समाचार एजेंसी ने एपी के अनुसार, एक समूह ने दावा किया है कि 100 से अधिक लोग गंभीर परिस्थितियों में मारे जा चुके हैं और करीब 500 अभी भी फंसे हुए हैं। इनमें कई बीमार और भूखे हैं। यह साफ नहीं है कि जोहांसबर्ग से लगभग 150 किलोमीटर दूर स्थित स्टिलफोंटेन शहर के पास स्थित खदान में खनिक कितने समय से जमीन के अंदर हैं। लेकिन यह पक्का है कि वे कम से कम नवम्बर से वहां हैं, जब पुलिस ने पहली बार उन्हें बाहर निकालने की कोशिश की थी। स्थानीय समुदाय के कुछ लोगों का दावा है कि उनके रिश्तेदार लगभग जुलाई से खदान में है, जो छह महीने की अवधि है। दक्षिण अफ्रीका में दनिया की सबसे गहरी सोने की खदाने हैं, जिनमें से कुछ जमीन के अंदर कई

किलोमीटर तक पहुंचती हैं। सोने से समृद्ध दक्षिण अफ्रीका के कुछ हिस्सों में अवैध खनन आम बात है। जब फायदेमंद न रह जाने पर कंपनियां खदानों को बंद कर देती हैं, तो उनमें बचे हुए भंडार को खोजने के लिए अवैध रूप से खनिक प्रवेश करते हैं। कुछ बड़े समूह इन अवैध गतिविधियों को संचालित करते हैं, जो अपने मुनाफे के लिए कई महीनों तक जमीन के अंदर रहते हैं। ये अवैध खनिक समूह अपने साथ भोजन, पानी, जनरेटर और अन्य उपकरण ले जाते हैं। अंदर रहने के लिए अधिक आपूर्ति के लिए इन्हें सतह पर मौजूद लोगों पर निर्भर रहना होता है। पुलिस ने पिछले साल अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए खनिकों की आपूर्ति काट दी। उन रस्सियों को भी तोड़ दिया जिनका इस्तेमाल वे खदान में उतरने के लिए करते थे। आपूर्ति के लिए इस्तेमाल की जाने वाले पुली सिस्टम को भी तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका के एक मंत्री ने कहा कि इसका उद्येश्य उन्हें बाहर निकालना था। लेकिन अधिकार समूहों ने इस नीति की कड़ी आलोचना की है। खनिज मंत्री ग्वेडे मंताशे ने मंगलवार को साइट का दौरा किया और कहा कि अवैध सोने के व्यापार से खनिक लाभ नहीं कमाते हैं।

यहूदियों के लिए ढाल बना शिया मुस्लिम देश

ईरानी हमले की साजिश को किया नाकाम, इजरायल का है सच्चा दोस्त

बाकू/तेलअवीव, 15 जनवरी (एजेंसियां)। अजरबैजान की सीक्रेट सर्विस ने देश के यहूदी समुदाय पर बड़े आतंकी हमले की साजिश को विफल कर दिया है। बताया जा रहा है कि इन यहूदियों पर हमले के लिए ईरान से साजिश रची गई थी। इस संबंध में दो संदिग्धों जार्जिया के नागरिक अकिल असलानोव और अजरबैजान के नागरिक सेयहून इस्मायिलोव को एक यहूदी सेंटर के पास से अरेस्ट किया गया है। अजरबैजान एक शिया बहुल देश है और उसका अपने पड़ोसी शिया देश ईरान के साथ दुश्मनी है। अजरबैजान की इजरायल से बहुत अच्छी दोस्ती है। इजरायल अजरबैजान को जमकर हथियार सप्लाई करता है। इजरायली हथियारों की मदद से ही अजरबैजान की सेना ने आर्मीनिया को नगर्नो कराबाख में हराया था।

इजरायली मीडिया के मुताबिक यहूदी समुदाय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उनके शीर्ष नेता को मारने की साजिश थी जिन्हें अजरबैजान और इजरायल समेत दुनियाभर में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।

उन्होंने इजरायल और अजरबैजान के बीच दोस्ती मजबूत कराने में अहम भूमिका निभाई है। अजरबैजान की मीडिया ने बताया कि असलानोव मादक पदार्थों का एक तस्कर है और जब वह विदेश में था तब विदेशी खुफिया एजेंसी के एजेंटों ने उससे संपर्क किया था। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि इसके पीछे ईरान का हाथ था। रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी सेना आईआरजीसी यहूदियों और इजरायली लोगों के खिलाफ वैश्विक आंतकी अभियान चलाती रहती है। असलानोव को 2 लाख डॉलर दिया गया था ताकि यहूदी समुदाय के सदस्य की खुफिया निगरानी की जा सके।

इन दोनों लोगों ने इस यहूदी नागरिक के घर, वर्कप्लेस और आदतों को बारे में अपने हैंडलर को पूरी सूचना दे दी थी। इससे पहले यूएई में एक यहूदी रब्बी की हत्या कर दी गई थी। उन्हें उज्बेक आतंकियों ने मारा था और इसके पीछे भी कथित तौर पर ईरान का हाथ था। ईरान बेगिन-सादात सेंटर को अक्सर निशाना बनाता रहता है। इससे पहले अजरबैजान की खुफिया एजेंसी ने कई और हमले की साजिश को विफल किया था। ईरान के खिलाफ अजरबैजान और इजरायल दोनों ही एक-दूसरे के सहयोगी हैं। ये दोनों ही देश ईरान के अयातुल्ला के शासन का विरोध करते हैं।

गाजा हमले के बाद अजरबैजान ने जमकर तेल इजरायल को भेजा है ताकि लड़ाई को आगे जारी रखा जा सके। ईरान और तुर्की दोनों ही तेल बेचने का विरोध कर रहे हैं लेकिन अजरबैजान की सरकार इजरायल के साथ खड़ी है।

हमास के साथ सीजफायर के विरोध में उतरे इजराइली नागरिक

सरकार पर सरेंडर करने का आरोप लगाया, डील के समर्थन में भी प्रदर्शन

तेल अवीव, 15 जनवरी (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच सीजफायर डील के विरोध में इजराइली नागरिकों ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट की मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर आतंकियों के सामने सरेंडर करने का आरोप लगाया है। मंगलवार शाम डील के विरोध में सैकड़ों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे। प्रदर्शनकारी इस डील को भविष्य के लिए खतरा बता रहे हैं। दूसरी तरफ सीजफायर के समर्थन में भी प्रदर्शन हुए। हजारों प्रदर्शनकारी पिछले कई दिनों से सीजफायर की मांग कर रहे हैं। मंगलवार को सीजफायर से जुड़ी खबर मिलने

के बाद इन प्रदर्शनकारियों ने जश्न भी मनाया।

इजराइल और हमास में जल्द सीजफायर की घोषणा हो सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सीजफायर का पहला फेज 42 दिन को होगा। इजराइली अधिकारियों ने सोमवार को बताया था कि डील के पहले फेज में 33 बंधकों को रिहा किया जाएगा। इनमें से 5 इजराइल की महिला सैनिक होंगी। इसके बदले इजराइल 250 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। गाजा में सीजफायर को लेकर इजराइल और हमास के बीच लगभग सहमति बन गई है। इस डील में शामिल दो अधिकारियों के हवाले से यह खबर दी।

इस समझौते के लिए कतर की राजधानी दोहा में मिस्र, कतर और अमेरिका की मदद से बातचीत की गई। डील के लिए कल,14 जनवरी को आखिरी बातचीत हुई। कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल अल थानी ने इस बातचीत की मेजबानी की। इसमें इजराइल का प्रतिनिधित्व मोसाद चीफ डेविड बार्निया और शिन बेट चीफ रोनेन बार ने किया।

खेल प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा

सफलता की कुंजी है धैर्य और अनुशासन

उदयपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उदयपुर के खेड़ा कानपुर स्थित खेल मैदान में आयोजित 37वीं डांगी-पटेल समाज खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ऐसे आयोजनों को खेल प्रतिभाओं को मंच देने का महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेलों के प्रोत्साहन के लिए समर्पित प्रयास कर रही है। खेल-इन्फ्रास्ट्रक्चर, विज्ञान, विश्लेषण, परामर्श और पोषण के समावेश से एक नई खेल नीति लाई जा रही है। साथ ही खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रोत्साहन देकर उनका मनोबल बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने मिशन ओलंपिक्स प्रारंभ किया है, जिसके तहत 50 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलिंपिक खेलों के लिए विश्व स्तरीय ट्रेनिंग, किट और कोचिंग उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही केंद्र सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप) योजना के तहत भी सुविधाएं दी जा रही हैं।

राज्य में एक जिला एक खेल योजना लागू की जा रही है, जिसके तहत प्रत्येक जिले में प्रचलित खेलों की अकादमी स्थापित की जाएगी। जयपुर में 15 करोड़ रुपये की लागत से खिलाड़ियों के पुनर्वास की व्यवस्था भी की जा रही है। ग्राम पंचायत स्तर पर ओपन जिम और खेल मैदान बनाने का कार्य प्राथमिकता से किया जा रहा है। खेल बजट को भी चरणबद्ध तरीके से दोगुना करने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने राजस्थान के खिलाड़ियों की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पेरिस पैरालंपिक 2024 में राज्य के आठ खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें से तीन ने स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। इन पदक विजेताओं को 5 करोड़ रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स की तर्ज पर प्रदेश में खेलो राजस्थान यूथ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है।

इसके तहत पारंपरिक और स्वदेशी खेलों को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। साथ ही जयपुर में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए केंद्र सरकार से आग्रह किया गया है।

उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने पिछले एक साल में 60 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किए हैं। 15 हजार नियुक्तियां प्रक्रियाधीन हैं और 81 हजार पदों पर भर्तियों का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

समारोह में विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, श्रीचंद कृपलानी, उदयलाल डांगी, शांतादेवी और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से मेहनत और समर्पण के साथ अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने की अपील की।

नरेश मीणा को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत, केस डायरी की तलब

जयपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान समरावता गांव में हुई हिंसा और उपद्रव मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस से केस डायरी तलब की है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने नरेश मीणा की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिए। अब इस मामले में अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी।

नरेश मीणा के वकील ने किया ये दावा

दरअसल, नरेश मीणा की ओर से पैरवी कर रहे एडवोकेट डॉ. महेश शर्मा ने कोर्ट में तर्क दिया कि जब समरावता में हिंसा हुई, तब नरेश मीणा पहले से ही पुलिस हिरासत में थे। उनका कहना था कि राजनीति से प्रेरित होकर नरेश मीणा के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने अदालत को बताया कि नरेश मीणा पर कुल 24 केस दर्ज हैं, लेकिन यह सब राजनीति के चलते किए गए हैं।

हालांकि, कोर्ट ने यह भी सवाल उठाया कि मुख्य आरोपी होने के नाते नरेश मीणा पर हिंसा भड़काने का आरोप कैसे नहीं लगाया जा सकता?

क्या है थप्पड़कांड से जुड़ा पूरा मामला?

बताते चलें कि इस मामले में विवाद की शुरुआत तब हुई जब समरावता गांव में उपचुनाव के दौरान वोटिंग का बहिष्कार किया गया। निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने अधिकारियों पर जबरन मतदान कराने का आरोप लगाया। उन्होंने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर SDM अमित चौधरी को थप्पड़ जड़ दिया और धरने पर बैठ गए।

इसके बाद, पुलिस ने नरेश मीणा को हिरासत में ले लिया, लेकिन उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए उन्हें छुड़ा लिया। घटना के बाद पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसमें लाठीचार्ज और पथराव की घटनाएं सामने आईं थी। वहीं, हिंसा के बाद पुलिस ने मामले में 61 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनमें से 18 को टोंक जिला न्यायालय से और 40 को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

थप्पड़कांड में अब आगे क्या?

गौरतलब है कि अगर हाईकोर्ट से नरेश मीणा को इस मामले में जमानत मिलती है, तो उन्हें जेल से बाहर आने के लिए SDM थप्पड़कांड मामले में भी जमानत लेनी होगी। फिलहाल, इस मामले पर अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी।

हनुमान बेनीवाल के बिगड़े बोल

अधिकारियों को लताड़ा, कहा- सरकारी तनख्वाह ले रहे हो, मौज कर रहे हो

नागौर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। नागौर लोकसभा सीट से सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (RLP) के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बेनीवाल ने अधिकारियों को लताड़ते हुए नजर आ रहे हैं।

यह वीडियो जिला परिषद सभागार में हुई डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक का बताया जा रहा है, जिसमें नागौर कलक्टर और एसपी भी शामिल हुए थे। दरअसल कृषि मंडी तिराहे से गोगेलाव तिराहे तक पूरी सड़क को तोड़कर फोरलने बनाने का आदेश जारी हुआ था, लेकिन ठेकेदार ने केवल सड़क पर पेचिंग कर दी। इस बात से सांसद बेनीवाल नाराज हो उठे।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मामले की जांच करने के लिए दिल्ली से अधिकारियों की टीम आ रही है। जो सड़क और पुलिया दोनों की जांच करेगी। वहीं इस मामले में सीबीआई की भी एंट्री करवाई जाएगी। बेनीवाल ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता के मालिक बनने की कोशिश ना करें।

उन्होंने कहा कि जो अधिकारी और कर्मचारी भ्रष्टाचार करेगा वह रिटायरमेंट के बाद भी जेल जाने से नहीं बचेगा, क्योंकि कागज हमेशा बोलते रहेंगे। बैठक में कई अधिकारी रिपोर्ट लेकर नहीं पहुंचे थे। ऐसे में सांसद बेनीवाल इस बात से भी नाराज हो उठे। उन्होंने कहा कि यह तरीका ठीक नहीं है, आप सरकारी तनख्वाह ले रहो हो और मौज कर रहे हो।

सांसद बेनीवाल पहुंचे सरासनी गांव, धरनार्थियों से मिले

वहीं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल सरासनी गांव पहुंचे। यहां चार महीने से सीमेंट कंपनी की नीतियों के खिलाफ धरने पर बैठे किसानों मिलकर गत दिनों पुलिस की ओर से किसानों पर किए गए लाठीचार्ज की पूरी जानकारी लेकर पुलिस के इस कृत्य की निंदा की। सांसद ने किसानों से कहा कि बैठकर बात का हल निकाला जा सकता था, लेकिन कंपनी ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर किसानों पर लाठीचार्ज करवा दिया।

कंपनी को चेतावनी देते हुए कहा कि किसानों की भूमि अवाप्ति, मुआवजे सहित एक-एक बिंदु पर सकारात्मक हल नहीं निकाला गया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिनों में आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेंगे। जिले में कंपनी की मनमर्जी नहीं चलने दी जाएगी। सांसद ने कई नेताओं पर कंपनियों का मुनीम बनने का आरोप लगाया। रालोपा नेता अनिल बारुपाल ने बताया कि पुलिस ने शांतिपूर्वक धरने पर बैठे किसानों को जबरने उठाने का प्रयास किया महिलाओं व बुजुर्गों पर भी लाठियां बरसाई।

जमानत के बाद भी खुलकर नहीं जी सकेगा आसाराम, माननी होंगी कई कडी शर्तें

जोधपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जोधपुर हाईकोर्ट में आसाराम की अंतरिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। यह सुनवाई न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ में हुई। अदालत ने आसाराम की 31 मार्च तक की अंतरिम जमानत मंजूर की है, लेकिन इसके साथ कुछ शर्तें भी लगाई गई हैं।

कोर्ट ने आदेश दिया कि आसाराम राजस्थान के बाहर इलाज के लिए जा सकता है, लेकिन बड़ी सार्वजनिक सभाएं या सत्संग आयोजित नहीं कर सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि आसाराम जहां भी जाएगा, उनके साथ तीन पुलिसकर्मियों की तैनाती होगी और इनकी यात्रा का पूरा खर्चा खुद आसाराम को वहन करना होगा।

स्वास्थ्य स्थिति गंभीर

वकील यशपाल सिंह राजपुरोहित के अनुसार उन्हें अब तक दो बार दिल का दौरा पड़ चुका है और उनकी स्वास्थ्य स्थिति गंभीर बनी हुई है। अदालत ने कहा है कि आसाराम को देशभर में किसी भी अच्छे आयुर्वेदिक या एलोपैथिक चिकित्सा केंद्र में इलाज करवाने की अनुमति होगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, यह जमानत 31 मार्च तक वैध रहेगी। यदि जमानत अवधि बढ़ाने की जरूरत होगी, तो इसके लिए हाईकोर्ट में आवेदन किया जा सकता है।

शर्तों के साथ अंतरिम जमानत

कोर्ट के इस फैसले के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि आसाराम को अपनी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर कुछ राहत तो मिली है, लेकिन उन्हें नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। वहीं न्यायाधीश दिनेश मेहता एवं न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने कहा आरोपी की मेडिकल स्थिति पर सुप्रीम कोर्ट और यहां, दोनों जगह कोई विवाद नहीं है।

खंडपीठ ने सुप्रीम कोर्ट की ओर से लगाई गई शर्तों के साथ अंतरिम जमानत मंजूर कर ली। आसाराम को स्वास्थ्य कारणों के चलते 11 साल 4 माह 12 दिन बाद कोर्ट से अंतरिम जमानत के रूप में आंशिक राहत मिली है।

अनुयायियों में खुशी की लहर

वहीं दूसरी तरफ आसाराम की जमानत की खबर मिलते ही उसके अनुयायियों में खुशी की लहर छा गई। अनुयायियों ने पटाखे छोड़कर और नाच गाकर जश्न मनाया। बता दें कि आसाराम जोधपुर के एक निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में भर्ती था। अस्पताल के बाहर अनुयायियों की भारी भीड़ जमा थी। अस्पताल से बाहर निकलते ही माला पहनाकर आसाराम का स्वागत किया गया था।

जबरदस्त शीतलहर के चलते स्कूलों की छुट्टियां बढ़ीं 17 शहरों में बारिश की चेतावनी

जयपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर भारत से चलने वाली तेज हवाओं के प्रभाव और नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राजस्थान में जबरदस्त शीतलहर चल रही है। प्रदेश के कई शहरों में दिन में भी शीतलहर चल रही है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 17 शहरों में बारिश की चेतावनी भी जारी कर दी है। इनमें बीकानेर, भरतपुर, जयपुर और कोटा संभाग में हल्के से मध्यम स्तर की बारिश हो सकती है।

शीतलहर के प्रभाव के चलते राजस्थान के कई जिलों में स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। पहले शीतलहर और बारिश को देखते हुए कई जिलों में स्कूल की छुट्टियां 13-14 जनवरी तक बढ़ाई गई थीं लेकिन अब 16 जनवरी तक छुट्टी बढ़ाने के आदेश भी जारी हो रहे हैं। बूंदी में जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा ने सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में 16 जनवरी तक छुट्टी का ऐलान किया है। हालांकि यहां कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए स्कूल में छुट्टी की गई है।

डूंगरपुर में कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने आदेश जारी कर 16 जनवरी तक स्कूल में छुट्टी की घोषणा की है।

यहां आंगनवाड़ी केंद्र समेत कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के बच्चों के लिए सरकारी और गैर सरकारी स्कूल में अवकाश घोषित किया गया है। अजमेर में 16 कलेक्टर लोकबंधु ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के आधार पर जिले में शीतलहर शुरू होने व इसके असर के कारण तापमान में गिरावट होना संभावित है।

जिले में ठंड के प्रकोप को देखते हुए 16 जनवरी तक कक्षा 1 से 8वीं तक सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। अलवर में भी स्कूलों के अवकाश को बढ़ा दिया गया है।

ट्रांसफॉर्मर पर अटकी पतंग को उतारने चढ़ा बच्चा, करंट लगने से मौके पर ही मौत

नागौर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले के मकराना से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मकराना शहर में स्थित जामा मस्जिद के पास नौ साल का बच्चा पतंग उतारने के लिए विद्युत ट्रांसफॉर्मर पर चढ़ गया। जहां करंट लगने से बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मकराना थाना पुलिस ने शव को उप जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है। डीडवाना-कुचामन में मकराना उपखंड के गुलजारपुरा के जामा मस्जिद के पास इरफान (नौ) पुत्र सिकंदर निवासी कोलकाता पतंग उतारने के लिए विद्युत ट्रांसफॉर्मर के ऊपर चढ़ गया। उसकी मौके पर मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों को सूचना दी। लाइट कटवाई और उसको नीचे उतरवाया। वहीं, लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस शव को उप जिला चिकित्सालय में रखवाया है। बताते चलें, कोलकाता निवासी सिकंदर अपने परिवार को लेकर मकराना उपखंड के गुलजारपुरा में किराए पर रहे थे। इसफाना जामा मस्जिद के पास पतंग को लूटते-लूटते विद्युत ट्रांसफॉर्मर पर लटक रही पतंग को उतारने के लिए वह ट्रांसफार्मर के ऊपर चढ़ गया और करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जैसे ही इस घटना की जानकारी लोगों को मिली, स्थानीय लोगों ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों को सूचना देकर विद्युत आपूर्ति को बंद करवाया।

3 शहरों में बनेंगे ध्वनि प्रदूषण जांच केन्द्र

हर सेकंड मिलता रहेगा अपडेट

जयपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। कई शोध और सिफारिशों के बाद सामने आया है कि ध्वनि प्रदूषण आमजन के लिए कितना खतरनाक है। यह न केवल सुनने की क्षमता बल्कि हार्ट, ब्रेन और याददाश्त के लिए भी खतरा बनता जा रहा है।

इन सब दुष्परिणामों के बाद बाद अब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) जागा है और उसने इसपर नियंत्रण करने की तैयारी करनी शुरू कर दी है। अब जयपुर, जोधपुर और कोटा में ध्वनि प्रदूषण की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी। इसके लिए इन शहरों में रियल टाइम परिवेशी ध्वनि जांच केन्द्र बनाए जाएंगे। ये सब राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) की निगरानी में किया जाएगा। तीनों शहरों के आवासीय क्षेत्र, शांत क्षेत्र के अलावा व्यावसायिक व औद्योगिक क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए 4-4 केन्द्र बनाए जाएंगे और शहर में जगह-जगह डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, जिससे लोगों को ध्वनि प्रदूषण के बारे में आम आदमी भी जान सके। जल्द ही इसके टेंडर जारी होंगे और इसी वित्तीय वर्ष से इन शहरों में ध्वनि प्रदूषण की मॉनीटरियंग शुरू हो सकेगी।

आरएसपीसीबी की ओर से अभी माह में एक बार ही मैन्युअली ध्वनि की गुणवत्ता की जांच की जा रही है। प्रदेश के 36 शहरों में मंडल के कार्मिक आवासीय, शांत, व्यावसायिक और औद्योगिक क्षेत्रों में जाकर 178 स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण की जांच कर रहे हैं।

वाहनों की तेजी से बढ़ती संख्या और शहरों के बीच बने उद्योगों से निकल रहा धुआं लोगों की औसत आयु घटाने के साथ ही इंफ्लूएंजा वायरस के प्रासार की आशंका भी बढ़ा रहा है। एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) की एक रिपोर्ट के अनुसार वायू प्रदूषण के कारण भारतीय लोगों की आयु 5 वर्ष 8 माह घटने की आशंका है। इसके अनुसार वायु प्रदूषण वैश्विक बीमारी और मृत्यु का चौथा प्रमुख कारण बन चुका है।

थार सवार बदमाशों ने मचाया आतंक, आठ लोग गिरफ्तार

जयपुर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर में दो थार गाड़ियों में सवार युवकों ने सीके बिरला अस्पताल के पीछे खाली मैदान में क्रिकेट खेल रहे युवाओं पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास कर दहशत फैला दी। इस घटना के बाद पुलिस के मौके पर पहुंचने के बावजूद बदमाश उत्पात मचाते रहे। शिप्रा पथ थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बदमाशों को काबू में लिया। पुलिस की दो गाड़ियों की मदद से इन थार गाड़ियों को रोकने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। पकड़े गए आठ आरोपी धौलपुर, अलवर और भरतपुर के निवासी हैं और फिलहाल जयपुर में रहकर पढ़ाई कर रहे थे।

पुलिस ने दोनों थार गाड़ियों को सीज कर दिया है। गिरफ्तार युवकों के परिजनों को इस घटना की जानकारी दी गई है। पुलिस का कहना है कि घटना के पीछे के मकसद और युवकों के बैकग्राउंड की जांच की जा रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाया- मेरी सास को हथकड़ी का शौक, आप जरूर पूरा करना फिर कूद गई कुंड में

बीकानेर, 15 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के हदां थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और पारिवारिक तनाव के चलते एक महिला ने कुंड में कूदकर अपनी जान दे दी। मृतका दुर्गा कंवर ने मौत से पहले अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर अपनी पीड़ा व्यक्त की। दुर्गा कंवर ने अपने स्टेटस में लिखा, मिस यू मम्मी-पापा। मेरी सास को हथकड़ी लगाने का बहुत शौक है, आप इसे जरूर पूरा करना। यह संदेश पढ़कर परिवार और परिचितों में हड़कंप मच गया। मृतका के पिता देवीसिंह ने हदां थाने में दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है।

रिपोर्ट के अनुसार दुर्गा की शादी 2021 में दिलीप सिंह से हुई थी। शादी के बाद से ही मृतका के ससुर छैलूसिंह, सास कमा कंवर और ननद सोनू कंवर दहेज की मांग को लेकर दुर्गा को प्रताड़ित कर रहे थे। दुर्गा के भाई सांगू सिंह ने बताया कि उनकी बहन को लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ रहा था। घटना वाले दिन दुर्गा ने स्टेटस लगाया और इसके बाद कुंड में कूदकर अपनी जान दे दी।

थानाधिकारी हदां ओमप्रकाश सुथार ने बताया कि मृतका के पिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतका के भाई का कहना है कि मरने से पहले उसने अपने सोशल मीडिया पर स्टेटस लगाया कि मिस यू मम्मी-पापा मेरी सास को हथकड़ी लगाने का बहुत शौक है। आप उसकी ये हसरत पूरी करना। स्टेटस को देखकर जब हमने ससुराल वालों से पता किया तो पता चला कि दुर्गा की पानी के कुंड में डूबने से मौत हो गई है। मृतका के परिजनों ने दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच जारी है।

धर्मशाला के कमरे से चार शव मिलने से फैली सनसनी

करौली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन के लिए आए देहरादून के एक ही परिवार के 4 लोगों के शव करौली जिले की रामकृष्ण धर्मशाला में मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों में माता-पिता, बेटा और बेटी शामिल हैं। घटना टोडाभीम क्षेत्र की रामकृष्ण धर्मशाला की है, जहां 12 जनवरी को परिवार ने ठहराव किया था।

धर्मशाला के कर्मचारी ने सफाई के दौरान कमरे में चारों शव देखे और पुलिस को सूचना दी। कमरे में दो शव बिस्तर पर और दो जमीन पर पड़े थे। सूचना मिलने पर टोडाभीम थाना अधिकारी देवेंद्र शर्मा, चौकी प्रभारी सुरेश कुमार और करौली एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने जांच शुरू कर दी है।

चारों मृतक रायपुर (देहरादून) के एक ही परिवार के थे। मृतकों में सुरेंद्र कुमार (पिता), उनकी पत्नी कमलेश, बेटा नितिन कुमार और बेटी नीलम शामिल हैं। धर्मशाला में 12 जनवरी को नितिन कुमार के आधार कार्ड की आईडी से कमरा बुक किया गया था और 13 जनवरी को परिवार को चेकआउट करना था।

एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय के अनुसार मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है और उनके जल्द ही यहां पहुंचने की उम्मीद है। धर्मशाला के मैनेजर गुड्डू ने बताया कि परिवार संकट के निवारण के लिए मेहंदीपुर बालाजी धाम के दर्शन करने आया था। बहरहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

चीनी मांझा स्थानीय स्तर पर बनाया जा रहा है: सीपी सीवी आनंद

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त सीवी आनंद ने आज चीनी मांझा के उपयोग पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की। यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि चीनी मांझा चीन से आयात नहीं किया जा रहा है और उन्होंने स्पष्ट किया कि इसे स्थानीय स्तर पर बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा, "इसी वजह से बड़ी मात्रा में मांझा कम कीमत पर उपलब्ध है और यही वजह है कि अधिक लोग इसे खरीद रहे हैं।" उन्होंने कहा कि शहर में ई-कॉमर्स साइटों पर मांझा की बुकिंग और उनकी होम डिलीवरी भी चल रही है। उन्होंने कहा कि सभी ई-कॉमर्स गोदामों पर छापेमारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे चीनी मांझा का इस्तेमाल तभी रोक सकते हैं, जब लोग स्वेच्छा से आगे आएं। उन्होंने कहा, "मैं लोगों से अपील करता हूं कि कम से कम अभी के लिए चीनी मांझा का इस्तेमाल बंद कर दें।" दो लोग घायल हुए सरकार द्वारा चीनी मांझा के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने और पुलिस द्वारा कई मामले दर्ज किए जाने के बावजूद कुछ लोगों में कोई बदलाव नहीं आया है।

चीनी मांझा परिवारों में त्रासदी का कारण बन रहा है। जहां कुछ लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, वहीं अन्य गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में, कामारेड्डी जिले के रामारेड्डी में बाइक चला रहे जावेद सैलान नामक व्यक्ति के गले में चीनी मांजा फंसने से वह घायल हो गया और उसके गले से बहुत अधिक खून बहने लगा। स्थानीय लोगों ने जब देखा तो वे वहां से चले गए। उसे बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया गया।

जावेद सैलान की पहचान बाला कॉलोनी निवासी के रूप में हुई है। दूसरी घटना हैदराबाद के नारायणगुडा पुलिस थाने की सीमा में हुई। लंगरहाउस ट्रैफिक पुलिस अधिकारी के रूप में काम करने वाले शिवराज अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद नारायणगुडा फ्लाईओवर से नीचे उतर रहे थे, तभी चीनी मांझा उनके गले में लिपट गया, जिससे उनकी त्वचा कुछ हद तक फट गई। घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कलेक्टर को निरीक्षण में नहीं मिला कोई स्टाफ, सेवाएं समाप्त

नियमित कर्मचारियों पर भी गिरी गाज

नलगोंडा, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी उस समय आश्चर्यचकित रह गईं जब उन्होंने पाया कि गुर्रमपोडु गांव के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कार्यरत कोई भी कर्मचारी बुधवार को ड्यूटी पर नहीं आया। कर्मचारियों की अनाधिकृत अनुपस्थिति से नाराज होकर उन्होंने सभी संविदा कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने और नियमित कर्मचारियों को निलंबित करने के आदेश जारी किए।

कलेक्टर ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया और यह देखकर हैरान रह गईं कि कोई भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और अन्य कर्मचारी भी नहीं आए।

कलेक्टर ने फार्मासिस्ट श्याम, लैब टेक्नीशियन संध्या, डाटा एंट्री ऑपरेटर माधवी, अटेंडर श्रीनिवास, अरुण ज्योति और एलम्मा की सेवाएं समाप्त कर दीं। अटेंडर लक्ष्मीनगरयाना, फार्मासिस्ट भाग्यम्मा जैसे नियमित कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

श्री क्षत्रिय युवक संघ के तत्वाधान में बम्बई, बैंगलोर, पूना, हैदराबाद-सिकंदराबाद, विजयवाड़ा, राजमुंद्री, विशाखापट्टनम के स्वयं सेवकों के लिए आयोजित 5 दिवसीय माध्यमिक प्रशिक्षण एटीसी शिविर के समापन दिवस पर उपस्थित अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह, प्रेमसिंह, रामसिंह चारणिम, रतनसिंह, जुटसिंह, रणजीतसिंह, चन्दनसिंह व स्वयं सेवक।

श्री गोपाल गौशाला में संक्रांति पर

भजन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोपाल गौशाला, इब्राहिमपट्टनम में मकर संक्रांति के अवसर पर "कच्छ कड़वा पाटीदार समाज" एवं अन्य भक्तों द्वारा गौसेवा एवं भजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। गौशाला में गायों को हरी सब्जी, डलिया एवं गुड़ का भोग लगाकर गौसेवा की गयी। पाटीदार समाज के गौभक्तों ने भजन कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। गौशाला के चेयरमैन तुलसीराम बंसल, वाइस चेयरमैन सतबीर गर्ग, जाइंट मैनेजिंग ट्रस्टी अर्जुन गोयल, कोषाध्यक्ष विनोद गर्ग, गौशाला व्यवस्थापक राजुराम सेपटा, रमेश काबरा, विजय बंसल, सुरेश गोयल, सुनील सिंघल, वीरेन्द्र चौधरी, वालजी धनजी छाबटिया, रावजी धनजी, गोविन्दभन, मनोहर भाई लिम्बानी, खेतालाल जबनानी, प्रेम भाई डयानी, किसराभाई नकरानी, हंसराज भाई डयानी, यश लिम्बानी, धीरज भाई जबवानी, विमला देवी छबारिया, लीला बेन, विजयना बेन, हीना बेन, जयश्री व अन्य भक्त सहपरिवार उपस्थित थे।

तिरुमला में सुप्रभात सेवा फिर से शुरू हुई

तिरुमला, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। लगभग एक महीने के बाद बुधवार को तिरुमाला मंदिर में सुप्रभातम सेवा फिर से शुरू हुई। 16 दिसंबर को सुबह 6.57 बजे शुरू हुए शुभ धनुर्मासम के कारण, तिरुप्पावई ने 17 दिसंबर से श्रीवारी मंदिर में सुप्रभात सेवा की जगह ले ली। 14 जनवरी को धनुर्मासम के समापन के साथ, श्री वेंकटेश्वर स्वामी की पहली और सबसे महत्वपूर्ण जागृति सेवा, सुप्रभात सेवा 15 जनवरी से फिर से शुरू हुई।

योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)।वन, पर्यावरण, देवदास और संयुक्त मेदक जिला प्रभारी मंत्री कोंडा सुरेखा ने कलेक्टरों को सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया ताकि हर योग्य व्यक्ति को उनका लाभ मिल सके। मंत्री सुरेखा ने सुझाव दिया कि कांग्रेस पीपुल्स सरकार को इस महीने की 26 तारीख से लागू होने वाली नई योजनाओं को प्रतिबद्धता के साथ लागू करना चाहिए और सरकार के लक्ष्यों को पूरा करना चाहिए।

26 जनवरी 2025 को संविधान लागू होने के 75 वर्षों के संदर्भ में, कांग्रेस सरकार ने रायथु भरोसा, इंदिराम्मा आत्मीय भरोसा, नया राशन कार्ड अनुदान और इंदिराम्मा हाउस आवंटन योजनाओं को महत्वाकांक्षी रूप से लागू करने का निर्णय लिया है। इस संदर्भ में, मंत्री कोंडा सुरेखा ने मेदक, संगारेड्डी और सिद्दीपेट जिला कलेक्टर राहुल राज, वल्लूर क्रांति और मिक्कीलिनेनी मनु चौधरी से दिल्ली से गूगल मीट के माध्यम से एक तैयारी बैठक की। इस कार्यक्रम में कई एमएलसी, विधायक, संयुक्त मेडक जिले के जन प्रतिनिधि, संयुक्त मेडक जिले के नोडल अधिकारी हरि चंदना और विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया।

विश्वविद्यालय में प्रवेश करने से रोके गए अभिनेता मंचू

मंचू मनोज ने नारा लोकेश से की मुलाकात

तिरुपति, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता मंचू मनोज को उनके पिता और वरिष्ठ अभिनेता मंचू मोहन बाबू के साथ विवाद के बीच बुधवार को पुलिस ने मोहन बाबू विश्वविद्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया। हैदराबाद से रेनीगुंटा हवाई अड्डे पर उतरने के बाद मनोज और उनकी पत्नी मोनिका एक विशाल रैली के रूप में मोहन बाबू विश्वविद्यालय पहुंचे।

हालांकि, पुलिस ने अदालती आदेश का हवाला देते हुए उन्हें विश्वविद्यालय में प्रवेश करने से रोक दिया। मनोज के वहां पहुंचने की सूचना मिलने पर विश्वविद्यालय में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए। मनोज के बाद में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के पैतृक गांव नरवरिपल्ली गए और उनके बेटे एवं राज्य मंत्री नारा लोकेश से मुलाकात की। अभिनेता और उनकी पत्नी मंत्री के साथ 20 मिनट तक रहे। वहां से, दंपति पशु मेले में भाग लेने के लिए ए. रंगमपेटा की ओर रवाना हुए।

शरद पवार ने दाऊद इब्राहिम के सहयोगियों को दिया था अपना हेलिकॉप्टर

बीजेपी नेता विनोद तावड़े का सनसनीखेज दावा

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। बीजेपी नेता विनोद तावड़े ने शरद पवार पर दाऊद इब्राहिम के साथियों को हेलीकॉप्टर देने का आरोप लगाया है। यह आरोप शरद पवार के अमित शाह पर 'तड़ीपार' वाली टिप्पणी के बाद आया है। एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सोहराबुद्दीन शेख एनकाउंटर मामले में गुजरात से 'तड़ीपार' होने का जिक्र किया था। तावड़े ने पवार के इस बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने पवार पर दाउद के गुर्गों को अपने मुख्यमंत्री कार्यकाल में हेलीकॉप्टर उपलब्ध कराने का आरोप लगाया है। एनसीपी (एसपी) के प्रवक्ता महेश तापसे ने ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि यह बीजेपी की हताशा को दर्शाता है।

के.बी.आर. पार्क में स्थित गणेश भगवान की पूजा अर्चना करते हुए राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, प्रताप रेड्डी, संतोष अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया रानी, गोपाल बलदवा, प्रवीण अग्रवाल, अशोक कुमार लखोटिया, शंकर लाल अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, पी.सी. जैन, विजय अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, अशोक कुमार सरायवाला, दीपक सरायवाला, विनोद तिकमनी, डॉ. गुप्ता, अशोक रुंगटा आदि।

संजय ने मुझ पर हमला किया, पडी कौशिक रेड्डी ने आरोप लगाया

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के विधायक पडी कौशिक रेड्डी ने आज दावा किया कि जगित्याल विधायक संजय ने उन्हें यह कहकर उकसाया था कि वे बीआरएस पार्टी का पर्दाफाश करेंगे और उन्होंने कहा कि संजय ने ही उन पर हमला किया था और उन्होंने संजय पर हमला नहीं किया। आज यहां तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कौशिक रेड्डी ने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी ने मीडिया के माध्यम से तेलंगाना के लोगों को राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे अत्याचारों से अवगत कराने के इरादे से प्रेस वार्ता आयोजित की थी। उन्होंने कहा, अदालत के आदेश के अनुसार, करीमनगर शहर में कोई प्रेस वार्ता आयोजित नहीं की गई। मैं कुछ मीडिया और यूट्यूब चैनलों पर देख रहा हूं कि मैंने करीमनगर में एक प्रेस वार्ता आयोजित की। वे तेलंगाना के लोगों को गलत जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने उन पर मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, श्रीधर बाबू और पोन्नम प्रभाकर के कहने पर हमला किया और कहा कि पुलिस ने कांग्रेस के मंत्रियों और विधायकों के निर्देश पर उपद्रवियों की तरह व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि वह जिला कलेक्टर के निमंत्रण के अनुसार समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

पुलिस ने विधायक कौशिक रेड्डी को नोटिस जारी किया

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस इंस्पेक्टर पर हमले के सिलसिले में मसाब टैंक पुलिस ने बीआरएस पार्टी के विधायक पाडी कौशिक रेड्डी को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि विधायक को गुरुवार को पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश होना चाहिए। हालांकि कौशिक रेड्डी ने पुलिस को बताया कि वह एक कोर्ट केस में पेश होने के लिए करीमनगर जा रहा है और उसने यह भी कहा कि वह 1% जनवरी को पूछताछ के लिए पेश होगा।

बंजारा हिल्स इंस्पेक्टर राघवेंद्र की शिकायत पर कौशिक रेड्डी के खिलाफ पहले भी ड्यूटी में बाधा डालने और धमकी देने का मामला दर्ज किया जा चुका है। इस मामले में डीसीपी विजय कुमार ने मसाब बैंक इंस्पेक्टर परशुराम को जांच अधिकारी नियुक्त किया है।

हार्ट अटैक से एक्टर सुदीप पांडे का निधन, शोक में भोजपुरी इंडस्ट्री

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भोजपुरी की कई फिल्मों में उम्दा अभिनय करने वाले एक्टर सुदीप पांडे के निधन की खबर है। परिवार के अनुसार हार्ट अटैक पड़ने के कारण बुधवार सुबह 11 बजे उनका निधन हुआ है। कुछ दिनों पहले वह अपनी एक अपकमिंग फिल्म की शूटिंग में भी व्यस्त थे।

परेशानियों से घिरे हुए थे सुदीप सुदीप के निधन के बाद उनके एक दोस्त का कहना है कि वह काफी मुश्किल वक्त से गुजर रहे थे। दोस्त के अनुसार सुदीप का फिल्मी करियर अच्छा नहीं चल रहा था। सुदीप ने एक हिंदी फिल्म 'विक्टर' बनाई थी जिसमें काफी पैसे डूब गए। साथ ही सुदीप का दांपत्य जीवन भी काफी तनाव के दौर से गुजर रहा था। बिहार विधान सभा चुनाव के वक्त एक्टर ने एनसीपी ज्वाइन की थी और पार्टी में उसे कोई पद भी मिला था।

बिधूड़ी बोले- आतिशी सड़कों पर हिरनी जैसी घूम रहीं

पहले कहा था- उन्होंने बाप बदला; 10 दिन में 3 विवादित बयान, एक पर माफी मांगी

नई दिल्ली, 15 जनवरी(एजेंसियां)। दिल्ली की कालकाजी सीट से भाजपा उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने एक बार फिर सीएम आतिशी को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आतिशी दिल्ली की सड़कों पर हिरनी के जैसे घूम रही हैं।

बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल शीशमहल में रहते हैं। 2 करोड़ की कार चलाते हैं। उन्होंने शीला दीक्षित को जेल नहीं भेजा, बल्कि सोनिया गांधी की गोद में बैठ गए। केजरीवाल दिल्ली जल बोर्ड के 8 करोड़ हजम कर गए। इससे पहले 5 जनवरी को भी बिधूड़ी ने रोहिणी में हुई भाजपा की परिवर्तन रैली में कहा था कि आतिशी ने अपना बाप बदल लिया है। वे मार्लेना से सिंह बन गई हैं। उसी दिन भाजपा नेता ने प्रियंका गांधी पर कहा था कि जैसे ओखला और संगम विहार की सड़कें बना दी हैं, वैसे ही कालकाजी में सारी की सारी सड़कें प्रियंका गांधी के गाल जैसा बना दूंगा। हालांकि, बाद में बिधूड़ी ने बयान को लेकर माफी मांग ली थी। बिधूड़ी ने यह बयान रविवार को रोहिणी में हुई भाजपा की परिवर्तन रैली में दिया।

मानक कार्निवल 2025: शिक्षा, नवाचार और संस्कृति का भव्य उत्सव

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस), हैदराबाद ब्रांच ऑफिस ने अपने स्थापना दिवस को भव्यता के साथ मनाते हुए मानक कार्निवल 2025 का आयोजन संगमित्रा स्कूल, निजामपेट में किया। यह आयोजन शिक्षा, नवाचार और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1,000 से अधिक छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को एक साथ लाने का एक जीवंत मंच बना।

विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

इस भव्य आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। श्रीमती के. शिल्पावली, आईपीएस, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, हैदराबाद, ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने गुणवत्ता और मानकीकरण के महत्व को रेखांकित किया।

इसके अलावा, श्री माधव रेड्डी, संयुक्त रजिस्ट्रार, जेएनटीयू हैदराबाद, और श्री धर्मेंद्र राव, जिला विज्ञान अधिकारी, हैदराबाद, ने सम्मानित अतिथि के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

मकर संक्रांति पर जमकर हुई पतंगबाजी

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मकर संक्रांति के अवसर पर पूरे शहर में जमकर पतंगबाजी की गई। सुबह से पतंगबाजी का जो दौर चला तो देर रात तक लोग छतों पर समूह बना कर पतंगबाजी करते देखे गए। बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष एन.आर. लक्ष्मण राव ने मकर संक्रांति का त्योहार परिवार और करीबी दोस्तों के साथ उत्सवी और पारंपरिक तरीके से मनाया। लक्ष्मण राव और उनके संगठन के लोगों ने पतंग उड़ाने की पारंपरिक गतिविधि में भाग लिया, जो एकता और खुशी की भावना का प्रतीक है। पूरे शहर में आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से सज गया था, जो त्योहार के जीवंत कर गया। मकर संक्रांति, फसल पकने के मौसम का प्रतीक है, जो पूरे देश में उत्सवी माहौल पैदा करता है। प्रभु जी, साईनाथ, किरण, नीलेश, विशनवी, धनुष, दीक्षु, शेरस्टा और अन्य लोगों ने पतंबाजी में भाग लिया।

इसी तरह बोइनपल्ली के भावना कालोनी प्रथम रेसीडेंसी में जमकर पतंगबाजी का लुत्फ उठाया गया। माइनारिटी कमीशन तेलंगाना सरकार के पूर्व सलाहकार सदस्य ए. गौतम जैन, विनय सिंह जैन, गौरव गोयल, गगन सिसौदिया, प्रथम जैन, राजकुमार असाटी आदि ने जमकर पतंगबाजी की।

दाम्माईगुडा स्थित रामपल्ली में भी पतंग उत्सव आयोजित किया गया। इसमें विकास शर्मा , आनंद शर्मा, ओमप्रकाश जाट गुमानसिंह कानाराम जांगिड़ रामसिंह जाट राम कुमार जांगिड़ कपिल शर्मा रेखा देवी कांता देवी मधु शर्मा शुभम ,

कमलेश गौटीया गौतम शर्मा, आदित्य शर्मा महावीर सिंह आलोक आदि ने बडी संख्या में भाग लेकर पतंगबाजी का लुत्फ उठाया।

जामबाग के भाजपा पार्षद राकेश जयसवाल ने हिंदी नगर पतंगबाजी का आनंद लिया। उनके साथ में सुधीर, मयूर, रघु, रामकृष्ण, संदीप, हरिनाथ, शिव, सर्री, साईराम आदि भी पतंगबाजी में शामिल हुए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

फॉर्मूला ई रेस...

ईडी की प्राथमिकी में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के बेटे केटीआर आरोपी संख्या-1 के रूप में नामित किया गया है। इसके अलावा, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी अरविंद कुमार को आरोपी संख्या-2 और सेवानिवृत्त अधिकारी बीएलएन रेड्डी को आरोपी संख्या-3 के रूप में नामित किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, मामला करीब 55 करोड़ रुपये के भुगतान से जुड़ा है, जिसमें से कुछ भुगतान बिना अनुमोदन (अप्रूवल) विदेशी मुद्रा में किए गए थे और यह भुगतान फॉर्मूले-ई रेस के आयोजन के लिए किया गया था। बता दें कि पिछले बीआरएस शासन के दौरान 2023 नगरपालिका प्रशासन मंत्री थे।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने...

जस्टिस एम नागप्रसन्ना ने पारदर्शिता की आवश्यकता पर जोर दिया। अदालत ने कहा, लोकायुक्त को अब तक की जांच के सभी विवरण रिकॉर्ड में रखने होंगे। जांच की निगरानी पुलिस महानिरीक्षक लोकायुक्त करेंगे। रिपोर्ट अगली सुनवाई से एक दिन पहले प्रस्तुत की जानी चाहिए। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ वकील मनिंदर सिंह ने कहा, सीएम सिद्धारमैया की पत्नी ने विवादित भूमि स्थलों को सरेंडर करने की पेशकश की थी। यदि कोई सामान्य नागरिक जमीन मांगता है, तो प्रक्रिया कड़ी है। हालांकि, इस सरेंडर की प्रक्रिया तेजी से की गई। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील रवि वर्मा कुमार और अभिषेक मनु सिंघवी ने इन दलीलों को बेतुका बताते हुए खारिज कर दिया।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने बुधवार को मुडा मामले की जांच सीबीआई को स्थानांतरित करने की याचिका पर सुनवाई 27 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी। कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करने वाले न्यायमूर्ति एम नागाप्रसन्ना ने लोकायुक्त को 27 जनवरी तक जांच रिपोर्ट अदालत में सौंपने का निर्देश दिया। बहस के दौरान याचिकाकर्ता के वकील सिंह ने आरोप लगाया कि मूल फाइलें मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से गायब हैं। कोर्ट ने कहा कि हम हर चीज से निपटेंगे, लेकिन पहले लोकायुक्त को रिकॉर्ड पर अब तक की सभी चीजों का ब्योरा देना होगा। कोर्ट ने लोकायुक्त को 27 जनवरी तक जांच रिपोर्ट कोर्ट में सौंपने का निर्देश दिया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चैंपियंस ट्रॉफी ओपनिंग सेरेमनी में पाकिस्तान जा सकते हैं रोहित

17 फरवरी को हो सकता है इवेंट; 19 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

खेल डेस्क, 15 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान में अगले महीने चैम्पियंस ट्रॉफी का आयोजन होने जा रहा है। बीसीसीआई ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने के लिए मना कर दिया, जिसके बाद दुबई में टीम इंडिया अपने सभी मैच खेलेगी। बीसीसीआई की इस कंडीशन को मानने के बावजूद ऐसी खबर सामने आ रही हैं कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा आठ साल बाद हो रहे इस टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जा सकते हैं। इस खबर से सोशल मीडिया पर खलबली सी मच गई।

हालांकि न्यूज24 के संवाददाता विभू भोला के मुताबिक यह खबर पूरी तरह झूठी है और रोहित पाकिस्तान नहीं जा रहे है। बता दें कि भारतीय टीम ने आखिरी बार 2008 में श्रीलंका के खिलाफ एशिया कप फाइनल के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था। पिछली बार भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर एशिया कप के सुपर फोर स्टेज का मैच खेला था।

टीम इंडिया को इस मैच में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 19 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी पिछले 29 साल में पाकिस्तान में पहला आईसीसी टूर्नामेंट होगा। पाकिस्तान ने इससे पहले श्रीलंका के साथ 1996 क्रिकेट वर्ल्ड कप की सह-मेजबानी की थी।

19 फरवरी से शुरू होगा टूर्नामेंट

आठ टीमों का यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होगा और हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा। इसके ज्यादातर मैच पाकिस्तान में खेले जाएंगे, जबकि भारत अपने सभी मैच यूएई में खेलेगा। अगर भारत ग्रुप स्टेज के बाद नॉकआउट राउंड में पहुंचता है तो तब भी उसके सभी मैच यूएई में ही खेले जाएंगे। टूर्नामेंट का पहला मैच मेजबान पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच कराची में खेला जाएगा, जबकि भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला 23 फरवरी को दुबई में खेला जाएगा।

भारत बांग्लादेश के खिलाफ करेगा आगाज

भारत दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के साथ इस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में डिफैंडिंग चैम्पियन के रूप में उतरेगा, क्योंकि उसने 2017 में चिर प्रतिद्वंद्वी भारत को ही 180 रनों से रौंदकर खिताब पर कब्जा जमाया था।

टी20 टीम में सीएसके प्लेयर शिवम दुबे को नहीं मिला मौका

भड़क उठा पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा

मुंबई, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच वनडे और टी20 सीरीज का आगाज होने जा रहा है। पहले दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मैच 22 जनवरी को खेला जाएगा। जिसको लेकर पहले ही टीम इंडिया का ऐलान हो चुका है। जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स के एक धाकड़ खिलाड़ी को मौका नहीं मिला है, जिसपर पूर्व दिग्गज भड़कता हुआ दिखाई दिया।

शिवम दुबे को नहीं मिला टीम में मौका

इंग्लैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में शिवम दुबे को नहीं चुना गया है। हालांकि टी20 विश्व कप 2024 में दुबे टीम इंडिया का अहम हिस्सा थे और उन्होंने फाइनल मुकाबले में अच्छी पारी भी खेली थी। वहीं अब शिवम दुबे को इंग्लैंड के साथ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया में नहीं चुने जाने पर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने सेलेक्टर्स पर सवाल उठाया है। आकाश चोपड़ा का कहना है कि "शिवम दुबे कहां हैं? टी20 वर्ल्ड कप के बाद उन्हें किसी ने नहीं देखा, शिवम दुबे ने फाइनल में भी अच्छा प्रदर्शन किया और टी20 विश्व कप चैंपियन बने उन्हें इंग्लैंड सीरीज के लिए क्यों नहीं चुना गया?"

इसके अलावा इस सीरीज के रजत पाटीदार, रुतुराज गायकवाड़ और रियान पराग जैसे बल्लेबाजों को भी नहीं चुना गया है। इसको लेकर भी फैंस सवाल पूछ रहे हैं। रजत पाटीदार ने घरेलू क्रिकेट में कमाल का प्रदर्शन किया, लेकिन वे टीम इंडिया में जगह बनाने में असफल रहे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने के बाद नीतीश रेड्डी ने कमाल का प्रदर्शन किया। अपनी पहली ही टेस्ट सीरीज में नीतीश शतक लगाया। जिसके बाद अब सेलेक्टर्स ने इंग्लैंड सीरीज के लिए इस युवा ऑलराउंडर पर भरोसा जताया है।

टी20 सीरीज के लिए टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, अक्षर पटेल (उपकप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, वाशिंगटन सुंदर।

टीम इंडिया ने 400 रन बनाकर रचा इतिहास

स्मृति मंधाना-प्रतिका रावल के दम पर 72 घंटे में टूटा बड़ा रिकॉर्ड

राजकोट, 15 जनवरी (एजेंसियां)। आयरलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया. टीम इंडिया ने वनडे क्रिकेट में पहली बार 400 रनों का आंकड़ा छुआ. भारत का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 370 रन था लेकिन राजकोट के मैदान पर स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल के शतकों के दम पर टीम इंडिया ने 400 का आंकड़ा छू लिया. भारत ने सिर्फ 46 ओवर में 400 रन का स्कोर पार किया. भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए ये मुकाबला ऐतिहासिक हो गया है क्योंकि वनडे में 400 का स्कोर पार करने वाली वो पहली एशियाई टीम है.

महिला क्रिकेट में कितनी बार 400 पार?

महिला क्रिकेट में छठी बार किसी टीम ने 400 का आंकड़ा छुआ है. न्यूजीलैंड की टीम ने चार बार वनडे में 400 से ज्यादा रन बनाए हैं. वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ये कारनामा एक बार किया है. टीम इंडिया वनडे में 400 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली एशियाई टीम है. दिलचस्प बात ये है कि आयरलैंड के खिलाफ 4 बार 400 का आंकड़ा बन चुका है. एक बार डेनमार्क और एक बार पाकिस्तान की टीम के खिलाफ 400 से ज्यादा का स्कोर बना है. टीम इंडिया ने लगातार दो मैचों में 350 से ज्यादा रनों का स्कोर बनाया है ये भी भारतीय महिला क्रिकेट इतिहास में पहली बार हुआ है. न्यूजीलैंड ने लगातार तीन बार वनडे में 350 से ज्यादा रनों का स्कोर बनाया है.

टीम इंडिया ने 12 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में 370 रन बनाए थे जो कि उसका वनडे में सबसे बड़ा स्कोर था लेकिन महज 72 घंटे में टीम इंडिया ने ये रिकॉर्ड तोड़ डाला. टीम इंडिया को 400 के पार पहुंचाने में ओपनर स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल का अहम योगदान रहा. प्रतिका ने 129 गेंदों में 154 रनों की पारी खेली. वनडे क्रिकेट में ये उनका पहला शतक है. वहीं कप्तान स्मृति मंधाना ने महज 80 गेंदों में 135 रन बनाए. इस खिलाड़ी ने सिर्फ 70 गेंदों में शतक लगाया और वो वनडे क्रिकेट में सबसे तेज शतक लगाने वाली महिला भारतीय क्रिकेटर बन गईं.

आयरलैंड के खिलाफ बनाए 432 रन

टीम इंडिया ने आयरलैंड के खिलाफ 50 ओवर में 435 रन बनाए. प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना के शतक के अलावा विकेटकीपर ऋचा घोष ने 59 रनों की पारी खेली. टीम इंडिया की पारी के दौरान कुल 9 छक्के और 48 चौके लगे. आयरलैंड ने बेहद ही खराब गेंदबाजी करते हुए 29 एक्स्ट्रा भी दिए.

इंडिया ओपन बैडमिंटन- सिंधु और सात्विक-चिराग दूसरे राउंड में

5वीं सीड ली शिफेंग पहला मैच हारकर बाहर; किरण जॉर्ज ने उलटफेर किया

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले राउंड में भारत की पीवी सिंधु को जीत मिली है। उन्होंने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को सीधे गेम में हराया। दूसरी ओर लेट एंट्री लेने वालीं भारत की ही किरण जॉर्ज ने जापान की युशी तनाका को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया है।

दिल्ली के केडी जाधव इनडोर स्टेडियम में टूर्नामेंट ही शुरू हुआ। मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग की जोड़ी ने भी राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली। उन्होंने मलेशिया के मैन टी की जोड़ी को 23-21, 19-21, 21-16 से हराया। शादी के बाद पहले टूर्नामेंट में उतरीं सिंधु

सिंधु ने पिछले साल दिसंबर में ही शादी की थी। शादी के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रहीं सिंधु को पहला मैच जीतने के लिए महज 51 मिनट लगे। सुंग शुओ ने शुरुआती गेम में बढ़त बनाई, लेकिन सिंधु ने कमबैक किया और 21-14, 22-20 से मैच अपने नाम कर लिया। जापानी प्लेयर से भिड़ेंगी सिंधु

दूसरे राउंड में सिंधु का सामना वर्ल्ड नंबर-16 जापान की मनामी सुइजू से होगा। सिंधु ने मैच के बाद कहा, 'लंबे ब्रेक के बाद लय हासिल करना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन मैं सीधे गेम में मैच जीतकर खुश हूं। दूसरे गेम में मेरी शटल मिडकोर्ट में जा रही थी, लेकिन मुझे हमेशा भरोसा था कि मैं जीत सकती हूं।' 3 गेम में जीतीं किरण

किरण जॉर्ज ने 3 गेम तक चले मुकाबले को 21-19, 14-21, 27-25 से जीता। मुकाबला 1 घंटे 11 मिनट तक चला। ध्रुव कपिला और तनिषा कृष्टो की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने भी अपना पहला मैच जीत लिया। उन्होंने चीनी ताइपे के चेंग कुआन और ह्सू यिन-हुई को 8-21, 21-19, 21-17 से हराया। त्रिषा जॉली और गायत्री गोपीचंद की विमेंस डबल्स जोड़ी को पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ गया। उन्हें जापान की 5वीं सीड अरिसा इगाराशी और अयाको सकुरामोटो ने 21-23, 19-21 से हराया। 5वीं सीड प्लेयर को हार का सामना करना पड़ा

बड़ा उलटफेर मलेशिया की लियोंग जुन हाओ ने किया। जिन्होंने चीन की 5वीं सीड ली शि फेंग को 18-21, 21-17, 21-17 से हराकर बाहर कर दिया। वहीं विमेंस सिंगल्स में सिंगापुर की 7वीं सीड यो जिया मिन ने वियतनाम की थुई लिन्ह गुयेन को 19-21, 22-20, 21-5 से हराकर अगले राउंड में एंट्री कर ली।

छह महीने में ही खराब हुए पेरिस ओलंपिक के पदक

मनु भाकर के पदक बदले जाने की उम्मीद

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर के पेरिस ओलंपिक में जीते कांस्य पदक महज छह महीने में ही खराब पड़ने लगे और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता को उम्मीद है कि उनके ये पदक बदले जाएंगे। मनु उन खिलाड़ियों के बड़े समूह में से हैं जिन्होंने शिकायत की है कि उनके पदक खराब हो चुके हैं। मालूम हो कि पिछले साल जुलाई-अगस्त में पेरिस ओलंपिक का आयोजन हुआ था जिसमें मनु ने अलग-अलग वर्ग में दो कांस्य अपने नाम किए थे।

कई एथलीटों ने की है शिकायत

हाल के दिनों में दुनिया भर के कई एथलीटों ने सोशल मीडिया पर खराब हुए पदकों की तस्वीरें पोस्ट की थी। यह पता चला है कि मनु के पदकों का रंग उतर गया है और वे खराब स्थिति में हैं।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने कहा कि क्षतिग्रस्त पदकों को मोनैई डे पेरिस (फ्रांस का राष्ट्रीय टकसाल) द्वारा व्यवस्थित रूप से बदला जाएगा। खिलाड़ियों को मिलने वाला नया पदक पुराने के समान ही होगा। प्रत्येक ओलंपिक पदक के केंद्र में लगे लोहे के टुकड़ों का वजन 18 ग्राम (लगभग दो-तिहाई औंस) होता है।

मोनैई डे पेरिस फ्रांस के लिए सिक्के और अन्य मुद्रा तैयार करती है। पेरिस ओलंपिक की आयोजन समिति सभी क्षतिग्रस्त पदक बदलने के लिए मोनैई डे पेरिस के साथ मिलकर काम कर रही है। पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक 2024 में दिए गए पदकों में प्रतिष्ठित एफिल टॉवर के टुकड़े शामिल थे। पेरिस 2024 के लिए 5084 स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक महंगे आभूषण और घड़ी बनाने वाली कंपनी चौमेट द्वारा डिजाइन किए गए थे और मोनाई डे पेरिस ने इनका निर्माण किया था।

मनु एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली आजाद भारत की पहली खिलाड़ी हैं। उन्होंने व्यक्तिगत 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इन खेलों में भारत के पदक का खाता खोला था। वह ओलंपिक पदक जीतने वाली देश की पहली महिला निशानेबाज बनीं थी। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने इसके बाद सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीता था।

खेल रत्न से होंगी सम्मानित

मनु को पेरिस ओलंपिक में उनके शानदार प्रदर्शन के दम पर खेल पुरस्कार से सम्मानित करने का फैसला किया गया था। मनु उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जिसे खेल के सर्वोच्च व्यक्तिगत पुरस्कार खेल रत्न से सम्मानित किया जाएगा। खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024 का एलान हाल ही में किया गया था। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में विजेताओं को सम्मानित करेंगी।

भारतीय पुरुष टीम ने नॉकआउट की ओर बढ़ाए कदम

महिला टीम की दक्षिण कोरिया पर बड़ी जीत

नई दिल्ली, 15 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष और महिला खो खो टीम ने विश्व कप में अपने-अपने मुकाबले जीते। पुरुष टीम ने अपने कौशल और रणनीति का शानदार नमूना पेश करते हुए ब्राजील को 64-34 से हराकर खो खो विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। वहीं, महिला टीम ने अपने शुरुआती मैच में दक्षिण कोरिया के खिलाफ पूरा दबदबा बनाते हुए 175-18 से शानदार जीत हासिल की।

ब्राजील के खिलाफ की वापसी

पुरुष टीम ने इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में दर्शकों के अपार समर्थन के बीच अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन किया। ब्राजील ने अपने आक्रमण में अच्छी शुरुआत की और 16 अंक अपने नाम किए, लेकिन भारत ने मजबूत वापसी की। भारत ने ड्रीम रन के दौरान दो अंक अर्जित किए। भारत ने दूसरे टर्न में अच्छा प्रदर्शन किया तथा रोकेसन सिंह, पबनी सबर और आदित्य गणपुले के अच्छे खेल के दम पर अपने अंकों की संख्या 36 पर पहुंचाई। ब्राजील ने इसके बाद अच्छी चुनौती पेश की लेकिन भारतीय खिलाड़ियों के अनुभव के सामने वह कोई चमत्कारिक परिणाम हासिल नहीं कर पाए।

महिला टीम ने दक्षिण कोरिया को किया चित

भारतीय महिला टीम के ड्रीम रन और रक्षात्मक रणनीति का दक्षिण कोरिया के पास कोई जवाब नहीं था। चैत्रा बी, मीरू और कप्तान प्रियंका इंगले ने लगातार ड्रीम रन के साथ भारत के लिए माहौल तैयार किया, जिससे टीम के शुरुआती दोनों बैच ने एक-एक अंक हासिल किए। इस रणनीतिक शुरुआत ने टीम को कोरिया के 10 टच-प्वाइंट के असर को कम करने में मदद की। नसरीन शेख, प्रियंका और रेशमा राठौड़ की भारतीय तिकड़ी ने इसके बाद शानदार आक्रामक खेल से कोरिया को 90 सेकेंड में ऑलआउट कर दिया। टीम ने इसके 18 सेकेंड के बाद कोरिया को दूसरी बार ऑलआउट कर मैच में 22 अंक की बढ़त कायम कर ली।

रेशमा ने छह टच-प्वाइंट जुटाए, जबकि मीनू ने डाइव्स से 12 अंक बनाए। शुरुआती दो टर्न के बाद भारतीय टीम ने 94-10 की बढ़त के साथ मैच को दक्षिण कोरिया की पकड़ से लगभग दूर कर दिया। टीम ने तीसरे और चौथे टर्न में भी इस गति को बनाए रखा। दक्षिण कोरिया की टीम तीसरे टर्न में सिर्फ आठ अंक जुटा सकी। भारतीय टीम ने चौथे टर्न में लगातार अंक जुटाते हुए कोरिया को वापसी करने का मौका नहीं दिया।

संघर्षपूर्ण जीत के बाद मेदवेदेव ने खोया आपा, नेट से जुड़े टीवी कैमरे को रैकेट से मारा

मेलबर्न, 15 जनवरी (एजेंसियां)। रूस के डेनिल मेदवेदेव ऑस्ट्रेलियन ओपन में शुरुआती दौर से बाहर होने की दहलीज पर थे, लेकिन विश्व रैंकिंग में 418वें स्थान पर मौजूद कासिडित समरेज के खिलाफ आखिरकार संघर्षूर्ण जीत दर्ज करने में सफल रहे। मेदवेदेव मैच तो जीत गए, लेकिन अपनी भावनाओं को काबू में नहीं रख सके और उन्होंने नेट से लगी एक छोटे टेलीविजन कैमरे पर रैकेट से वार कर दिया।

पांचवी वरीयता प्राप्त रूस के मेदवेदेव पांच सेट तक चले इस मुकाबले को 6-2, 4-6, 3-6, 6-1,6-2 से जीतने में सफल रहे। वह हालांकि तीसरे सेट को गंवाने के बाद मैच में 1-2 से पीछे होने के बाद अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख सके और उन्होंने रैकेट से कैमरे पर प्रहार कर दिया। वाइल्ड कार्ड से टूर्नामेंट में जगह बनाने वाले थाईलैंड के समरेज का यह किसी ग्रैंडस्लैम का पहला मैच था। मेदवेदेव ने अंक से चूकने पर गुस्से में रैकेट को नेट पर पांच बार मारा, जिससे वहां लगा छोटा कैमरा टूट गया। इसके लिए उन्हें चेयर अंपायर से चेतावनी भी मिली। उन्होंने मैच में कुल 24 एस लगाए।

यूएस ओपन 2021 के विजेता और ऑस्ट्रेलियन ओपन के तीन बार के उपविजेता मेदवेदेव ने मैच के बाद मजाकिया लहजे में कहा, मुझे पता है कि जब मैं अधिक टेनिस खेलता हूं तो मैं बेहतर खेलता हूं। मुझे लगा कि अच्छे शॉट खेलने के बाद भी मैं अंक नहीं बना पा रहा था।

हाल ही में 38 वर्ष की उम्र में ऑकलैंड क्लासिक का खिताब जीतकर दुनिया के दूसरे सबसे उम्रदराज टूर विजेता बनने वाले फ्रांस के गेल मोंफिल्स ने पांच सेटों के संघर्ष में 30वीं वरीय हमवतन 21 वर्षीय जिओवानी मपेत्सी पेरीकार्ड को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। उन्होंने 7-6, 6-3, 6-7, 6-7 ,6-4 से जीत हासिल की। मोंफिल्स यहां 2016 और 2022 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। पेरीकार्ड बीते वर्ष विंबलडन के चौथे दौर तक पहुंचे थे। मोंफिल्स ने कोई ग्रैंडस्लैम नहीं जीता है, लेकिन वह सर्वाधिक ग्रैंडस्लैम एकल जीतने वाले फ्रांस के खिलाड़ी हैं।

13वीं वरीय डेनमार्क के होल्गर रूने को भी जीतने के लिए पांच सेटों का सहारा लेना पड़ा। उन्होंने चीन के झांग झिजेन को 4-6, 6-3, 6-4, 3-6, 6-4 से हराया। हालांकि चौथी वरीय अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज को जीतने में कोई दिक्कत नहीं हुई। उन्होंने जेंसन ब्रूक्सबी को 6-2, 6-0, 6-3 से हराया। महिला वर्ग में आठवीं वरीय अमेरिका की एमा नवारो को जीतने के लिए कोर्ट पर तीन घंटे 20 मिनट बिताने पड़े। उन्होंने अपनी साथी पेयटन स्टर्न्स को 6-7, 7-6, 7-5 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। छठी वरीय कजाखस्तान की एलिना रिबाकीना ने 16 वर्षीय एमर्सन जोंस को 6-1, 6-1 से हराया।

बोपन्ना-निकोलस की जोड़ी पुरुष युगल के पहले दौर में हारकर बाहर, स्पेन के पेड्रो-मुनार ने हराया

मेलबर्न, 15 जनवरी (एजेंसियां)। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस की जोड़ी पेड्रो मार्टिनेज और जाउमे मुनार की स्पेनिश जोड़ी से हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष युगल स्पर्धा से बाहर हो गई। बोपन्ना और बैरिएंटोस को लगभग दो घंटे तक चले मैच में 5-7, 6-7 से हार का सामना करना पड़ा। भारत और कोलंबिया की 14वीं वरीय जोड़ी ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन अहम क्षणों में वे पिछड़ गए और स्पैनिश जोड़ी जीत सुनिश्चित करने में सफल रही।

बोपन्ना और उनके जोड़ीदार ने मजबूत शुरुआत की और शुरुआती गेम में अपनी सर्विस बरकरार रखी। स्पेन की जोड़ी ने हालांकि धीरे धीरे लय पकड़ी और बेसलाइन पर प्रदर्शन में निरंतरता दिखाई। स्पेनिश जोड़ी ने अहम ब्रेक प्वाइंट बनाकर पहला सेट जीता। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा लेकिन टाइब्रेकर में स्पेनिश जोड़ी ने जीत दर्ज की। 44 वर्ष के बोपन्ना ने 2024 में ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ इस टूर्नामेंट में पुरुष युगल का खिताब जीता था। वह ओपन युग में ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने थे।

बोपन्ना और एबडेन ने हालांकि पिछले साल नवंबर में तूरिन एटीपी फाइनल्स के बाद अलग होने का फैसला लिया। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल भी पहले दौर में चेक गणराज्य के थॉमस माचाक से हारकर बाहर हो गए।

"कालेश्वरम-मंथनी-रामगिरी' गलियारे को पर्यटन सर्किट में तब्दील करें: श्रीधर बाबू

आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात की।

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को "कालेश्वरम-मंथनी-रामगिरी' गलियारे को एक प्रतिष्ठित आध्यात्मिक और विरासत पर्यटन सर्किट में तब्दील करने का एक महत्वाकांक्षी प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा कि अपने अद्वितीय सांस्कृतिक महत्व, कालातीत वास्तुकला और लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ, गंतव्यों की यह तिकड़ी भारत में पर्यटन को फिर से परिभाषित करने की क्षमता रखती है।कालेश्वरम मुक्तेश्वर मंदिर के महत्व को समझाते हुए उन्होंने कहा कि यह पवित्र गोदावरी नदी के शांत तट पर स्थित है और यह एक दिव्य चमत्कार है जिसकी आध्यात्मिक विरासत एक हजार साल से भी अधिक पुरानी है।उन्होंने कहा कि "दक्षिण काशी' (दक्षिण का वाराणसी) के रूप में प्रतिष्ठित इस मंदिर के गर्भगृह में दो शिवलिंग हैं - एक मुक्तेश्वर (भगवान शिव) और दूसरा कालेश्वर (भगवान यम) का प्रतीक है। मंत्री श्रीधर बाबू ने सोमनाथ, केदारनाथ और काशी जैसे आध्यात्मिक स्थलों के साथ समानताएं बताते हुए इसके अद्वितीय महत्व पर विस्तार से बताया।

कालेश्वरम मंदिर सिर्फ पूजा स्थल नहीं है; यह एक आध्यात्मिक शक्ति है जो सालाना लाखों भक्तों को आकर्षित करती है। इस साल के सरस्वती पुष्करलु में 30-40 लाख तीर्थयात्रियों के आने की उम्मीद है, और 2027 में गोदावरी पुष्करलु में एक करोड़ से अधिक आगंतुक आ सकते हैं। केंद्रीय सहायता से हम इस मंदिर को विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और इको-पर्यटन केंद्र में बदल सकते हैं, जिसमें वैश्विक आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाने वाली सुविधाएं होंगी।," उन्होंने रामगिरी किले के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि जहां इतिहास पौराणिक कथाओं से मिलता है, अपनी 1,200 साल पुरानी विरासत के साथ परिदृश्य पर ऊंचा, उन्होंने कहा कि रामगिरी किला इतिहास और किंवदंती का खजाना है। श्रीधर बाबू ने कहा कि रामायण में इसका उल्लेख, भगवान राम को समर्पित प्राचीन मंदिर, झरना झरने और दुर्लभ औषधीय पौधों की प्रचुरता इसे यात्रियों और इतिहास के प्रति उत्साही लोगों के लिए एक अनूठा गंतव्य बनाती है। मंत्री ने स्वदेश दर्शन 2.0 योजना या इसी तरह की पहल के तहत इसे एक मेगा पर्यटन केंद्र में बदलने का आह्वान किया: उन्होंने कहा कि पर्यटक पहले से ही यहां आ रहे हैं और रणनीतिक निवेश के साथ इस किले को विश्व स्तरीय विरासत स्थलों की श्रेणी में शामिल किया जा सकता है। श्रीधर बाबू ने प्रमुख पर्यटन परियोजना के रूप में "कालेश्वरम-मंथनी-रामगिरी' सर्किट की परिवर्तनकारी क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इतिहास, आध्यात्मिकता और प्राकृतिक वैभव को एक साथ जोड़कर इस क्षेत्र को पर्यटकों, तीर्थयात्रियों और सांस्कृतिक उत्साही लोगों के लिए वैश्विक आकर्षण के रूप में स्थापित किया जा सकता है। यह केवल पर्यटन के बारे में नहीं है; यह भारत की आत्मा का जश्न मनाने के बारे में है। मंत्री ने कहा, "केंद्र सरकार के सहयोग से हम इस सपने को हकीकत में बदल सकते हैं और तेलंगाना को वैश्विक मंच पर भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत के एक चमकते हुए प्रकाश स्तंभ के रूप में स्थापित कर सकते हैं।" श्रीधर बाबू ने कहा कि ऐसी महान महत्वाकांक्षाओं के साथ, कालेश्वरम मंदिर और रामगिरी किला जल्द ही भारत के सबसे प्रतिष्ठित स्थलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हो सकते हैं, जो दुनिया भर से लाखों लोगों को आकर्षित करेंगे और विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक अमिट छाप छोड़ेंगे।

जीवन रेड्डी ने निजामाबाद में हल्दी बोर्ड की स्थापना का स्वागत किया

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी जीवन रेड्डी ने निजामाबाद में हल्दी बोर्ड की स्थापना का स्वागत किया है। बुधवार को गांधी भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान जीवन रेड्डी ने कहा कि निजामाबाद में हल्दी बोर्ड की स्थापना किसानों के दो दशकों के संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कई वर्षों से निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के गठन की वकालत कर रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों की मांगों के जवाब में यह विकास बहुत संतुष्टि का स्रोत है। इसके अलावा, कांग्रेस एमएलसी ने संकेत दिया कि केंद्र सरकार को विपणन प्रणाली, भंडारण गोदाम और कोल्ड स्टोरेज सहित आवश्यक सुविधाएं भी स्थापित करनी चाहिए। उन्होंने हल्दी बोर्ड के लिए एक समर्पित कार्यालय की आवश्यकता और इसके संचालन के लिए उचित धन की आवश्यकता दोहराई।

बीआरएस बी-आरएसएस में बदल गया: सीएम रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दावा किया है कि बीआरएस पार्टी प्रभावी रूप से बी-आरएसएस में बदल गई है, उन्होंने तेलंगाना में अपनी स्थिति और भाजपा के बीच समानताएं बताते हुए सुझाव दिया है कि बीआरएस आरएसएस का अनुकरण करने का प्रयास कर रहा है।

बुधवार को नई दिल्ली में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के नए मुख्यालय के उद्घाटन के बाद मीडिया से बात करते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा, "कांग्रेस को बीआरएस से मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह तेलंगाना में राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस के खिलाफ भाजपा द्वारा लगाए गए आरोपों को दर्शाता है। कांग्रेस पार्टी सफलतापूर्वक लोकतांत्रिक सरकार चला रही है, यह सुनिश्चित कर रही है कि राज्य में कानून का शासन कायम रहे।"

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी, जिसकी विरासत 140 साल पुरानी है, को अपना कार्यालय स्थापित करने में काफी समय लगा, जबकि हाल ही में उभरे क्षेत्रीय दल और भाजपा, जिसका अनुभव केवल 40 साल का है, बहुत कम समय में अपना कार्यालय स्थापित करने में कामयाब रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "जनता की सेवा के लिए कांग्रेस पार्टी के निस्वार्थ समर्पण को पहचानना सभी के लिए आवश्यक है।

नागरिकों को भाजपा और विभिन्न क्षेत्रीय दलों की वित्तीय स्थिति की जांच करने के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी द्वारा सामना की जा रही अधिक चुनौतीपूर्ण वित्तीय परिस्थितियों की जांच करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।" इसके अलावा, उन्होंने कहा कि देश के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय और रणनीतियां जल्द ही नए एआईसीसी मुख्यालय से तैयार की जाएंगी।

टीजीसीएचई ने कॉमन एंट्रेंस टेस्ट-2025 का शेड्यूल जारी किया

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) ने बुधवार को तेलंगाना में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए टीजी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट-2025 (टीजी सीईटी-2025) का शेड्यूल जारी किया। टीजीसीएचई के अध्यक्ष प्रो. वी. बालाकिस्ता रेड्डी ने टीजी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी सीईटी-2025) के कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के आयोजन के लिए निम्नलिखित तिथियों की घोषणा की है। इसके अनुसार, टीजी ईएपीसीईटी 29 और 30 अप्रैल (कृषि और फार्मेसी) को आयोजित किया जाएगा। इसी तरह इंजीनियरिंग स्ट्रीम के लिए परीक्षाएं 2 से 5 मई तक होंगी। टीजी ईसीईटी 12 मई को आयोजित की जाती है जबकि टीजी एंड सीईटी 1 जून को आयोजित की जाती है। इसी तरह टीजी एल एडब्लूसीईटी (3 वर्षीय और 5 वर्षीय LLB) 6 जून को आयोजित की जाती है। टीजी आईसीईटी - एमबीए और एमसीए 8 और 9 जून को आयोजित की जाएगी जबकि टीजी पीजीईसीईटी 16 से 19 जून तक आयोजित की जाती है। इसी तरह टीजी पीईसीईटी 11 से 14 जून तक आयोजित की जाएगी। शेड्यूल, आवेदन करने की पात्रता, देय पंजीकरण शुल्क आदि से संबंधित विस्तृत अधिसूचना संबंधित सीईटी संयोजकों द्वारा समय पर घोषित

लापता युवक का मिला शव

खम्मम, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। संक्रांति उत्सव मनाने के लिए घर आया एक युवक लापता हो गया और खम्मम शहर में रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया। परिवार के सदस्यों के अनुसार, खम्मम ग्रामीण मंडल के राजीव स्वगृह कॉलोनी के पी संजय कुमार (22) हैदराबाद में सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण ले रहे थे और त्योहार के लिए 12 जनवरी को खम्मम आए थे।

वह सोमवार को तड़के अपने भाई ज्ञानसाई को लेने के लिए दोपहिया वाहन पर नए बस स्टैंड गया था, क्योंकि वह त्योहार के लिए हैदराबाद से घर आ रहा था। लेकिन, बस स्टैंड पहुंचने से पहले संजय कुमार ने कथित तौर पर अपने भाई को फोन किया कि कॉलोनी के पास एक चिकन की दुकान पर एक वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी है।

बाद में उसने अपने फोन से एक वॉयस मैसेज भेजा जिसमें बताया गया कि ऑटो रिक्शा में चार लोग सवार थे; उन्होंने एक महिला की हत्या कर दी और वे उसे ऑटो रिक्शा में अगवा करके मारने की कोशिश कर रहे थे। संजय कुमार ने अपने भाई से हमलावरों से बचाने की गुहार लगाई और अपनी लाइव लोकेशन भेजी; बाद में फोन स्विच ऑफ हो गया। इसके बाद परिजनों, स्थानीय युवकों और पुलिस ने एनएसपी नहर और आसपास के इलाकों में संजय कुमार की तलाश की, लेकिन बाइक के अलावा उसका कहीं पता नहीं चला। मंगलवार को संजय का शव तनीकेला एनएसपी नहर के पास मिला।

खम्मम ग्रामीण पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी जनरल अस्पताल भेज दिया है। स्थानीय पुलिस निरीक्षक राजू ने मीडिया को बताया कि वे घटना से जुड़े सुराग के लिए सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रहे हैं। महिला के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है, जिसकी कथित तौर पर हमलावरों ने हत्या कर दी थी।

न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल तेलंगाना के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल को राज्य का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। भारत के राष्ट्रपति ने इस आशय के आदेश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति आलोक अराधे, जो अब तक तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे, को बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित किया गया है। न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल का जन्म 21 जून, 1964 को हुआ था। उन्होंने बी.कॉम, एमए और एलएलबी की शिक्षा पूरी की। उन्होंने 1990 में मध्य प्रदेश बार काउंसिल में अपना नाम दर्ज कराया और कई बैंकों, मानवाधिकार आयोग और अन्य बोर्डों में अपनी सेवाएं दीं। न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल, जिन्हें 27 मई, 2011 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था, को 14 अप्रैल, 2014 को स्थायी न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया था। बाद में, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर, उन्हें 21 मार्च, 2024 को तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में स्थानांतरित कर दिया गया था। अब, उन्होंने तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त होकर अपनी कानूनी सेवा यात्रा में एक और मील का पत्थर हासिल किया है।

चीनी मांझे से पुलिस कांस्टेबल घायल

गर्दन पर गहरा घाव

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को एक पुलिस कांस्टेबल के गले में चीनी धागा फंस जाने से उसकी गर्दन से खून बहने लगा। पीड़ित शिवराज, जो लैंगर हाउस ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में काम करता है, तिलक नगर-नारायणगुडा फ्लाईओवर रोड पर बाइक से जा रहा था, तभी चीनी मांझा का धागा उसके गले में उलझ गया। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता, मांझे ने उसकी गर्दन पर गहरा घाव कर दिया। स्थानीय लोगों ने जब यह देखा तो मदद की और पुलिसकर्मी को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

मुर्गों की लड़ाई के आरोप में 12 गिरफ्तार

कुमराम भीम आसिफाबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दो अलग-अलग घटनाओं में, मंगलवार को जिले में मनाए गए संक्रांति त्योहार के मद्देनजर आयोजित प्रतिबंधित मुर्गों की लड़ाई में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में एक दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पहली घटना में, कौटाला मंडल के जनगामा गांव में अपराध करते समय नौ लोगों को पकड़ा गया। पुलिस ने उनके पास से 3,900 रुपये नकद, तीन मुर्गे और तीन चाकू जब्त किए। उप-निरीक्षक एन मधुकर ने कहा कि आरोपी व्यक्ति कारे महेश, बेवनकर चंदू, उरकुडे संतोष, कोवा पल्लिकाराव, वेमुलावाड़ा सत्तेना, दांडेरा पांडुरंग, वाडाई रविंदर, सोनले भीमराव और जेड तिरुपति हैं, जो कौटाला मंडल के विभिन्न हिस्सों से संबंधित हैं।

इस बीच, चिंतलामनेपल्ली मंडल के रानावेल्ली गांव में प्रतिबंधित मुर्गों की लड़ाई में शामिल तीन लोगों को हिरासत में लिया गया। सब-इंस्पेक्टर नरेश ने बताया कि उनके पास से तीन मोटरसाइकिल, दो मुर्गे और 1,550 रुपये नकद जब्त किए गए।

दुर्घटना में दम्पति घायल

गला पतंग की डोर में फंसने से कटा

भुवनगिरी, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दो पहिया वाहन पर सवार होकर यदाद्री मंदिर जा रहे एक श्रद्धालु का गला पतंग की डोर में फंसने से कट गया। वाहन पर सवार उसकी पत्नी भी गिर गई और उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। वह मौके पर ही बेहोश हो गई। दोनों को इलाज के लिए एम्बुलेंस से भुवनगिरी क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया।

वयोवृद्ध दिवस समारोह का सम्मेलन के साथ समापन

2 हजार से अधिक पूर्व सैनिकों ने लिया भाग

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र उप क्षेत्र (टीएएसए) के तत्वावधान में आयोजित वेटरन डे सेलिब्रेशन 2025 का समापन सिकंदराबाद में एक सम्मेलन के साथ हुआ। 4 दिनों की अवधि के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में जॉब फेयर, मेडिकल कैंप और वेटरन आउटरीच प्रोग्राम शामिल थे, जिसमें 2,000 से अधिक पूर्व सैनिकों (ईएसएम) ने भाग लिया।

गोल्डन पाम सैनिक भवन में आयोजित जॉब फेयर के दौरान 180 से अधिक भूतपूर्व सैनिकों/आश्रितों को नौकरी के लिए चुना गया। दो पूर्व सैनिकों और एक वीर नारी को मौके पर ही ऑफर लेटर सौंपे गए।

अनुमान है कि 700 भूतपूर्व सैनिकों/ आश्रितों ने एमएच गोलकुंडा में आयोजित मेडिकल कैंप में भाग लिया और सूचीबद्ध अस्पतालों और जन औषधि केंद्रों द्वारा क्रमशः निःशुल्क नेत्र और दंत जांच तथा दवाइयों के वितरण की सुविधा का लाभ उठाया।

शिकायतों के निवारण के लिए भूतपूर्व सैनिकों के साथ दो दिवसीय संपर्क कार्यक्रम को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली और 1,500 से अधिक भूतपूर्व सैनिकों ने शिकायतों के मौके पर समाधान, चेहरे से पहचान के माध्यम से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (डीएलसी) और शीघ्र समाधान के लिए अपनी शिकायतों को दर्ज करने जैसी सुविधाओं का लाभ उठाया।

आदिवासी महिला ने गटक लिया 2 किलो तिल का तेल

आदिलाबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पाचन तंत्र को चुनौती देते हुए, राज गोंड समुदाय के थोडासम कबीले की एक महिला ने पवित्रता साबित करने, प्रजनन क्षमता में सुधार, अपने भाइयों की भलाई और किसानों के हित के लिए मंगलवार को हिंदू महीने पुष्य या पूस की पूर्णिमा के दिन नारनूर मंडल केंद्र में दो किलोग्राम तिल का तेल पी लिया।

सदियों से चली आ रही एक विशिष्ट प्रथा के अनुसार, जातीय जनजाति अपने देवता खामदेव की पूजा पांच दिवसीय मेले के दौरान करती है जिसे खामदेव जतरा के नाम से जाना जाता है। वे देवी के मंदिर के परिसर में एकत्र होते हैं। थोडासम कबीले की एक पैतृक बहन मेसराम नागोबाई को तिल के दानों से निकाले गए 2 किलोग्राम तेल को तीन बार में पीना होता है। नागोबा ने देवता के मंदिर में कबीले के बुजुर्गों, आसिफाबाद के विधायक कोवा लक्ष्मी और महाराष्ट्र के विधायक थोडासम राजू की मौजूदगी में बिना किसी परेशानी के तेल पी लिया। वह पहले भी दो बार ऐसा कर चुकी हैं। अगले साल थोडासम कबीले की एक और पैतृक बहन उनकी जगह लेगी। यह सिलसिला चलता रहता है क्योंकि आदिवासी अपनी प्राचीन परंपराओं का पालन करने को सबसे ज़्यादा महत्व देते हैं।

मनकापुर गांव के कबीले के एक बुजुर्ग थोडासम नागोराव ने बताया कि कबीले की महिलाएं प्राचीन काल से नेयुनवल खैयिदा नामक परीक्षण करती आ रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि महिलाओं को अपनी पवित्रता साबित करने के लिए तेल पीना चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे सीता को रामायण में अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता है। उनका यह कार्य उनके भाइयों की भलाई और किसानों की समृद्धि के लिए भी है। बुजुर्ग ने बताया कि परीक्षण में भाग लेने वाली महिलाओं को तेल का सेवन करने के बाद कोई जटिलता नहीं होगी। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को अब तक न तो स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या थी और न ही पाचन संबंधी कोई समस्या। उन्हें कार्य के दिन सुबह 9 बजे से पहले इसमें भाग लेना होगा, वे नियमित घरेलू या कृषि कार्य कर सकती हैं और दिन के बाकी समय में अपने सामान्य आहार का पालन कर सकती हैं।

खामदेव जातरा थोडासम कबीले के सदस्यों का एक महत्वपूर्ण धार्मिक आयोजन है। जिले के कई हिस्सों से ही नहीं बल्कि पड़ोसी महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश से भी लोग हर साल बहुत धूमधाम से मंदिर परिसर में इकट्ठा होते हैं। वे बैलगाड़ी से यात्रा करके पवित्र स्थान पर पहुंचते हैं। वे पांच दिनों तक अस्थायी तंबू के नीचे डेरा डालते हैं।

पुपलगुडा पहाड़ी पर पुरुष और महिला की हत्या

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। नरसिंगी पुलिस ने मंगलवार देर रात पुपलगुडा में मृत पाए गए दो व्यक्तियों की पहचान कर ली है। छत्तीसगढ़ की मूल निवासी और वनस्थलीपुरम निवासी दिव्या बिंदु (30) तीन जनवरी से लापता थी और शिकायत के बाद पुलिस ने अगले दिन महिला की गुमशुदगी का मामला दर्ज किया था। अंकित नाम का यह व्यक्ति नानकरामगुडा का रहने वाला है और मध्य प्रदेश का रहने वाला है। वह नानकरामगुडा में एक निर्माण स्थल पर काम करता था।

डीसीपी (राजेंद्रनगर) सीएच श्रीनिवास ने बताया कि अंकित और बिंदु एक-दूसरे को जानते हैं। 8 जनवरी को वह व्यक्ति वनस्थलीपुरम गया और बिंदु को नानकरामगुडा ले आया। उसने महिला को अपने एक दोस्त के घर पर ठहराया। पुलिस ने अंकित के दोस्त से पूछताछ कर कुछ जानकारी जुटाई। बिंदु के तीन बच्चे हैं, जिन्हें वह 3 जनवरी को घर पर छोड़कर चली गई थी। अंकित और बिंदु की सोमवार रात पुपालगुडा की पहाड़ी पर कुछ लोगों ने हत्या कर दी थी।

बस में आग लगने से महाकुंभ तीर्थयात्री जिंदा जला

49 लोग बाल-बाल बचे

निर्मल, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मथुरा में मंगलवार को प्रयागराज में महाकुंभ से वृंदावन लौटते समय एक बस में आग लगने से एक तीर्थयात्री जिंदा जल गया, जबकि 49 तीर्थयात्री बाल-बाल बच गए। सूत्रों ने बताया कि कुभीर मंडल के पालसी गांव के शीलम द्रुपथ (60) की बस में आग लगने से जलकर मौत हो गई, जबकि बाकी 49 तीर्थयात्री मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। द्रुपथ द्वारा धूम्रपान करने के कारण आग लगने का संदेह है। स्थानीय अग्निशमन गाड़ियों ने दुर्घटनास्थल पर तुरंत पहुंचकर आग बुझाई।

मुधोल विधायक रामाराव पटेल ने कहा कि मथुरा कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से बात करके तीर्थयात्रियों को जल्द से जल्द वहां से निकालने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को भोजन और आश्रय की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि आग की घटना में तीर्थयात्रियों का सामान भी जलकर खाक हो गया।

कार टैंक में गिरी, सतर्क ग्रामीणों ने चालक को निकाला बाहर

हैदराबाद, 15 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सतर्क ग्रामीणों ने एक चालक की जान बचाई, जब उसकी कार रंगारेड्डी जिले के केशमपेट गांव में सड़क से उतरकर एक टैंक में गिर गई। अहमदनगर निवासी मल्लेश्वर राव की कार सड़क किनारे खंभे से टकरा गई और फिर टैंक में गिर गई, जबकि वहां से गुजर रहे लोग यह सब देखकर दंग रह गए। जैसे ही कार पानी में डूबने लगी, वहां से गुजर रहे लोगों ने पानी में छलांग लगा दी और मल्लेश्वर राव को बाहर निकाला। माना जा रहा है कि दुर्घटना का कारण तेज गति से गाड़ी चलाना था। अगर राहगीरों ने राव को पानी से बाहर नहीं निकाला होता तो यह निश्चित रूप से दुखद होता। यह घटना रविवार को हुई थी, लेकिन बुधवार को ही इसका खुलासा हुआ।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.